हाँ का ना, ना का हाँ

१. इस प्रतियोगिता में सभी भाग ले सकते हैं।
२. प्रतियोगियों के नाम पर्ची के माध्यम से निकाले जायेंगे।
३. प्रतियोगियों को पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे –
   प्रथम तीन प्रश्नों के उत्तर सही देने हैं और सिर गलत हिलाना है।
   अन्तिम दो प्रश्नों के उत्तर गलत देने हैं और सिर सही हिलाना है।
   निर्णायक का निर्णय ही सर्वमान्य या अन्तिम निर्णय होगा।

१. प्रमेही पाँच होते हैं।
२. कषाय चार होती हैं।
३. रात में नहीं खाना चाहिए।
४. नरक गति अच्छी है।
५. तीर्थंकर २५ होते हैं।
६. तत्व चार होते हैं।
७. देवताओं की मूंछे होती हैं।
८. अनुयोग चार होते हैं।
९. हम गधे भी हुए हैं।
१०. तुम जैन हो।
११. अनछना जल पीना चाहिए।
१२. इन्द्रियाँ पाँच होती हैं।
१३. तुम अज्ञानी हो।
१४. आज उत्तम क्षमा का दिन है।
१५. तुमने आज नहाया है।
१६. तुम मनुष्य हो।
१७. विदेह क्षेत्र में २० तीर्थंकर होते हैं।
१८. कोई किसी का कर्ता-धर्ता नहीं है।
१९. हम अनादि काल से मिथ्यादृष्टि हैं।
२०. पांण्डव पाँच होते हैं।
२१. पंचकल्याणक पाँच होते हैं।
२२. तुम बहुत पापी नहीं हो।

दो कान

२३. हमे देव-शास्त्र-गुरु की पूजा करनी चाहिए। ✓
२४. नरक सात होते हैं।
२५. तुम ब्रह्मचारी हो।
२६. तुम भगवान आत्मा हो।
२७. तत्त्वार्थसूत्र के रचयिता उमास्वामी हैं।
२८. छहढाला के रचयिता बनारसीदास हैं।
२९. सुकुमार मुनि ने उपसर्ग किया था।
३०. तुम भूत हो।
३१. दुर्ग छत्तीसगढ में है।
३२. बाहुबली पाँचवें तीर्थंकर हैं।
३३. व्यसन सात होते हैं।
३४. जिनवाणी सुनना चाहिए।
३५. पटिठ पाँच होते हैं।
३६. प्रमाद के १५ भेद होते हैं।
३७. माता १६ स्वप्न देखती है।
३८. गधे के सींग दो होते हैं।
३९. बारह भावनायें होतीं हैं।
४०. जैनधर्म महान नहीं है।
४१. जियो और जीने दो आदिनाथ का संदेश है।
४२. सम्यग्दर्शन के बिना मोक्ष नहीं होता।
४३. लोभ पाप का बाप नहीं है।
४४. १४ गुणस्थान होते हैं।
४५. धर्म दस नहीं होते, लक्षण १० होते हैं।
४६. हमें प्रवचन में सोना चाहिए।
४७. हमें प्रश्न का उत्तर गलत देना चाहिए।
४८. हमें रात्रि में भोजन करना चाहिए।
४९. तुम्हारे घर में आलू-प्याज नहीं बनते।
५०. तुम्हारा नाम ब्रह्म है।
५१. तुम्हें मोक्ष जाना है।
५२. अरहंत पिता है, जिनवाणी माता है।

५३. हमें पूरे जीवन भर पाप करना चाहिए।
५४. काना होना पुण्य कर्म का उदय है।
५५. भगवान हमारा भला करते हैं।
५६. सिद्ध भगवान लौटकर संसार में आते हैं।
५७. कमठ ने पार्श्वनाथ भगवान का उपसर्ग दूर किया।
५८. तुम काले पापकर्म के उदय से हो।
५९. तुम बहुत झूठ बोलते हो।
६०. चोरी करना पाप है।
६१. हमें माता-पिता को आश्रम में छुड़वा देना चाहिए।
६२. तुम्हें प्रवचन में आना चाहिए।
६३. तुम अभव्य हो।
६४. सीता लव-कुश की सास थी।
६५. रावण ने राम को मारा।
६६. तुम जानते-देखते हो।
६७. पापा को मम्मी से लड़ना चाहिए।
६८. तुम्हारी मम्मी मंदिर आती है।
६९. औरतें मंदिर में जाकर घर-गृहस्थी की चर्चा करती हैं।
७०. भगवान महावीर का चिन्ह सर्प है।
७१. केवली भगवान चारों लोकों को स्पष्ट जानते हैं।
७२. तुम बहुत धर्मात्मा हो।
७३. साधु परमेष्ठी २८ मूलगुणों का अनाचार पूर्वक पालन करते हैं।
७४. हमें टी.वी. देखने से बहुत ज्ञान मिलता है।
७५. प्रत्येक द्रव्य स्वतंत्र व स्वाधीन है।
७६. द्वारिका नगरी कृष्ण ने जलाई।
७७. नेमीनाथ की शादी धूमधाम से हुई।
७८. पार्श्वनाथ के माता-पिता सिद्धार्थ और त्रिशला हैं।
७९. हाथी नारकी जीव हैं।
८०. अमृतचन्द्राचार्य ने समयसार लिखा।
८१. २+२=४ होते हैं।
८२. भरत ने १ वर्ष तक तप किया।

८३. मेघनाथ रावण का पिता है।
८४. राम लक्ष्मण बंदूक चलाते थे।
८५. हमें १० दिन संयम पूर्वक रहना चाहिए।
८६. छहढाला में ६ ढाले होती हैं।
८७. हम भी परमात्मा बन सकते हैं।
८८. कालिदास ने अच्छे भजने लिखें।
८९. तम्बाखू गधे खाते हैं।

पवन जैन 'सिद्धार्थ'
मुम्बई

आत्मानुभूति।। ।। श्री वीतरागाय नमः।। तत्व प्रचार।।

आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति

उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित

आचार्य कुन्दकुन्द ज्ञान पत्र द्वितीय

निर्देश :

1– आचार्य कुन्दकुन्द ज्ञान पत्र द्वितीय में जिनागम से सम्बन्धित 200 प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक सुरक्षित है।
2– निर्णायक मण्डल का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।
3– प्रश्नपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 30/5/07 है।
4– प्रश्नपत्र स्थानीय प्रभारी एवं स्थानीय विद्वान के पास 30/5/07 तक जमा किये जा सकते हैं।
5– प्रश्नपत्र आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति 80, हनुमान गंज फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश पर भी भेजे जा सकते है
6– देरी से प्राप्त प्रश्नपत्र प्रतियोगिता में शामिल नहीं किये जा सकतें।
[redacted]
8– प्रश्नपत्र की सहयोग राशि 3 /– रूपये रखी गई है।

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार	अन्य सांत्वना पुरस्कार (4)
वीडियोकॉन का डी0वी0डी0 प्लेयर	महाराजा की मिक्सी	वी0आई0पी0 सूटकेस (फुलसाइज)	कूल केन (CELLO)

नाम दीपेश कुमार जैन पिता/पति का नाम .....

पूरा पता..... फोन न0 .....

प्र01– सीता को कितनी बार वन जाना पड़ा था ? तीन बार
प्र02– भरत चक्रवर्ती के स्त्रीरत्न का क्या नाम था ? सुभद्रा
प्र03– राजा अमरप्रभ के पुत्र का नाम क्या था ? अपिबेतु
प्र04– राजा अनरण्य का पुत्र कौन था ? दशरथ
प्र05– किष्किन्ध नगर का राजा कौन था ? सुग्रीव
प्र06– पुनर्वसु सामन्त किस नगर का स्वामी था ? प्रतिरुद्ध पुर
प्र07– भगवती का पुत्र किस नाम से प्रसिद्ध था ? सत्य की र्ति
प्र08– कुशंध्वज ब्राह्मण की स्त्री का नाम क्या था ? स्वयंप्रभा
प्र09– मन्दोदरी आदि के साथ कितनी स्त्रियों ने संयम धारण किया ? 48 हजार
प्र010– रावण की कितनी स्त्रियाँ थी ? 18 हजार
प्र011– जनक का छोटा भाई कौन था ? कनक
प्र012– राजा भूति का जीव मरकर कौन से वन में मृग हुआ ? सल्लकारन्य नामा वन में
प्र013– रत्नमाली का पुत्र कौन था ? सूर्यअजय
प्र014– श्रेणिक राजा कहाँ राज्य करता था ? राजगृही में
प्र015– सम्पूर्ण कल्पवृक्ष किस कुलकर के काल में नष्ट हुए ? नाभिराय
प्र016– महेन्द्र विद्याधर कहाँ रहता था ? महेन्द्र गिरी पर्वत पर
प्र017– पवनंजय का दूसरा नाम क्या था ? वायु कुमार
प्र018– राजा महेन्द्र की पुत्री का नाम क्या था ? अंजनासुन्दरी
प्र019– लक्ष्मण की माता का नाम क्या था ? सुमित्रा
प्र020– रावण कौन सी विद्या साध रहा था ? बहुरूपिणी विद्या
प्र021– वज्रजंघा कहाँ का स्वामी था ? पुण्डरीकपुर
प्र022– राक्षसों का इन्द्र कौन था ? भीम
प्र023– राक्षसद्वीप के मध्य कौन सा पर्वत है ? त्रिकुटाचल
प्र024– रतिमयूख राजा की कन्या का नाम क्या था ? सुप्रभा

प्र025– ऋषभदेव का प्रथमपुत्र कौन था ? भरत

प्र026– सम्यक्दर्शन के कितने अंग होते है ? आठ

प्र027– नौवी प्रतिमा का नाम क्या है ? परिग्रह त्याग प्रतिमा

प्र028– बुरी आदत जो इस लोक तथा परलोक में संकटों में डाल दें उसे क्या कहते हैं ? व्यसन

प्र029– श्रावक के कितने मूलगुण होते हैं आठ

प्र030– उदम्बर फलों के नाम लिखो बड़, पीपल, कमर, कठूमर, पाकर

प्र031– अणुव्रत कितने होते है पाँच

प्र032– जिससे अणुव्रतों में विकास हो उसे क्या कहते हैं गुणव्रत

प्र033– शिक्षाव्रत के कितने भेद है चार

प्र034– अहिंसाव्रत के कितने अतिचार लग सकते है 5

प्र035– ब्रह्मचारी कितने प्रकार के होते हैं 5

प्र036– बोधिदुर्लभ अनुप्रेक्षा कौन से क्रम की अनुप्रेक्षा है ग्यारहवीं

प्र037– आठवें धर्म का नाम क्या है उत्तम त्याग

प्र038– परिषह के कितने भेद है 22

प्र039– तप कितने प्रकार के होते है 12

प्र040– किसी एक आलम्बन पर मन को केन्द्रित करना क्या है ध्यान

प्र041– धर्मध्यान के कितने भेद है 10

प्र042– ऋद्धियाँ कितने प्रकार की होती हैं 8

प्र043– मुनिराजों के आहार में आने वाले अंतराय के कितने भेद है 32

प्र044– मुनिराजों के कितने आवश्यक होते हैं 6

प्र045– पूजा के कितने अंग होते हैं 5

प्र046– प्रतिक्रमण के कितने भेद हैं 8

प्र047– गुणों के समूह को क्या कहते हैं द्रव्य

प्र048– रत्नकरण्ड श्रावकाचार के रचियता कौन हैं समन्तभद्राचार्य

प्र049– रत्नकरण्ड श्रावकाचार में कुल कितने छन्द हैं 150

प्र050– आदिपुराण शास्त्र के रचियता कौन है रविषेनाचार्य

प्र051– हरिवंश पुराण के रचियता कौन है आचार्य जिनसेन

प्र052– राजा समुद्र विजय के सबसे छोटे भाई का नाम क्या है राजा वसु

प्र053– कृष्ण का जन्म कितने माह गर्भ में रहने के बाद हुआ सात

प्र054– राजा धृतराज की कितनी पत्नियाँ थी 3

प्र055– राजा पाण्डु की पत्नी कौन थी माद्री

प्र056– द्रौपदी किसकी पुत्री थी द्रुपद

प्र057– राजुल किसकी पुत्री थी। उग्रसेन

प्र058– राजा मुनिसुव्रत के पुत्र कौन थे सुव्रत

प्र059– झूठ बोलने के कारण सिंहासन जमीन में धस गया वे कौन थे राजा वसु

प्र060– मुनिसुव्रतनाथ का कुमारकाल तथा राज्यकाल कितने वर्ष का था। राज्यकाल 5 हजार वर्ष, कुमारकाल 7.5 हजार वर्ष 3 1/4 1/4

प्र061– 63 शला का पुरूष में बलदेव कौन थे बलभद्र

प्र062– वे कौन मंत्री थे, जिनको जैन मुनि से द्वेष था बलि, प्रहलाद, नमुचि, बृहस्पति

प्र063– वसुदेव किस नगरी में राज्य करते थे रत्नपुरी

प्र064– सुभौम चक्रवर्ती के पिता का नाम क्या था कार्तवीर्य

प्र065– सातवें नम्बर की सोलह कारण भावना का नाम क्या है शक्तितः त्याग भावना

प्र066– माता के सोलह स्वपनों में बारहवां स्वप्न क्या है सिंहासन

प्र067– ऐरावत हाथी के दाँत कितने होते है 32

प्र068– रानी रूक्मणी का पुत्र कौन था प्रद्युम्न कुमार

प्र069– राजा दुर्योधन कौन से वंश का था। कुरुवंशी

प्र070– 63 शलाका पुरूष में कृष्ण कौन थे। नारायण

प्र071– नारायण नियम से किसका वध करता है — प्रतिनारायण का
प्र072– श्रीकृष्ण के बाद देवकी के कौन सा पुत्र हुआ था। — ~~सुकुल कुमार~~ गजकुमार
प्र073– मुनिसुव्रतनाथ भगवान का वंश कौन सा था। — यादव वंश
प्र074– सत्यभामा के मोक्ष जाने में कितने भव शेष थे। — 2
प्र075– जरासंध और कंस मे प्रतिनारायण कौन था। — जरासंध
प्र076– प्रथमानुयोग के कोई पाँच ग्रन्थों के नाम बताओ — आदिपुराण, उत्तरपुराण, हरिवंशपुराण, शलाका[illegible]
प्र077– बहुरूपिये से मुनि कौन बने — पद्म मुनिराज
प्र078– तीर्थंकर के माता–पिता मर कर कौन सी गति प्राप्त करते है। — ऊर्ध्वगमन
प्र079– सर्वार्थ सिद्धि के देवो की आयु कितनी होती है। — 33 सागर
प्र080– स्त्रियाँ कौन से नरक तक जा सकती है — 6
प्र081– सूक्ष्म लोभ किस गुण स्थान तक रहता है। — 10
प्र082– द्विदल किसे कहते है। — दो दल के पदार्थ के साथ दही लेने पर द्विदल होता है
प्र083– पूजन के कौन–कौन से अंग है। — 5
प्र084– तीर्थंकर प्रकृति के बंध का कारण क्या है। — 16 कारण भावना
प्र085– जैन के मुख्य लक्षण क्या है। — हित मे भोजन, छान के पानी, नित्य जिनालय जाना
प्र086– एक जीवन को एक साथ अधिक से अधिक कितने ज्ञान हो सकते है — 4
प्र087– पंचपरमागम के नाम तथा लेखक बताइये। — समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय अष्टपाहुड[illegible]तीय
प्र088– सम्यग्ज्ञान के बिना किये गये तप को क्या कहते है — बालतप
प्र089– विभाव किसे कहते है। — आत्मा के विकृत भाव को विभाव कहते है
प्र090– 24 तीर्थंकरों में पाँच तीर्थंकरों के नाम लिखिये, जिनके जीवन मे समानता हो तथा उनके नम्बरों का योग 100 हो। — वासुपूज्य, मल्लिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, महावीर।
प्र091– दशलक्षण पर्व वर्ष में कितने बार तथा कब–कब आते है। — 3 बार
प्र092– भारत में बूचड़खाने किस जैन त्यौहार के दिन बन्द हो जाते है। — महावीर जयंती
प्र093– जिस घर में जिनवाणी नहीं होती, उसे क्या कहते है। — श्मशान
प्र094– गोमटेश की मूर्ति का निर्माण किसने कराया। — राजा चामुण्डराय
प्र095– छः महीने समय मे कितने जीव मोक्ष जाते है। — 608
प्र096– 363 मत किसने चलाये। — मारीची
प्र097– भगवान महावीर की प्रथम देशना कब और कहां खिरी। — विपुलाचल पर्वत, श्रावण की [illegible]
प्र098– भगवान महावीर का जीव कहाँ से च्युत होकर आया। — सोलहवें स्वर्ग से।
प्र099– राजकुमार महावीर का वंश कौन सा था। — नाथ वंशीय
प्र0100– श्रवणबेल गोला की बाहुबली भगवान की प्रतिमा की ऊँचाई कितनी है। — 57
प्र0101– मध्यलोक में एक साथ कितने तीर्थंकर हो सकते है। — 170
प्र0102– मध्यलोक में सर्वाधिक तीर्थंकर एक साथ किस तीर्थंकर के तीर्थंकर काल में हुए — अजितनाथ
प्र0103– विदेह क्षेत्र में कितने तीर्थंकर होते है। — 20
प्र0104– 10 धनुष ऊँचाई किस तीर्थंकर की है। — नेमीनाथ
प्र0105– तीर्थंकर महावीर के प्रथम आहारदाता कौन थे। — कूल
प्र0106– किन तीर्थंकरों की जन्म तिथि समान है। — पद्मप्रभ, पार्श्वनाथ
प्र0107– कितने तीर्थंकरों की जन्म तिथि व दीक्षा तिथि समान नहीं है। — 3 सुमति, अरनाथ, महावीर
प्र0108– कितने तीर्थंकरों के वैराग्य का कारण उल्कापात थे। — 4
प्र0109– कितने तीर्थंकरो ने राज्य नहीं किया — 5
प्र0110– वर्तमान में किस तीर्थंकर का शासन चल रहा है। — महावीर स्वामी
प्र0111– दत्त किस तीर्थंकर के मुख्य गणधर थे। — चन्द्रप्रभ तीर्थंकर
प्र0112– तीर्थंकर के कितने अतिशय होते है। — 34
प्र0113– भविष्य काल के चौबीसवें तीर्थंकर कौन से है। —
प्र0114– विदेह क्षेत्र में विराजमान बीसवें तीर्थंकर कौन से है। — अजितवीर्य

प्र0116– 12 योजना विस्तार वाला समवशरण किस तीर्थंकर का था। आदिनाथ

प्र0118– कौन थे जिन्होंने षट्खण्डागम ग्रन्थ की रचना की थी। भूतबली पुष्पदंत

प्र0117– वे कौन से मुनिराज थे जो प्रमाद/अंग में प्रसिद्ध हुए। वज्र कुमार

प्र0118– वे कौन से मुनिराज थे जिनको अन्तर्मुहूर्त में केवलज्ञान हो गया था। भरत मुनि

प्र0119– वे कौन से मुनिराज थे जिनका वाद में भक्षण किया था। सुकोशल मुनि

प्र0120– वे कौन से मुनिराज थे, जिन्हें 3 दिन तक लोमड़ी खाती रही। सुकुमाल मुनि

प्र0121– वे कौन थे जिनको देखने देवेन्द्र आया था। सनत कुमार चक्रवर्ती

प्र0122– वे कौन थे जो इस युग में प्रथम आहार दाता थे। राजा श्रेयांस

प्र0123– वे कौन से मुनिराज थे जो विवाह के एक दिन पहले दीक्षित हुए थे। जम्बूस्वामी

प्र0124– वे कौन थे जिन्हें सूली पर चढ़ाते ही सूली सिंहासन बन गयी। सुदर्शन सेठ

प्र0125– वे कौन से मुनिराज थे, जिन्हें वन में देवताओं ने आहार दिया था। चन्द्रगुप्त मुनि

प्र0126– वे कौन से मुनिराज थे, जो भगवान आदिनाथ से पहले मोक्ष गये थे। अनंत वीर्य, बाहुबली

प्र0127– वे कौन से मुनिराज थे, जिनको एक बार में याद हो जाता था। अकलंक मुनि

प्र0128– वे कौन से मुनिराज थे, जो कानी स्त्री से मोह करते थे तथा उस मोह को दूर किया था। पुष्पदंत

प्र0129– वे कौन से मुनिराज थे जिनके गले में मरा सर्प डाला गया। गजोधर मुनि

प्र0130– वे कौन से मुनिराज थे, जिनका उपसर्ग राम-लक्ष्मण ने दूर किया था। देशभूषण, कुलभूषण

प्र0131– वे कौन से मुनिराज थे जिन्हें भस्मक व्याधि रोग हो गया था। समन्तभद्राचार्य

प्र0132– वे कौन से मुनिराज थे, जो एक वर्ष तक कायोत्सर्ग खड़े रहे। बाहुबली

प्र0133– वे कौन से मुनिराज थे जिन्होंने हाथी पर बैठे-बैठे केशलोंच कर लिया था। राजा मधु

प्र0134– वे कौन से मुनिराज थे जिनके तीव्र क्रोध के कारण द्वारिका जल उठी थी। द्वीपायन मुनि

प्र0135– वे कौन से मुनिराज थे जिन्होंने 700 मुनियों का उपसर्ग दूर किया था। विष्णुकुमार

प्र0136– वे कौन से मुनिराज थे जिन पर सीतेन्द्र ने उपसर्ग किया था। राम मुनि

प्र0137– वे कौन से मुनिराज थे जिन्होंने बल ऋद्धि से कैलाश पर्वत दबाया। बलि मुनि

प्र0138– वे कौन से मुनिराज थे जिनके सर पर जलती सिगड़ी रखी गई थी। राज कुमार

प्र0139– वे कौन थे जिनकी बहन को कुदृष्टि देखने मात्र से वैराग्य हो गया था। कुलभूषण, देशभूषण

प्र0140– वे कौन् थे जिन्होंने नाग-नागिनी को णमोकार मंत्र सुनाया। पार्श्वनाथ

प्र0141– द्रव्यानुयोग में क्या निरूपण करके धर्म में लगाते है। हेय, तत्व का

प्र0142– तीव्रकषायी किसका पुरूषार्थ करता है। पाप का

प्र0143– औपशमिक सम्यक्त्व के कौन-कौन से भेद है। प्रथमोपशम, द्वितीयोपशम

प्र0144– सरल कषाय रहित जो उदासीन भाव है, उसे क्या कहते है। सच्चा चारित्र

प्र0145– निर्जरा का सच्चा कारण क्या है। शुद्धोपयोग

प्र0146– सुखी होने के लिए पहले क्या-क्या करना चाहिये। तत्वज्ञान व उपाय व निर्णय

प्र0147– सम्यक्त्व होने से पूर्व कितनी उपलब्धियाँ होती है। लब्धियां व निर्णय

प्र0148– चरित्र मोह के उदय से जो कषाय होती है, उसका नाम क्या है। मिथ्या चारित्र

प्र0149– पंचम काल में कितने केवली हुऐ। 3

प्र0150– सर्व धर्म का मूल क्या है। सद्भाव

प्र0151– चौदह विद्याओं में प्रधान विद्या कौन सी है। अध्यात्म विद्या

प्र0152– दुख का मूल कारण क्या है ? कर्म बंधन

प्र0153– श्रुत ज्ञान कितने प्रकार का होता है। दो 2

प्र0154– अवधिज्ञान के कितने भेद है। 3

प्र0155– दर्शन मोह के उदय से क्या होता है। मिथ्यादर्शन

प्र0156– मिथ्यात्व कषायादि भाव किसे उदय से होते है। मोह

प्र0157– मोह का मंद उदय आने मंदकषायरूप भाव हों कि तत्व विचार हो सकें उसे क्या कहते है। विशुद्धलब्धि

प्र0158– आत्मा के परिणाम विशेषो की प्राप्ति के जो तीन रूप है, तथा इन तीनों के कारणों के क्रम से कर लेने पर भव्य सम्यक्त्व का प्राप्त कर लेता है, तो उसे क्या कहते है। करण लब्धि

प्र0159– जो सम्यक्त्व से भ्रष्ट हो उसे कौन सा मिथ्यादृष्टि कहते है। सादि मिथ्यादृष्टि

प्र0160– अघाति कर्मों में विशेष रूप से पाप प्रकृतियों का क्या होता है। उदय

प्र0161– प्रसिद्ध छहढालाकार का जन्म कहाँ हुआ था, उनका नाम भी बतायें। आमेनी, पं. दौलतराम

प्र0162– तीन लोक में सारभूत क्या है। वीतराग विज्ञान

प्र0163– तीन लोक में जीव क्या चाहते है। सुख

प्र0164– पंचेन्द्रिय कितने प्रकार के होते है। दो, संज्ञी असंज्ञी

प्र0165– सहन करने की अनिच्छा होने पर भी जीव रोग क्षुधादि सहन करता है उसे क्या कहते है। अकाम निर्जरा

प्र0166– तीन काल में किसी भी समय रत्नत्रय कि प्राप्ति की योग्यता रखने वाले जीव को क्या कहते है। भव्य

प्र0167– प्रयोजनभूत तत्व कितने है। सात

प्र0168– छः द्रव्यों को अवगाहना कौन सा द्रव्य देता है। आकाश द्रव्य

प्र0169– कितने सेवन से गृहीत मिथ्यात्व होता है। कुदेव, कुगुरु कुधर्म

प्र0170– आत्मा का सुख किससे रहित है। आकुलता से

प्र0171– सम्यक्ज्ञान, चारित्र किसके बिना नहीं होते। सम्यक् दर्शन

प्र0172– कुदेव, कुगुरू, कुधर्म तथा इनके सेवक ये किसके भेद है। ६ अनायतन

प्र0173– धार्मिक कार्यो में अनुत्साह क्या है प्रमाद

प्र0174– निक्षेप के भेद कितने व कौन से है। 14

प्र0175– सम्यकचारित्र के कितने भेद है 13

प्र0176– सोहलवे स्वर्ग से ऊपर तथा प्रथम अनुदिश से नीचे देवों के रहने का स्थान क्या है। ग्रैवेयक

प्र0177– द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और भव किसके भेद है। परावर्तन के

प्र0178– गुणस्थान कितने होते है। 14

प्र0179– तीन लोक की ऊँचाई कितनी है। 14 राजू

प्र0180 - पाँचवे नरक का नाम क्या है। धूम प्रभा

प्र0181– छः लेश्याएँ कौन–कौन सी है। कृष्ण, नील, कापोत, पीत, पद्म, शुक्ल

प्र0182– नरक गति के जीवों की उत्कृष्ट आयु कितनी है। 33 सागर

प्र0183– कौन से पर्वत के आगे मनुष्य नहीं जा सकता। मानुषोत्तर पर्वत

प्र0184– संस्थान तथा संहनन कितने प्रकार के होते है। 6

प्र0185– 16 स्वर्ग में कितने इन्द्र होते है। 12

प्र0186– नन्दीश्वर द्वीप किस लोक का कौन सा द्वीप है। 3, मध्यलोक

प्र0187– लान्तव स्वर्ग कौन सा स्वर्ग है। 7

प्र0188– जम्बूद्वीप में कितने क्षेत्र होते है। 7

प्र0189– जीवों की उत्पत्ति स्थान को क्या कहते है। योनी

प्र0190– शरीर कितने प्रकार के होते है। 5

प्र0191– नारायण कितने होते है। 9

प्र0192– नन्दीश्वर द्वीप में कुल कितनी प्रतिमायें है। 5616

प्र0193– अष्टान्हिका पर्व वर्ष में कितनी बार आता है। 3

प्र0194– स्वर्ग के देवों की जघन्य आयु कितनी होती है। 10 हजार वर्ष

प्र0195– जिनेन्द्र भगवान कितने इन्द्रों से पूजित है। 100 इन्द्र

प्र0196– मध्य लोक में कितने अकृत्रिम चैत्यालय होते है। 458

प्र0197– नरक के बिल कुल कितने होते है। 84 लाख

प्र0198– मनुष्य की उत्कृष्ट आयु कितनी होती है। तीन पल्य

प्र0199– मध्य लोक की ऊँचाई कितनी होती है। 1 लाख योजन

प्र0200– तीन लोकों में कितने अकृत्रिम जिन चैत्यालय है। 8 करोड़ 56 लाख 97 हजार

8517148। 4 से 8।

३७) चार अस्ति
1) कर्तृत्व 2) भोगतत्व
3) नास्तत्व × 4) एकत्व
– ममत्व

३८) चार गति
1) तिर्यंच 2) नरक
3) मनुष्य 4) मोक्ष × – देव

३९) चार अनुयोग
1) द्रव्यानुयोग 2) चरणानुयोग
3) गन्धानुयोग × 4) प्रथमानुयोग
करणानुयोग

४०) चार शिक्षाव्रत
1) सामायिक 2) भोग उपभोग परिमाण
3) अतिथि संविभाग 4) उपभोग व्रत ×
– प्रोषधोपवास

४१) चार दर्शनोपयोग
1) अचक्षु 3) अचक्षुदर्शन
2) चक्षुदर्शन 4) ज्ञानदर्शन ×
– केवलदर्शन

Date

मैदान बताओ

(i) चार कषाय
(i) क्रोध (ii) मान (iii) कुशील (iv) लोभ
अब्रह्म माया

(ii) सिद्ध क्षेत्र
(i) पावापुर (iii) गिरनारजी
(ii) चम्पापुर (iv) महावीरजी
≠ सम्मेदशिखरजी

(iii) चार गति
(i) मनुष्य (iii) मोक्ष ×
(ii) तिर्यंच (iv) नरक
देव

(iv) पाँच पाप
(i) हिंसा (iii) चोरी
(ii) झूठ (iv) कुशील
(v) रति × = परिग्रह

(v) पाँच स्थावर
(i) पृथ्वी (iii) अग्नि
(ii) जल (iv) बादर ×
(iv) वायु (iv) वनस्पति

⑥ पंच परमागम

(i) समयसार जी (iii) नियमसार
(iii) प्रवचनसार (iv) ~~अष्ट~~ अष्टपाहुड़
(v) त्रिलोक सार ✗ ⇒ पंचास्तिकाय

⑦ पाँच पाण्डव

(i) युधिष्ठिर (ii) अर्जुन
(iii) कर्ण ✗ (iv) नकुल
(v) सहदेव ⇒ भीम

⑧ स्वाध्याय

(i) वाचना (iii) अनुकरण ✗
(ii) प्रच्छना (iv) आम्नाय
(v) धर्मोपदेश ⇒ अनुप्रेक्षा

9) संवाय पाँच

1) स्वभाव 2) भवितव्यता
3) पुरुषार्थ 4) काललब्धि
5) कर्मोदय ✗ ⇒ निमित्त

10) वर्ण की पर्याय

1) काला 2) सफेद हरा
3) नीला 4) हरा ✗ 5) लाल - पीला

महत्त्वपूर्ण जानकारी

(11) चार कषाय चौकड़ी
1) अनंतानुबंधी 2) अप्रत्याख्यानावरण
3) प्रत्याख्यानावरण 4) संज्वलन ✗ ज्ञानावरण

(12) षट् आवश्यक
1) देवपूजा 2) गुरुभक्ति
3) स्वाध्याय 4) तप
5) सामायिक ✗ 6) दान - संयम

(13) पाँच आचार
1) दर्शन 2) ज्ञान
3) चारित्र 4) सुख ✗
5) वीर्य ⇨ तप

(14) पाँच परावर्तन
1) द्रव्य 2) क्षेत्र
3) काल 4) पुद्गल ✗
5) भव ⇨ भाव

(15) पंच बालयति ब्रह्मचारी
1) पुष्पदंत ✗ 2) नेमीनाथ
3) मल्लिनाथ 4) ~~नेमी~~ पार्श्वनाथ
5) महावीर ⇨ वासुपूज्य

Date: / /

6) ज्ञातेय तत्व
1) जीव 2) अजीव ✗
3) निर्जरा 4) मोक्ष
5) संवर

17) देव
1) भवनवासी 2) ज्योतिषी
3) व्यंतर 4) असुर कुमार ✗
- वैमानिक

18) स्थावर
1) पृथ्वी 2) जल
3) बादल ✗ 4) अग्नि
5) वायु — वनस्पति

19) पाँच भाव
1) औपशमिक 2) क्षायिक
3) क्षायोपशमिक 4) युग्मशुक्ल ✗
5) पारिणामिक — औदयिक

20) सती
1) अंजना 2) प्रभावती
4) नीली

Date: / /

21) ब्रह्मचारिणी
1) वाहनी 3) अनंतमति
2) सुंदरी 4) चेलणा ✗
- चंदनबाला

22) शाश्वत पर्व
1) दशलक्षण 3) चतुर्दशी
2) अष्टाह्निका 4) दीपावली ✗
- अक्षयी

23) कल्याणक
1) गर्भ 3) तप
2) जन्म 4) केवलज्ञान ✗
5) मोक्ष - ज्ञान

24) आगम
1) पूर्वधर श्रुतकेवली आचार्य 3) गणधर रचित ग्रंथ
2) षट्खण्डागम 4) देव-शास्त्र-गुरु
— पंचपरमेष्ठी

25) चार संज्ञा
1) आहार 3) मैथुन
2) भय 4) भाव ✗
— परिग्रह

6) 53559 णमोकार मंत्र
5 पद 35 अक्षर
58 मात्रा

7) 466 35 2528 - पाँचों परमेष्ठी के गुणस्थान
अरिहंत - 46 आचार्य - 36 साधु - 25
सिद्ध - 8 उपाध्याय - 25

8) 2412999 - 63 शलाका पुरुष
24 तीर्थंकर 12 चक्रवर्ती
9 नारायण 9 प्रतिनारायण 9 बलभद्र

9) 40322422 11 - सौधर्म इन्द्र
40 - भवनवासियों के बीस इन्द्र बीसवीं
32 - व्यंतरों के
24 - सोलह स्वर्गों के इन्द्र
2 - ज्योतिषी - सूर्य, इन्द्र
1 मनुष्य में चक्रवर्ती
1 तिर्यंच सिंह

10) 16995 ऊर्ध्वलोक
16 स्वर्ग 9 अनुदिश
9 ग्रैवेयक 5 पंचोत्तर

11) 8525 - 20 पुद्गल की पर्याय
8 - स्पर्श 2 गंध
5 - रस 5 वर्ण

12) 3368 - 25 सम्यग्दर्शन के दोष
8 मद 6 अनायतन
3 मूढ़ता 8 शंकादि दोष

13) 4444 16 ध्यान के भेद
4 आर्त, 4 रौद्र, 4 धर्म, 4 शुक्लध्यान

14) IIII चार अनुयोग, चार कषाय
चारगति

15) IIIII पाँच परमेष्ठी, पाँच पाप.

16) 354 - बारह व्रत श्रावक के
3 गुणव्रत 4 शिक्षाव्रत
5 अणुव्रत

Date: / /

26) दान
i) आहार 3) अभय
ii) ज्ञान 4) पैसादान ×
- औषधि

27) हिंसा
1) आरंभी 2) संकल्पी
3) आरम्भी 4) वसु ×
- विरोधी

28) निक्षेप
1) नाम 2) द्रव्य ✓
3) क्षेत्र × 4) भाव
- स्थापना

29) विग्रहगति
1) ऋजुगति 3) पाणिमुक्ता 4) स्थानांतरी
2) गोमूत्रिका 5) लांगलिका

30) आराधना
1) ज्ञान 3) चारित्र
2) तप 4) वीर्य ×
सम्यक्

Date: / /

1. 10.10.5.8.4 - अरहंत के 46 मूलगुण
10- जन्म
10 - केवलज्ञान
14 - देवकृत
8 - घातिकर्म
4- अनंत चतुष्टय

2. 1.1.1.1.1.1.1.1 - सिद्ध के 8 मूलगुण
समकित, दर्शन, ज्ञान, अगुरुलघु, अवगाहन
सूक्ष्मत्व, वीरजवान, निराबाध गुण सिद्ध

3. 10.12.5.6.3 - आचार्य के 36 मूलगुण
10 धर्म 5 पंचाचार 3 गुप्ति
12 तप 6 आवश्यक

4. 7.4444 - 25 कषाय
9 - नौकषाय 4 अनंतानुबंधी आदि
4 - प्रत्याख्यान 4 अप्रत्याख्यान
4 संज्वलन

5. 55567 साधु के 28 मूलगुण
5 महाव्रत 5 इन्द्रियों पर विजय
5 समिति 6 आवश्यक
3 संभरण

17) 5111 श्रावकों के अष्ट मूलगुण
5 उदम्बर फल
मद्य, मांस, मधु

18) 24 तीर्थंकर भगवान जाईवार
20.1.1.1.1
20 सम्मेद शिखरजी
1 चंपापुर
1 पावापुर
1 गिरनार
1 कैलास पर्वत

19) 19.5 - 24 तीर्थंकर
19 - सामान्य
5 - वासुपूजी
महावीर, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ, मल्लिनाथ

30) श्रावकों की 18 क्रियाएं
1.8.4.3.1
सम्यक्त्व, 8 मूलगुण चार दान
देवपूजा गुरुपासना स्वाध्याय संयम तप दान

21) 15 प्रमाद 445
4 विकथा
4 कषाय
5 इन्द्रिय
स्नेह, निद्रा

22) उपाध्याय 25 मूलगुण 1114
11 अंग 14 पूर्व

23) 59 23.2593 24
5 तीर्थंकर 9 हरिवंश
25 मोहनीय 5- अंतराय
4 आयु 93 नाम
2 गति 2 वेदनीय

24) 1204
उपयोग, अंक, तीनोपयोग 8 दर्शनोपयोग

25) 29 16213 - पाँच भाव
औपशमिक - 2
क्षायिक - 9
क्षायोपशमिक - 18
औदयिक - 21
पारिणामिक 3

31) देव
1) क्रोध 2) शोक
3) मान 4) भ्रम
5) अरति 6) रति ×
- जुगुप्सा

32) ज्योतिष देव
1) सूर्य 3) ग्रह
2) चन्द्रमा 4) नक्षत्र
5) उपग्रह × - प्रकीर्णक तारे

33) उपसर्ग जयी मुनिराज
1) अशोक मुनि 2) गजकुमार मुनि
3) सुकुमाल मुनि 4) भरत ×
- सुकौशल

34) राजा राम का परिवार
1) राम 2) लक्ष्मण ×
3) सीता 4) लव
- उत्तर

35) ~~चर्या~~ पर्यायी के मूलगुण
1) 25 उपाध्याय 2) 46 अरहंत
3) साधु 28 4) 36 5) सिद्ध 108×

Date: / /

36) चार बुद्धि
1) कर्तृत्व 2) भोगतत्व
3) नाशत्व × 4) एकत्व
– ममत्व

37) चारगति
1) तिर्यंच 2) नरक
3) मनुष्य 4) मोक्ष × – देव

38) चार अनुयोग
1) द्रव्यानुयोग 2) चरणानुयोग
3) धर्मकथानुयोग × 4) गणितानुयोग
करणानुयोग

39) चार शिक्षाव्रत
1) सामायिक 2) भोगोपभोग परिमाण
3) अतिथि संविभाग 4) उपभोग व्रत ×
– पोषधोपवास

40) चार दर्शनोपयोग
1) अचक्षु 3) अवधिदर्शन
2) चक्षु दर्शन 4) केवलदर्शन ×
– केवलदर्शन

"वे कौन थे"

DAILY NOTES

वे कौन थे :- 1. प्रतियोगिता के आवश्यक नियम
(क) यह प्रतियोगिता सभी व्यक्ति के लिए है इसलिए सभी व्यक्ति इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।
(ख) आपको दूसरे प्रश्न का उत्तर पूर्ण वाक्य में देना होगा।
(ग) जब आप प्रश्न का उत्तर देंगे उसका निर्णय मैं स्वयं करूंगा।

प्रश्न उत्तर :- 1. वे कौन थे जिनके ऊपर जलती सिगड़ी रखी गई थी - गजकुमार मुनिराज
2. वे कौन थे जिन्हें जलते हुए कड़े पहनाये गए थे - पंच पाण्डव
3. वे कौन थे जिन्हें मरणांतिक अवस्था में कुत्ते को णमोकार मंत्र सुनाया था - जीवन्धर कुमार
4. वे कौन थे जिन्होंने "आप्त परीक्षा" नामक ग्रंथ लिखा - विद्यानन्द जी आचार्य
5. वे कौन थे जिन्हें डाकू पर बैठे बैठे वैराग्य हुआ था - राजा मधु
6. वे कौन थे जिन्होंने समयसार नाटक की रचना की थी - बनारसीदास
7. वे कौन थे जो णमोकार मंत्र की अवहेलना करने से सातवें नरक में गये - सुभौम चक्रवर्ती
8. वे कौन थे जिन्होंने यशोधर मुनिराज के गले में मृत सर्प डाला था - राजा श्रेणिक
9. वे कौन थे जिन्हें "भस्मक व्याधि रोग" हुआ था - समन्तभद्राचार्य
10. वे कौन थे जिन पर संवर नामक देव ने उपसर्ग किया था - पार्श्वकुमार मुनिराज
11. वे कौन थे जिन पर सीता के जीव ने उपसर्ग किया था - मुनि राम
12. वे कौन थे जिनका उपसर्ग राम-लक्ष्मण ने दूर किया - कुलभूषण-देशभूषण
13. वे कौन थे जो तीन पद धारी तीर्थंकर थे - शांतिनाथ, कुन्थुनाथ, अरनाथ
14. वे कौन थे जो पिताजी के एक दिन बाद घर छोड़कर चले गये थे - जम्बूस्वामी
15. वे कौन थे जो नन्दा और सुनन्दा के ससुर थे - नाभिराय
16. वे कौन थे जिन्हें पशुओं को बंधन में देखकर वैराग्य हुआ - नेमिकुमार
17. वे कौन थे जिन्होंने त्रिलोकसार की रचना की - नेमिचन्द्र आचार्य
18. वे कौन थे जिनकी अवगाहना 500 धनुष थी - राजा आदिनाथ
19. वे कौन थे जो एक वर्ष तक खड़ी आसन पर खड़े रहे - मुनि बाहुबली
20. वे कौन थे जो रुमानीराम के पिताश्री थे - पण्डित टोडरमल जी
21. वे कौन थे जिन्होंने तत्त्वार्थ राजवार्तिक ग्रंथ की रचना की - भट्ट अकलंक
22. वे कौन थे जिन्होंने कीर्ति लिखा बनाई थी - लक्ष्मण
23. वे कौन थे जो विदेह क्षेत्र में सीमन्धर स्वामी के दर्शन को गए - आ कुन्दकुन्द देव
24. वे कौन थे जो णमोकार मंत्र के प्रभाव से निरंजन हो गये - अंजन चोर
25. वे कौन थे जिनका जन्म सासनी में हुआ था - दौलतराम जी
26. वे कौन थे जिनको कोढ़ था उसे उन्होंने स्वयं दूर किया - वादिराज मुनिराज
27. वे कौन थे जिनको मुनिदीक्षा लेने के अन्तर्मुहूर्त में केवलज्ञान प्राप्त हुआ - भरत चक्रवर्ती

DATE _____ DAILY NOTES

28. वे कौन थे जिनको 48 तालों में बन्द किया गया - मांगतुंगाचार्य
29. वे कौन थे जिनको तीन दिन तक श्वास नली स्थाती रही - सुकुमार मुनि
30. वे कौन थे जिनके निमित्त से द्वारिका जली थी - द्वीपायन मुनिराज
31. वे कौन थे जो लक्ष्मी होते हुये भी भाई की लाश को 6 महीने तक कंधे पर रखे घूमते रहे - रामचन्द्र जी
32. वे कौन थे जिनका सिद्धचक्र के विधान से कुष्ठ रोग मिटा था - श्रीपाल
33. वे कौन थे जिन्होंने जैन धर्म का पहला ग्रन्थ लिखा - आचार्य पुष्पदंत एवं भूतबली
34. वे कौन थे जो राम की मृत्यु का समाचार सुन स्वयं भी मरण को प्राप्त हो गये - लक्ष्मण
35. वे कौन थे जिनका जन्म कारावास में हुआ था - श्री कृष्ण
36. वे कौन थे जिनका जन्म रत्नपुरान धाट में हुआ था - जीवंधर स्वामी
37. वे कौन थे जिन पर सबसे अधिक उपसर्ग हुआ था - पार्श्वनाथ मुनिराज
38. वे कौन थे जिनकी सबसे अधिक आयु थी - ऋषभदेव जी (84 लाख पूर्व)
39. वे कौन थे जिन्होंने बालक वर्धमान की सर्पबनकर परीक्षा ली थी - संगम देव
40. वे कौन थे जिन्हें हाथी के पैर के नीचे कुचलवा दिया था - प. टोडरमल जी
41. वे कौन थे जिन्हें सूली पर चढ़ाया गया पर सिंहासन बन गया था - सुदर्शन सेठ
42. वे कौन थे जिन्हें एक बार में याद होता था - अकलंक देव
43. वे कौन थे जिन्होंने चोर को धन ले जाने में सहायता की थी - प. बनारसी दास
44. वे कौन थे जो इस युग के प्रथम दाता बने - राजा श्रेयांस
45. वे कौन थे जिन्होंने बैल को णमोकार मंत्र सुनाया था - पद्मरुचि सेठ
46. वे कौन थे जिनका बाघ ने भक्षण किया था - सुकौशल मुनिराज
47. वे कौन थे जिन्होंने अपनी बहिन को दुर्दृष्टि से देखा और बाद में वैराग्य जागा था - कुलभूषण
48. वे कौन थे जिनके पांचों कल्याणक एक ही स्थान पर हुए - वासुपूज्य जी
49. वे कौन थे जिनके नाना व पिता एक ही थे - कार्तिकेय मुनिराज
50. वे कौन थे जिन्होंने 363 मिथ्या मत चलाये थे - मारीचि
51. वे कौन थे जो नरक गये और भविष्य में प्रथम तीर्थंकर होंगे - राजा श्रेणिक
52. वे कौन थे जो जुआ में प्रसिद्ध हुए - पाण्डव
53. वे कौन थे जिन्हें प्रतिनारायण होते हुए भी तीसरे नरक का दुख भोगना पड़ा - रावण
54. वे कौन थे जो आचार्य पुष्पदंत एवं भूतबली के गुरु थे - धरसेनाचार्य
55. वे कौन थे जिन्हें सीता का जीव प्रतीन्द्र नरक में संबोधन करने गया - लक्ष्मण
56. वे कौन थे जो इस अवसर्पिणी काल में अंतिम अनुबद्ध केवली कहलाए - जम्बू स्वामी
57. वे कौन थे जो इस अवसर्पिणी काल के अंतिम श्रुत केवली हुए - आचार्य भद्रबाहु
58. वे कौन थे जो भविष्य काल में सोलहवें तीर्थंकर होंगे - श्री कृष्ण
59. वे कौन थे जो भविष्य काल में 19 वें तीर्थंकर होंगे - उदायन
60. वे कौन थे जिन्होंने संस्कृत में गद्य शैली का पहला ग्रंथ लिखा - आचार्य उमास्वामी

पवन जैन 'सिद्धार्थ'

धार्मिक पहेलियाँ

Gachum S. Gadhari Gathi"

1. एक शब्द का मेरा नाम, मैं हूँ पंच्य प्रभु का धाम !
जन-जन करते मेरा ध्यान, पुरे जिन आतम का सार !! [ओम / ॐ]

2. छः अक्षर का मेरा नाम, सबको बताता मुक्ति मार्ग !
कितना सुन्दर है मेरा धाम, बोलो बच्चो क्या यह काम !! [दिव्य ध्वनि]

3. पाँच अक्षर का मेरा नाम, शुद्धात्तम का मुझमें धाम !
कुन्द-कुन्द का मुझमें नाम, बोलो क्या है मेरा नाम !! [समयसार]

4. दो अक्षर का मेरा नाम : आता हूँ मुक्ति के काम !
प्रथम करे तो रम घन जाऊँ, अन्त करे तो घर बन जाऊँ !! [धर्म]

5. पाँच अक्षर का मेरा नाम, चारो गति मे मेरा धाम !
उल्टी श्रद्धा मेरा काम, संसारी मुझसे परेशान !! [मिथ्यात्व]

6. मुझे चाहिए रूपया पैसा, बोलो मेरा हूँ कैसा !
तृष्णा देवी मेरी माता, तीन लोक की संपति त्राता !! [परिग्रह]

7. मनन शील कहलाता हूँ, चारो गति में जाता हूँ !
संयम धारण करके मैं, मुक्ति पुरी भी जाता हूँ !! [मनुष्य गति]

8. तीन अक्षर का मेरा नाम, मुझसे चलता है संसार !
जिसने मुझसे मुख को मोड़ा, उसका करता है संसार !! [आस्रव]

9. तीन अक्षर का मेरा नाम, आता हूँ रहने के काम !
मुझसे बड़ा न जग मे कोई, नाम बताओ मेरा भाई !! [आकाश]

10. चार अक्षर का मेरा नाम, मुझको क्या पुनियाँ से काम !
ज्ञान ध्यान का बस व्यापार, मुक्ति पाने को तैयार !!
दिखने मे लगता कंगाल, फिर भी हूँ मैं माला माल !! [मुनिराज]

चार अक्षर का मेरा नाम, तीर्थंकर मे मेरा नाम।
अन्त करे तो महा बन जाये, अन्त करे तो वीर महान !! [मुनिसुव्रत सुवीर]

12. पूर्व विदेह मे विद्यमान हुँ, भरत क्षेत्र मे है गुणगान।
केवल ज्ञान का धारी हुँ मै, बोलो भाई मेरा नाम !! [सीमंधर स्वामी]

13. उन्द्र भुति है मेरा पुरा नाम, तीन अक्षर का मेरा नाम।
जिन आगम मे मेरा काम, द्वादशांग है मेरा धाम !! [गौतम]

14. तीन अक्षर का मेरा नाम, अंत करे तो सर्व बने।
मुझमे लोका लोक, झलकते, मैं हुँ अनंत गुणो की खान !! [सर्वज्ञ]

15. चार अक्षर का मेरा नाम, छः खण्डो मे मेरा धाम।
जीव अवस्था मे बतलाता, मुझको रचते देवेन्द्र राज !! [छहढाला]

16. दो अक्षर का मेरा नाम, सारे जग के जाता ज्ञान।
मुख्य गौण करके मे जानु, श्रुत ज्ञान मे मेरा धाम !! [नय]

17. चार अक्षर का मेरा नाम, मेरा नाम है नाग गजराज।
प्रथम ग्रंथ के कर्ता को, गुरु ने ही तो दिया है ज्ञान !! [धरसेन आचार्य]

18. छः अक्षर का मेरा नाम, बारह निगुति मेरा काम।
बारह सभायें मुझमें लगती, आके जाओ मेरा नाम !! [समवशरण]

19. पाँच अक्षर का मेरा नाम, सबको जानना मेरा काम।
मैं रहता हुँ अपने अन्दर, फिर भी पुजिया मेरे अन्दर !! [केवल ज्ञान]

20. एक पुरुष जिनवर ने देखा, पाँव पसारे खड़ा हुआ।
पतली कमर पर हाँथ रखे हैं, अनादि काल से खड़ा हुआ !! [त्रिलोक चित्र]

21. कर्म प्रधान कथन है मेरा, गुणस्थानो का मुझमें नाम।
त्रिलोकादि का वर्णन करता, बोलो कौन मेरा नाम !! [करणानुयोग]

२२. आतम ध्याना आतम ध्याना, आतम में रम जाना आतम ध्याना !
अष्ट कर्म की हानी धारा हो, रुकना है गरजाना आतम ध्याना !! [सम्यग्दृष्टि]

२३. मुनिराजो की बात बताता वीतरागता को दर्शाता !
महापुरुषो की बात बताकर, वीतरागता को दर्शाता !!
पुण्य बंध की मैं कहलाता, अरे बताओ क्या कहलाता !! [प्रथमानुयोग]

२३. नर्को का राजा कहलाये तीर्थंकर को नमन कराये !
चिन्ह देखता सबसे पहले, कौन है उसका नाम बताओ !! [सौधर्म इन्द्र]

२४. अणु-अणु जो देखता जाना, सत्य-सत्य बतलाती है !
अरहंतो की दिव्य ध्वनि है, केवली कन्या कहलाती !! [मैं जिनवाणी]

२५. आठ अक्षर का मेरा नाम, मैं खड़ी हू मुक्ति धाम !
मैं स्वयं मे अपूर्ण हूँ, पर कहलाता पूर्ण हूँ !! [मोक्ष मार्गप्रकाशक]

२६. निगोद से लेकर मुक्ति पुरी का, जो है मार्ग बताता !
ग्रंथ समयसार नाम से, जो है आपना परिचय पाता !! [दृष्टिकोण]

२७. द्वादश अंगो से सजी हुई है, केवली कन्या मेरा नाम !
जो भी मेरा आधारा लेता, वह बन जाता है भगवान !! [जिनवाणी]

२८. एक कहानी हमने देखी, नागिन जैसा उसका काम !
बत्तीस भुत करते सत्योग, रहती एक गुफा के धाम !! [जीव]

२९. छः द्रव्यो का ज्ञान कराती, नव तत्वो को भी बतलाती !
अनेकान्तमय धर्म बताती, स्याद्वाद शैली अपनाती !! [जिनवाणी]

३०. एक नागिन की ऐसी करनी, सब कुछ चरकर जाती है !
तृष्णा के वह वश मे रहती, धर्म भ्रष्ट करवाती है !! [वसना]

31. चार अक्षर का मेरा नाम, चेतन का क्या मुझमे काम !
मुझमें भ्रमित हुआ हे राम, सारे जग में मेरा धाम !! [मिथ्यात्व]

32. दो अक्षर का मेरा नाम, परिणमन का एक ही काम !
पुरे जग मे बहता हुँ , बोलो भाई मेरा नाम !! [काल द्रव्य]

33. मैं सबको कसकर दुःख देती, सबकी सुख शांति हर लेती !
मैं हुँ आकुलता की माता, मेरा नाम सबको है आता !! [कषाय]

34. जिसके ऊपर मैं हुँ आता, उसके होठ भुजा फड़काता !
जो मुझमें अंधा हो जाता, छोटा बड़ा न उसे सुहाता !! [क्रोध]

35 हित कारी अति मिष्ठ हैं, तीन जगत का इष्ट हैं !
जिनवाणी कहलाती है, मोक्षमार्ग बतलाती हैं !! [दिव्य ध्वनि]

36. सबको मुक्ति मार्ग बताती, तीर्थंकर के मुख से खिरती !
छः अक्षर का मेरा नाम, बोलो बच्चो मेरा नाम !! [दिव्य ध्वनि]

37. मैं हुँ सब पापो का बाप, नाम बताये मेरा आप !
सारा जग मेरे आधीन, सब कुछ है फिर भी मैं दीन !! [लोभ]

38. छेदन भेदन के दुःख भोगूँ, पराधीनता मेरा काम !
माया चारी से जन्मी हुँ , चौपाया भी मेरा नाम !! [तिर्यंच गति]

39. सब पापी मेरे घर आते, सात धरो मैं है दुःख पाते !
तिल-तिल करे देह के खण्ड, भुख प्यास भी लगे प्रचण्ड !! [नरक]

40. भुख का पुरा धाम हुँ, पंञ्चम गति भी नाम है !
सिद्धो का तो धाम है, पीड़ित का क्या काम है !! [मोक्ष]

Sachin Buddhani

41. ऐसे शाश्वत पर्व बताओ, महीने में दो-दो आते !
संयम समता भाव जगाते, श्रावक के मन को भाते !! [अष्टमी, चतुर्दशी]

42. गुरु की आज्ञा में रहते हैं, अध्ययन मनन नित्य करते हैं !
द्रव्य सूत्र के ज्ञाता पूरे, सब को शिक्षण वह देते हैं !! [उपाध्याय]

43. बीस आठ पालन करते हैं, बाईसवें वह जीत रहे हैं !
पंच परम पद की श्रेणी में, उनको सब पहिचान रहे हैं !! [साधु परमेष्ठी]

44. काम किसी के कभी न आता, पर अपना अस्तित्व जताता।
उसको हम स्वीकार रहे हैं !, पर कर्ता नहीं मान रहे !! [निमित्त]

45. ऐसा शाश्वत पर्व बताओ, तीन बार वर्ष में आता !
संयम समता भाव जगाता, हम सबके वह मन को भाता !! [पर्युषण पर्व]

46 ज्ञान ध्यान तप शील मुनिवर, राग-द्वेष का नाम नहीं था।
मरा सर्प राजा ने डाला, विरतिचांद उपसर्ग सहा था !!
रानी ने उपसर्ग हटाया, उनको कुछ भी भान नहीं था।
पर मुनिवर ने धर्म धृति का, दोनों को उपदेश दिया था !! [चारोंहार मुनिराज]

47. चार अक्षर का मेरा नाम, चेतन का नहीं नाम विधान।
मुझसे भ्रमित हुआ है राम, सारा जग है मेरा धाम [पुद्गल द्रव्य]

8. दो अक्षर का मेरा नाम, बिना कमाए ही आराम !
लोग अगर मुझको कहते हैं, अमृत पिने का है काम !!
फिर भी, मर जाता हूँ मैं, उससे रहता हूँ हैरान [देव]

9. दो अक्षर का मेरा नाम, रहता हूँ मैं सुख के धाम !
करने को कुछ काम नहीं, दुःख का नाम निशान नहीं !! [सिद्ध]

51. प्राणों की आहुति देकर, जिसने अपना भाई बचाया !
जैन धर्म की रक्षा करके, जग मे अपना नाम कमाया !! [निकलंक

52. आँखो से आसु टप-टप रो, पैरो मे थी पड़ी बेड़िया !
फिर भी मुनि को दिया आहार, महिमा उसकी अपरम्पार !! [चंदन

53. ऐसे तुम स्थान बताओ, जहाँ जीव आते जाते है !
आते है अपने भावो से, जाते है अपने भावो से !! [चार गतिय

54. मोक्ष पुरी एक ने पाई, एक हुआ परिपुर्ण ज्ञानी !
उस दिन का तुम नाम बताओ, नही रहोगे तुम अजानी !! [दीपावली

55. नाग बना फूलो का हार, रक्षा उसकी अपरम्पार !
नाम बताओ कौन सती वह, जग जाहिर है उसका नाम !! [द्रौपदी

56. मुस्कुराती सुरत है मेरी, मनमोहक मूरत है मेरी !
मैं सारे जग को ठगती हुँ, दो अक्षर से वरा करती हुँ !! [माया

57. मेरा मस्तक सबसे ऊँचा, बोलो बच्चो मेरा नाम !
मैं रावण को नरक ले गया, सब लोगो मे मेरा धाम !! [मान

58. सब लोगो का माल हड़पता, सबको मैं पहुचाता जेल !
सबकी बदनामी करवाता, बतलाओ यह कैसा खेल !! [लोभ]

59. जाग नही अजान नही, ध्रुव व ध्रुव का नाम नही !
पाँच भाई है मेरे जग मे, जीव शब्द रहता है मुझमें !! [अजीव

तीर्थधाम मङ्गलायतन

धार्मिक पहेलियाँ

१. आतम ध्याना-आतम ध्याना,
आतम में रम जाना आतम ध्याना।
अष्ट कर्म की धनी घटा हो, रहता ऊँ मस्ताना
— स्वभाव सम्यक्दृष्टि

२. तीन अक्षर का मेरु नाम अन्त कटे तो मैं ही सब हूँ।
मुझमें लोकालोक झलकते मैं हूँ अनन्त सुखों का धाम।।
— सर्वज्ञ

३. एक अक्षर का मेरु नाम मैं हूँ पञ्च प्रभु का धाम।
सब जन करते मेरु ध्यान पूरे जिनागम का है सार।। — ॐ

४. दो अक्षर का मेरु नाम रहता हूँ मैं हूँ के धाम।
काम-धाम से हूँ बेकाम सिद्ध शिला है मेरु धाम।। — सिद्ध

५. एक मनुष्य ऐसा देखा खाता है न पीता है।
लाखों वर्षों तक जीता है अमृत भी नहीं पीता है।।
— अरिहन्त

६. चार अक्षर का मेरु नाम मुझको क्या दुनिया से काम।
ज्ञान-ध्यान का बस व्यापार मुक्ति पाने को तैयार।
दिखने में लगता कंगाल फिर भी मैं हूँ मालामाल।।
— मुनिराज

७. चार अक्षर का मेरु नाम पानी नहीं पर गंगा नाम।
हर कण में चेतन का नाम जीव नहीं पर जड़ का काम।
जो भी मेरु आश्रय लेता वह बन जाता है भगवान।।
— जैनवाणी

८. दो अक्षर का मेरु नाम बिना कमाये ही आराम।
नाम अमा है दूजा मेरु अमृत पीने का है धाम।
फिर भी मैं घर जाता इक दिन, इससे मैं होता हैरान।।
— देव

९. चार अक्षर का मेरु नाम चेतन से मुझको क्या काम।
मुझसे निर्मित हुआ है व्योम, सारे जग में मेरु धाम।।
— पुद्गल

१०. दो अक्षर का मेरु नाम दो द्रव्यों के आता काम।
चलती दुनिया अपनी गति से फिर भी आता है मेरु नाम।।
— धर्मद्रव्य

११. तीन अक्षर का मेरु नाम पूरे लोक में मेरु धाम।
सारी दुनिया चलकर रुकती दुनिया कहती मेरु काम।।
— अधर्मद्रव्य

१२. तीन अक्षर का मेरु नाम, आता है रहने के काम।
मुझसे बड़ा न जग में कोई, नाम बताओ मेरु को।'
— आकाशद्रव्य

१३. दो अक्षर का मेरु नाम, स्थिर रहकर भी चलता हूँ।
आता सब द्रव्यों के काम, बोलो जल्दी मेरु नाम।।
— कालद्रव्य

१४. दो अक्षर का मेरु नाम, पाँच भाइयों का है धाम।
मुझको जो अपनाता है, वह नरकों में जाता है।। — पाप

१५. तीन अक्षर का मेरु नाम चारों गति में मेरु धाम।
उलटी अक्षर मेरु काम मुझसे सारा जग हैरान।।
— मिथ्यात्व

१६. जो जीवों को दुःख देता है वह मुझको धारण करता है।
एक-देश है मेरे भाई मुझसे यह दुनिया घबराई।।
— हिंसा

१७. सत्य रूप से मैं विपरीत अज्ञानी में मेरी जीत।
मैं ले जाता नरकों बीच मुझमें है पापों की कीच।। — झूठ

१८. सब लोगों का माल हड़पता सबको पहुँचाता मैं जेल।
सबकी बदनामी करवाता बतलाओ यह कैसा खेल।।
— चोरी

१९. मुझे चाहिए रुपया-पैसा बोलो मेरु रूप है कैसा।
तृष्णा देवी मेरी माता तीन लोक की सम्पत्ति खाता।।
— परिग्रह

२०. पाँच अक्षर का मेरु नाम शुद्धात्म का मुझमें धाम।
कुन्दकुन्द का मुझमें नाम बोलो बच्चो मेरु नाम।।
— समयसार

२१. चार अक्षर का मेरु नाम छह खण्डों में मेरु धाम।
पूर्वार्ध में छह ढह जाता मुझको गाते दौलतराम।'
— छहढाला

२२. मैं सब को कस कर दुःख देती सबकी सुख शान्ति हर लेती।
मैं हूँ आकुलता की माता, मेरु नाम किसे है आता।।
— कषाय

२३. जिसके सिर पर मैं हूँ आता उसके होंठ, भुजा फड़काता।
जो मुझसे अन्धा हो जाता छोटा-बड़ा न उसे सुहाता।।
— द्वेष

२४. मेरु मस्तक सबसे ऊँचा बोलो बच्चो मेरु नाम।
मैं रावण को नरक ले गया सब लोगों में मेरु धाम।। — मान

२५. मुसकाती सूरत है मेरी मनमोहक है मूरत मेरी।
मैं सारे जग की ठगती हूँ दो अक्षर से वश करती हूँ।।
— माया

२६. छह अक्षर का मेरु नाम सबको मुक्तिमार्ग बताना।
कितना सुन्दर मेरु काम
— दिव्यध्वनि

कौन बनेगा ज्ञानपति

1. णमोकार मंत्र में कितने अक्षर है.
(a) 35 (b) 58 (c) 55 (d) 34

2. महावीर के कितने नाम है
(a) 5 (b) 1 (c) 5 (d) 2

3. महावीर के पिता का क्या नाम था।
(a) सिद्धार्थ (b) नाभिराय (c) गोमटेश (d) मुनिसेन

4. महावीर निर्वाणोत्सव के रूप में कौन सा त्यौहार मनाते है
(a) दीपावली (b) रक्षाबंधन (c) वीर शासन जयंती (d) महावीर

5. महावीर भगवान का चिन्ह है।
(a) Rite (b) सर्प (c) बैल (d) हाथी

6. महावीर का जन्म किस नगर में हुआ।
(a) कुण्डलपुर (b) पावापुर (c) अयोध्या (d) चंपापुर

7. भगवान महावीर का विवाह किसके साथ में हुआ।
(a) इनमें से कोई नहीं (b) जैसी के साथ नहीं हुआ (c) राजुल (d)

8. महावीर कहाँ से मोक्ष गये।
(a) पावापुरी (b) अयोध्या (c) चंपापुर (d) सम्मेदशिखर

9. भगवान महावीर को किस पर्याय में सम्यग्दर्शन प्रकट हुआ।
(a) सिंह (b) सर्प (c) हाथी (d) मनुष्य

10. पार्श्वनाथ के साथ जिसने दस भव तक बैर लिया।
(a) कमठ (b) मारीचि (c) राजा श्रेणिक (d) इनमें से कोई

11. वे कौन थे जिन्होंने भाई के ऊपर चक्ररत्न चलाया
(a) भरत चक्रवर्ती (b) बाहुबली (c) कृष्ण (d) बालि

12. णमोकार मंत्र में कितनी परमेष्ठी है।
(a) पाँच (b) चार (c) छः (d) दो

13. लोक में कितने मंगल है।

14- कषाये कितनी होती है।
① चार ② पांच ③ छः ④ इनमें से कोई नहीं।

15- बीसवें तीर्थंकर है।
① मुनिसुव्रत ② मल्लिनाथ ③ कुंथुनाथ ④ अजितनाथ

16- अरहंत के कितने मूलगुण होते है।
① ५८ ② ३८ ③ २८ ④ २५

17- निः सहि का क्या अर्थ है।
① मंदिर में घर के लौकिक कार्य करना ② नमस्कार करना ③ इनमें से कोई नहीं

18- सुविधि नाथ का दूसरा नाम क्या है। ④ सर्व सांसारिक कार्यों का निषेध
① पुष्पदंत ② सन्मति ③ चंद्रप्रभ ④ अजितनाथ

19- तत्व कितने होते है।
① सात ② नव ③ छः ④ चार

20- वाराणसी में किन दो तीर्थंकरो का जन्म हुआ।
① पार्श्वनाथ, सुपार्श्वनाथ ② महावीर, पार्श्वनाथ ③ वासुपूज्य पार्श्वनाथ ④ पार्श्वनाथ पुष्पदंत

21- भरत चक्रवर्ती के पिता का क्या नाम था।
① राजा सर्वार्थसिद्ध ② आदिनाथ ③ महावीर ④ नाभिराय

22- अरहनाथ (अरनाथ) कौन से तीर्थंकर है और चिन्ह क्या है-
① १८ वें, मछली ② १६ हजार ③ २५ सर्प ④ १२ भैंसा

23 णमोकार मंत्र सर्वप्रथम किस ग्रंथ में लिपिबद्ध हुआ
① षट्खण्डागम ② समयसार ③ मोक्षमार्गप्रकाशक ④ इनमें कोई नहीं

24 आठवी कार्मण शरीर क्या है।
① अजीव ② जीव ③ पुद्गल ④ इनमें से कोई नहीं।

25- इनमें से कौन तीर्थंकर नहीं है।
① अरहंतनाथ ② अनन्तवीर्य आदिनाथ ③ अजितनाथ ④ सभी

26 चांदनपुर में किस भगवान की प्रतिमा प्रकट हुई।
① महावीर ② आदिनाथ ③ चंद्रप्रभ ④ पार्श्वनाथ

वर्तमान में किस तीर्थंकर का शासन-चल रहा है।
① महावीर ② आदिनाथ ③ नेमिनाथ ④ पार्श्वनाथ

28 णमोकार मंत्र में कितने अक्षर हैं।
① ३५ ② ४ ③ ५ ④ ३४

29 णमोकार मंत्र में कितनी मात्राएं हैं।
① ३४ ② ३४ ③ ३५ ④ ३५

30 गुण के कितने अंग हैं।
① पाँच ② आठ ③ ६ ④ सात

31 तीर्थंकर के कितने कल्याणक होते हैं।
① पाँच ② चार ③ तीन ④ तीर्थंकर के कल्याणक नहीं

32 पुद्गल के कितने भेद हैं?
① दो ② आठ ③ चार ④ पाँच

33 उन्नीसवें तीर्थंकर का क्या चिन्ह है?
① कलश ② मगर ③ कमल ④ हिरण

34 जीव के मूलतः कितने भेद हैं?
① दो ② तीन ③ चार ④ पाँच

35 उपाध्याय परमेष्ठी के कितने मूलगुण हैं।
① २५ ② २७ ③ ४६

36 रत्नकरण्ड श्रावकाचार किस अनुयोग का ग्रंथ है?
① चरणानुयोग ② करणानुयोग ③ प्रथमानुयोग ④ द्रव्यानुयो

37 भगवान ऋषभदेव कहाँ से मोक्ष गए?
① अष्टापद ② अयोध्या ③ गिरनार ④ सम्मेदशिखर

38 इस युग के प्रथम आहार दाता कौन हैं?
① राजा श्रेयांस ② राजा श्रेणिक ③ राजा वीरसेन ④ राजा

39 दशलक्षण पर्व कौन से महीने में मनाया जाता है?
① इन तीनों ② शुक्ल भाद्र ③ वैशाख ④

40 मरते हुए नाग-नागिन को णमोकार मंत्र सुनने के प्रभाव से कौन से पर्याप्त प्राप्त हुई?
① घ्राणेन्द्रिय, पंचेन्द्रिय ② वैमानिक ③ व्यन्तर ④ ज्योतिष ⑤ भवन

41 भावना होती है।

बारह / ॥ / १/ 7

K.B.U.

42 आदिनाथ की कितनी पत्नियाँ थीं ?
दो / तीन / चार / अनेक

43 णमोकार मंत्र का जाप करने से कौन नरक गया ?
सुभोग चक्रवर्ती / अनन्त / भरत / श्रीदत्त

44 हिंसा पाप में कौन प्रसिद्ध हुआ
① धनश्री ② राजा वसु ③ अंजनचोर ④ राजा बलि

45 झूठ बोलने के अपराध में गोबर किसे खाना पड़ा
सत्यघोष

46 णमोकार मंत्र तत्प्रियंग किस भाषा में लिपिबद्ध किए गए ?
प्राकृत / संस्कृत / अर्द्ध मागधी / ई

47 आदिनाथ को तत्प्रियंग आहार किसने दिया ?
① राजा श्रेयांस ② राजा श्रेणिक ③ राजा जनक ④ राजा राम

48 जिस दिन षट्खंडागम ग्रंथ की रचना पूर्ण हुई उस दिन से कौन सा पर्व मनाया जाता है ?
① श्रुत पंचमी ② तीरथाम्रन जयंती ③ महावीर जयंती ④ दीपावली

49 छल - कपट करना कौन सी कषाय है ?
① माया ② क्रोध ③ हिंसा ④ लोभ

50 झूठ पाप में कौन प्रसिद्ध हुआ ?
① सत्यघोष ② राजा रावण ③ नारद ④ इनमें से कोई नहीं

51 वे कौन थे जो लगातार एक वर्ष तक तप करते रहे ?
① बाहुबली ② आदिनाथ ③ भरत ④ महावीर

52 वैराग्य बढ़ाने वाली भावना कितनी होती हैं ?
① बारह भावना ② एकत्व भावना ③ संसार भावना ④ सोलहकारण भावना

53 पिछ के कितने मूलगुण होते हैं ?
① ४ ② २८ ③ २५ ④ २६

54- भगवान महावीर को किस तिथी में मोक्ष हुआ।
① कार्तिक कृष्ण अमावस्या ② चैत्र शुक्ला त्रयोदशी ③

55- आदिनाथ को सर्वप्रथम आहार के रूप में किस रस की प्राप्ति हुई।
① गन्ने के रस ② अनार का रस ③ आम रस ④ नींबू रस

56 महावीर की कितनी आयु थी।
① 72 वर्ष ② 62 वर्ष ③ 82 वर्ष ④ 52 वर्ष

57- जो सुख दुःख का अनुभव करता है उसे कहते हैं।
① जीव ② अजीव ③ पुद्गल ④ इनमें से कोई नहीं।

58- पाँचवे तीर्थंकर का क्या चिन्ह है।
सुमितनाथ : चकवा

59- गतियाँ कितनी होती है।
चार 3 2 1

60- द्रव्य कितने होते हैं।
छः

61- अस्तिकाय कितने होते हैं।
पाँच

62- कुल कषाये कितनी होती है।
25 11 9 13

63- भगवान कितने होते हैं।
अनंत 24 संख्यात असंख्यात

64- ओज में कितने उत्तम है।
चार

65- महावीर ने किस पर्याय में सम्यग्दर्शन प्राप्त किया
इनमें से कोई नहीं

66- बालयति (बालब्रह्मचारी) तीर्थंकर नहीं है।
① कुंथुनाथ ② महावीर ③ वासुपूज्य ④ मल्लिनाथ

67. महावीर के पाँच नाम में शामिल नहीं है।
① अनंतवीर ② अतिवीर ③ सन्मति ④ वीर

68- चन्द्रप्रभ मोक्ष गये हैं।
① सम्मेदशिखर ② चंपापुर ③ कैलाश पर्वत ④ पावापुर

69 कषाय कितनी होती हैं?
(1) चार

70 प्रभु कितने द्रव्यों से की जाती है?
आठ

71 साधु कहने पर सामान्य रूप से कितने परमेष्ठियों का ग्रहण हो जाएगा?
तीन

72 णमोकार मंत्र में कितने पद हैं?
पाँच

73 मुनि धर्मोपदेश के प्रारम्भ गणधर से कौन सा पर्व मनाया जाता है?
अक्षयतृतीया

74 इन्द्रियाँ कितनी होती हैं?
पाँच

75 तत्वार्थसूत्र के दूसरे अध्याय में कितने सूत्र हैं?
52

76 ताले टूटने की कथा किस मुनि के लिए प्रसिद्ध है?
मानतुंग

77 महावीराष्टक किसके द्वारा लिखा गया?
भागचन्द्र / धानतराय / भूधरदास / टोडरमलजी

78 पुष्पदन्त का चिन्ह क्या है?
मगर

79 भक्तामर के रचयिता कौन हैं?
मानतुंग

80 सभी जीव चाहते हैं:-
सुख

81 रक्षाबंधन की कथा किससे संबंधित है?
विष्णुकुमार /

82 श्रुत पंचमी पर्व क्यो मनाते है।
इस दिन षट्खण्डागम ग्रंथ की रचना पूर्ण हुई
83 जैन धर्म का मूल सिद्धांत क्या है।
अनेकान्त स्याद्वाद
84 नमिनाथ का चिन्ह है।
नील कमल
85 धर्म के कितने प्रकार कहे है।
दस
86 इनमे से इसमे किसका नाम नही आता।
अजीत
87 मल्लि- मल्लिनाथ का चिन्ह क्या है।
कलश
88 अनुयोग के कितने भेद है।
चार
89 जो पच्चीस मूलगुण का पालन करते है उन्हे कहते =
उपाध्याय
90 चार घाति कर्मो के अभाव मे प्रकट होते है।
चार अनंत चतुष्टय
91 वर्धमान के पिता का नाम क्या था।
सिद्धार्थ
92 महावीर ने कितने वर्षो तक तप किया।
12.5
93 शरण कितनी होती है।
4
94 ज्ञातृ के कितने आवरण होते है।
8
95 भगवान महावीर के पुत्र का क्या नाम था।
इनमें से कोई नही / पुत्र नही थे / शादी नही की

96 महावीर के प्रथम गणधर कौन थे।
गौतम गणधर (इन्द्रभूतिआर्य / अग्निभूति / सुधर्म
97 भय कितने होते है।
7 (सात)
98 किस तीर्थंकर के पाँचो कल्याणक एक जगह हुये
वासुपूज्य
99 वे कौनसे थे जिन्होने अपनी जान देकर जैन धर्म की रक्षा के लिए भाई की जान बचाई।
निकलंक
100 पार्श्वनाथ के पहले जो तीर्थंकर हुये उनके बाद में जो तीर्थंकर हुये उनका नाम क्या था।
~~महावीर बने थे~~, कहलाए पार्श्वनाथ
101 णमोकार मंत्र किसने बनाया।
इनमे से कोई नही
102 ज्ञान के कितने भेद है।
8
103 गिरनार जी से कौन मोक्ष गये।
शाम्बकुमार
104 स्याद्वाद किसे कहते है।
किसी अपेक्षा कथन है
105 पाँच पाण्डवों में से कितने मोक्ष गये।
तीन
106 किस मुनि ने अपने बाँये पैर के अंगूठे से कैलाश पर्वत को दबाया।
बालि
107 समयसार के रचियता कौन है।
कुन्दकुन्दाचार्य
108 कैलाश पर्वत से कौन मोक्ष गये है।
आदिनाथ

107 भगवान आदिनाथ के कितनी आयु थी।
84 लाख पूर्व

110 वे कौनसी जिनकी दुख अवस्था के प्रयास से सर्प श्री फूलो का हार बन गया।
धरणेन्द्र पद्मावती

111 वे कौन थे जिन्होंने श्रीपाल को समुद्र में धक्का दिया।
धवल सेठ

112 श्रावक कितने मूलगुण हैं।
8

113 ~~रेवती~~ वे कौनसे जिन्होंने 700 मुनियों का उपसर्ग दूर किया।
विष्णुकुमार

114 तीर्थंकर में कितने तीर्थंकर कामदेव हैं।
तीन

115 आदिनाथ की कितनी संताने थी।
103

116 मिथ्याज्ञान के कितने भेद हैं।
3

117 सर्वप्रथम आत्मकथा किसने लिखी।
बनारसी दास जी ने

118 अरनाथ का चिन्ह क्या है।
इनमें से कोई नहीं

119 रत्नकरण्डश्रावकाचार के कौन से श्लोक में आठमदों का वर्णन है।
25 वें

120 महावीर की आयु कितनी थी।
72 वर्ष

121 वे कौनसे जिन्होंने शेर को जलेबी खिलाई थी।
दीवान अमरचन्द

122 वे कौनसी जिनके ब्रह्मचर्य के प्रभाव से स्पर्श करने वाले जल से रोग दूर हो जाता है।
विशल्या सती

123 व्यसन कितने प्रकार का होता है।
सात

124 श्रावक शब्द में कितने अर्थ छिपे हैं। (श्रद्धावान, विवेकवान, क्रियावान)
तीन

125 आदिनाथ कितने वर्षों तक गृहस्थावस्था में रहे।
83 लाख वर्ष पूर्व

126 द्रव्यों के समूह को कहते हैं।
विश्व

127 गणना कितने द्रव्यों से की जाती है।
आठ

128 महावीर के नाना का क्या नाम था।
चेटक

129 सम्यग्दर्शन कितने दोषों से रहित होता है।
पच्चीस

130 वे कौनसे जिन्हें बाहरी खाली रही फिर भी वे आत्म स्वरूप से नहीं डिगे।
सुकौशल

131 जीव के कितने स्वतत्व हैं।
पाँच

132 मैना सुन्दरी के पिता का क्या नाम था।
महीपाल

133 झूठ का पक्ष लेने से जिसका सिंहासन धस गया।
राजा वसु

134 मुख्य गौण करना किसका काम है।
नय

135 रत्न कितने प्रकार के होते हैं। (रत्नत्रय)
तीन

136 वे कौनसी जिन्होंने पिता के स्वाभिमान के कारण विवाह नहीं किया।

137 चक्रवर्ती की कितनी पत्नियाँ होती है।
96000

138 धर्मनाथ का चिन्ह है।
वज्रदण्ड

139 धृतराष्ट्र का ज्येष्ठ (बड़ा) पुत्र कौन था।
दुर्योधन

140 अमूल्य पदार्थों को कितने भागो में बाँटा गया है
6

141 चारु वक्ष की रचनाओं का वर्णन किस अधिकार में है।
मोक्षमार्ग प्रकाशक के चौथे अधिकार है

142 वे कौन से जिन्हे दीक्षा के अन्तर्मुहूर्त बाद केवलज्ञान प्राप्त हो गया।
भरत चक्रवर्ती

143 ऐसे कामदेव का नाम जिन्हे कुष्ठ रोग हुआ था -
श्रीपाल

144 जिसके पुत्र का नाम मेघनाथ था।
रावण

145 शीतलनाथ की माता का क्या नाम था।
सुनन्दा

146 छः द्रव्यों को कौन से दो भागो में शामिल किया जा सकता है।
जीव अजीव

147 संती कहते है।
जो मनसहित हो

148 स्थावर के कितने भेद है।
5

149 महावीर स्वामी के भाई का क्या नाम था।
इनमें से कोई नहीं

150 | णमोकार मंत्र का अनादर करने से मोक्षांतवेनरक गया।
सुभोम चक्रवर्ती

151 | अपने में अपनेपन की मान्यता का नाम है।
सम्यग्दर्शन

152 | आत्मा में मोहराग द्वेष भावो की उत्पत्ति का नाम है
भाव हिंसा

153 | सच्चे देव की परीक्षा के द्वारा किसने स्वीकार किया।
समन्तभद्राचार्य

154 | हनुमान कहाँ से मोक्ष गये।
मांगीतुंगी

155 | पार्श्वनाथ का इस भवतक किसके साथ वैरचला
कमठ

156 | मुनिसुव्रत की माता का क्या नाम था।
सोमा

157 | मद के कितने भेद है।
8

158 | सदाकाल तीर्थंकर किस क्षेत्र से होते है।
विदेह

159 | जैनधर्म के अनुसार कितने देवता पूज्य है।
9

160 | ऋषिगाय कितने दिनो तक आहार को नहीं मिले।
6 महीने

161 | प्रथमानुयोग में वर्णन होता है।
महापुरुषो के जीवनचरित्र का

162 | परमात्मा के कितने भेद है।
दो

163 | प्रमाद कितने होते है।
15

13 K.B.U.

164 शांतिनाथ का जन्म किस नगर में हुआ था?
अयोध्या

165 जो 36 मूलगुणों का पालन करते हैं।
आचार्य

166 शान्तिनाथ का जन्म कहाँ हुआ था?
हस्तिनापुर

167 वे कौन थे जिन्होंने अपने ही घर में चोर को स्वयं के घर की गठरी उसके सिर पर रख दी?
पं बनारसी दास

168 मच्छवीर के शरीर की कितनी ऊँचाई थी?
7 हाथ

169 सकल - ज्ञेय ज्ञायक तदपि किसने लिखी?
पण्डित दौलतराम जी

170 समवशरण में कितनी सभाएँ होती हैं?
12

171 परावर्तन कितने होते हैं?
5

172 त्रेसठ शलाका पुरुषों में नहीं आते हैं।
रुद्र

173 गिरनार से कौन मोक्ष गए?
राजकुमार

174 ध्यान के कितने भेद हैं?
4

175 सर्वप्रथम आत्मकथा किसने लिखी?
बनारसी दास ने

176 भगवान आदिनाथ के प्रमुख गणधर कौन थे?
वृषभसेन

177 भ० आदिनाथ ने मोक्ष किस तिथि में हुआ?
माघ कृष्णा चतुर्दशी

178 वैद्यविद्वान नामक आयुर्वेद ग्रंथ के लेखक कौन है।
आचार्य पूज्यपाद

179 किसके क्रोध के निमित्त से द्वारिका नगरी जली।
द्वीपायन

180 मिथ्यात्व के कितने भेद हैं।
तीन

181 समयसार की अमृतचन्द्राचार्य ने कौनसी टीका लिखी
आत्मख्याति

182 अष्टापद से कौन मोक्ष गये हैं।
आदिनाथ

183 अविरति के कितने भेद हैं।
१२

184 अरनाथ का चिन्ह क्या है।
~~सभी कोई नहीं~~ मछली

185 महावीर का जन्म कब हुआ।
चौथा शुक्ल त्रयोदशी

186 कुंदकुंदाचार्य के पट्ट (परम्परा) शिष्य थे।
उमास्वामी

187 स्वाध्याय के अंग हैं।
5

188 किस राजा के ६० हजार पुत्र एक साथ चल गये।
राजा सगर

189 वे कौन थे जिन्होंने श्रवण बेलगोला में बाहुबली की मूर्ति बनवाई।
चामुण्डराय

190 जीव के कितने अधिकार हैं।
~~8~~ 9

91 चेतना के कितने भेद हैं।
दो

192 सबसे ज्यादा पाप कौन से काल में होता है?
चौथे काल में

193 ~~यशस्ति चरित्र ही जिनेन्द्रजन किसने लिखी?~~

194 नन्दीश्वर द्वीप में कितनी प्रतिमाएं होती हैं?
१५२

195 सुभौम चक्रवर्ती किस नरक में गया?
सातवें नरक

196 मल्लिनाथ के बाद में जो तीर्थंकर हुए उनमें प्रथम तीर्थंकर कौन थे?
मल्लिनाथ

197 आत्मा के कितने भेद होते हैं?
तीन

198 लोभ की अधिकता किस गति में होती है?
देवगति

199 वे कौन थे जिन्होंने विवाह के दूसरे दिन दीक्षा ले ली?
जम्बूस्वामी

200 छहढाला कितने कवियों द्वारा लिखी गई?
तीन

201 मल्लिनाथ को कितने दिनों में केवलज्ञान हुआ?
6 दिन

202 देशभूषण कुलभूषण कहाँ से मोक्ष गए?
कुन्थलगिरी

203 "प्रेम भाव हो" मेरी भावना के रचयिता कौन हैं?
जुगलकिशोर जी 'मुख्तार'

204 मरते हुए कुत्ते को णमोकार मंत्र किसने सुनाया?
जीवंधर स्वामी

205 परोंधर मुनि के गले में मरा हुआ सांप किसने डाला?
राजा श्रेणिक

२०६ इस युग के प्रथम कामदेव थे।
बाहुबली

२०७ सत् लक्षण है।
द्रव्य का

२०८ वे कौन थी जिसने अपने अपने पति को सद्मार्ग पर लगाया।
चेलना रानी

२०९ नियमसार के टीका कार कौन है।

२१० अनंत नाथ कौनसे नम्बर के तीर्थंकर है।
चौदहवे

२११ आप्तमीमांसा के रचियता कौन है।
समंतभद्राचार्य

२१२ वे कौन थी जिनके पुत्र का जन्म होते ही बंदरी वन मे गया।
रुक्मणि

२१३ समास्य पदार्थ कितने प्रकार के होते है।
6

२१४ वे कौन थे जिन्हे तीन दिन तक चालनी खाती रही
सुकमाल

२१५ छः महीने आठ समय मे कितने जीव मोक्ष जाते है।
608

२१६ वे कौन थे जिनके सिर पर जलती अग्नि रखी गई।
गजकुमार मुनि

२१७ लोक के कितने भेद है।
3

२१८ तत्वार्थ सूत्र किसके द्वारा लिखा गया है।
उमास्वामी

२१९ स्वर्ग कितने होते है।
16

चित्र पहेली

(1)

सिंह

i) अशरीरी सिद्ध भगवान
ii) अरहंत, सिंह, आचार्य पाठक साधु हैं
iii) सिंहो से खेलने का मार्ग

(2)

मंदिर

i) शिखर पर कलश चमको
ii) ऊँचे - 2 शिखरों वाला है
iii) मेरे मन मंदिर में

(3)

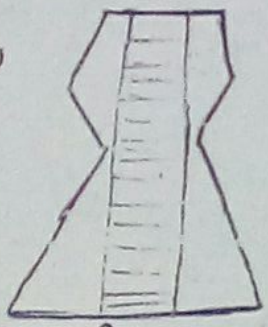

त्रिलोक

i) तीन भुवन में सार
ii) है त्रिभुवन में नीव
iii) भगति मण्डल में

(4)

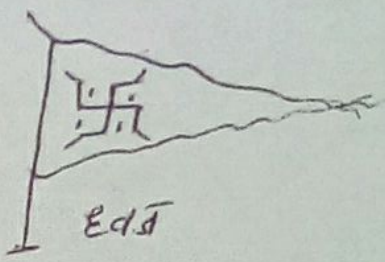

ध्वज

i) लहर - 2 लहराये
ii) मंगलमय अरु मंगलकारी

(5)

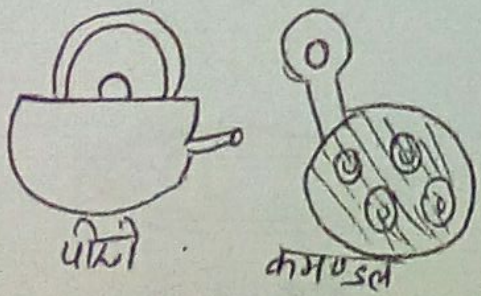

पीछी कमण्डल

i) हाथ में पीछी कमण्डल
ii) हाथ कमण्डल बगल में पीछी है

(6)

आत्मा	सात
द्रव्य	* तत्व
अनेकान्त	स्याद्वाद
निश्चय	व्यवहार

i) जिनवाणी जाग गया
ii) जिनवाणी - 2 ध्यानी सभी
iii) महिमा है अगम जिनागम की

(7) 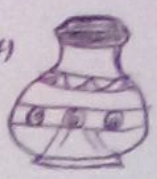 कलश

i) जल भरि-2 लाओ
ii) अमृत से गगरी भरो

(8) नाव

i) भगवान मेरी नैया
ii) पार लगा-2 पार लगाना
iii) मेरे तेरे दो अक्षरों

(9) सम्यक् चारित्र
" ज्ञान
" दर्शन
रत्नत्रय - मोक्षमार्ग

i) मोक्ष महल की प्रथम ...
ii) सम्यग्ज्ञान प्राप्त करेंगे
iii) सम्यग्दर्शन ज्ञान चरण जिस मग चो ...

(10)
चरण

i) चरणों में आ ...
ii) चरण कमल दिनकर कहे

11) 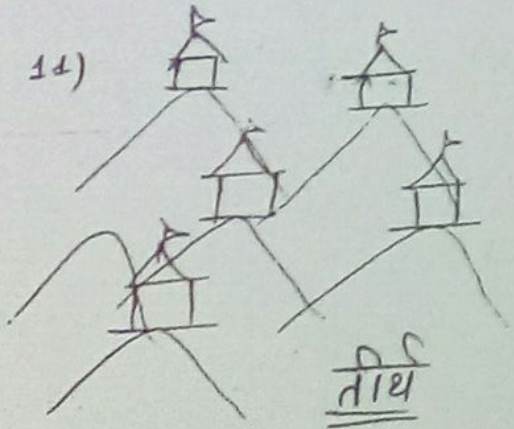
तीर्थ

i) जीवराज उड़ के आओ
ii) आतना रथ पर चढ़ जाऊँ
iii) कैलाश की सम्मेद शिखर में

12) 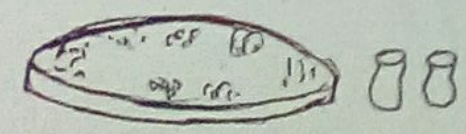
i) अष्ट द्रव्य
iii) पूजा

i) नाथ तुम्हारी शरण में
ii) अष्टम वसुधा पाते
iii) मम्मी -2 मुझको -2

13) 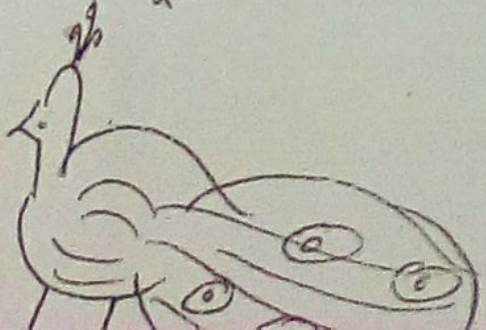

i) आई -2 अंतर में
ii) लगा ले प्रभु से लगन

(8)
कलश

i) जल भरि-2 लाओ
ii) अमृत से गागरी भरो

(9)

रत्नत्रय - मोक्षमार्ग

i) मोक्ष महल की प्रथम . . .
ii) सम्यग्दर्शन प्राप्त करेंगे
iii) सम्यग्दर्शन ज्ञान चरण शिव मग सो . . .

(10)
चरण

i) चरणों में आ . . .
ii) चरण कमल जिनवर के

11) 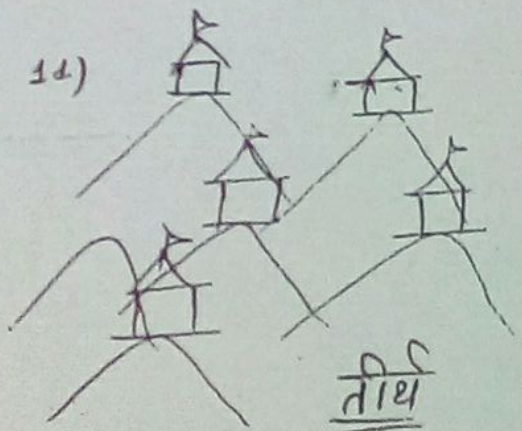
तीर्थ

i) जीवराज उड़ के जाओ
ii) भावना रथ पर चढ़ जाऊँ
iii) कैलाश श्री सम्मेद शिखर में

12) 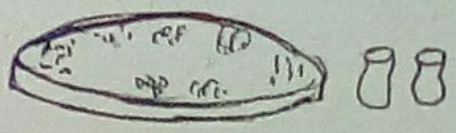
i) अष्ट द्रव्य
iii) पूजा

i) नाथ तुम्हारी पूजा में
ii) अष्टम वसुधा पाने
iii) मम्मी -2 मुझको -2

13) 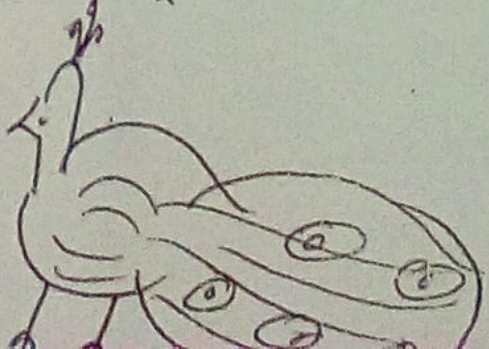

i) आई -2 अंतर में
ii) लगा ले प्रभु से लगन

वक्ता का स्वरूप

१. दैवखातं च वदनं, आत्मायत्तं च वाङ्मयम्।
श्रोतारः सन्ति चोक्तस्य, निर्लज्जः को न पण्डितः॥ -सिद्धसेन-बत्तीसी

२. जनाः धनाश्च वाचालाः सुलभा स्युर्वृथोत्थिताः।
दुर्लभा ह्यन्तरार्द्रास्ते जगदभ्युदयजिहीर्षवः॥ -आत्मानुशासन, 4

३. अप्रतिबुद्धे श्रोतरि वक्तृत्वमनर्थकं भवति पुंसाम्।
नेत्रविहीने भर्तरि विलासलावण्यमिव स्त्रीणाम्। -पंचसंग्रह

४. विद्वानेव विजानाति विद्वज्जनपरिश्रमम्।
न हि वन्ध्या विजानाति गुर्वीं प्रसववेदनाम्॥

५. कोषस्येव महीपानां कोशस्य विदुषामपि।
उपयोगी महान् यस्मात् क्लेशस्तेन विना भवेत्॥

६. शतेषु जायते शूराः सहस्रेषु च पण्डितः।
वक्ता दशसहस्रेषु ज्ञाता भवति वा न वा॥

७. यत्परैः प्रतिपाद्योऽहं यत्परान् प्रतिपादये।
उन्मत्तचष्टितं तन्मे यदहं निर्विकल्पकः॥ -समाधितंत्र, 19

८. श्राद्धः श्रोता सुधीर्वक्ता युज्येयातां यदीश तत्।
त्वच्छासनस्य साम्राज्यमेकच्छत्रं कलावपि॥ -वीतरागस्तोत्र, 3

९ कालः कलिर्वा कलुषाशयो वा श्रोतुः प्रवक्तुर्वचनाशयो वा।
त्वच्छासनैकाधिपतित्वलक्ष्मीप्रभुत्वशक्तेरपवादहेतुः॥ -युक्त्यनुशासनम्, 5

१०. धम्मसभा णिव पंच य जादि लोगा य बंधुवग्गं णाणी।
इणविरुद्धं वच करदि स च सठ लोगणिंद दुक्खलहो॥ -सुदृष्टितरंगिणी,100

११. आदहिदं कादव्वं जदि सक्कदि परहिदं पि कादव्वं।
आदहिद-परहिदादो आदहिदं सुट्ठु कादव्वं॥

१२. कलिप्रावृषि मिथ्यादृङ्मेघच्छन्नासु दिक्ष्विह।
खद्योतवत् सुदेष्टारो हा ! द्योतन्ते क्वचित् क्वचित्॥ -सागार धर्मामृत 1/7

१३. आलस्यो मंदबुद्धिश्च सुखिनो व्याधिपीड़ितः।
निद्रालुः कामुकश्चेति षडैते शास्त्रवर्जिनाः॥ -सम्यक्त्वकौमुदी

ग्रन्थ अन्वेषण

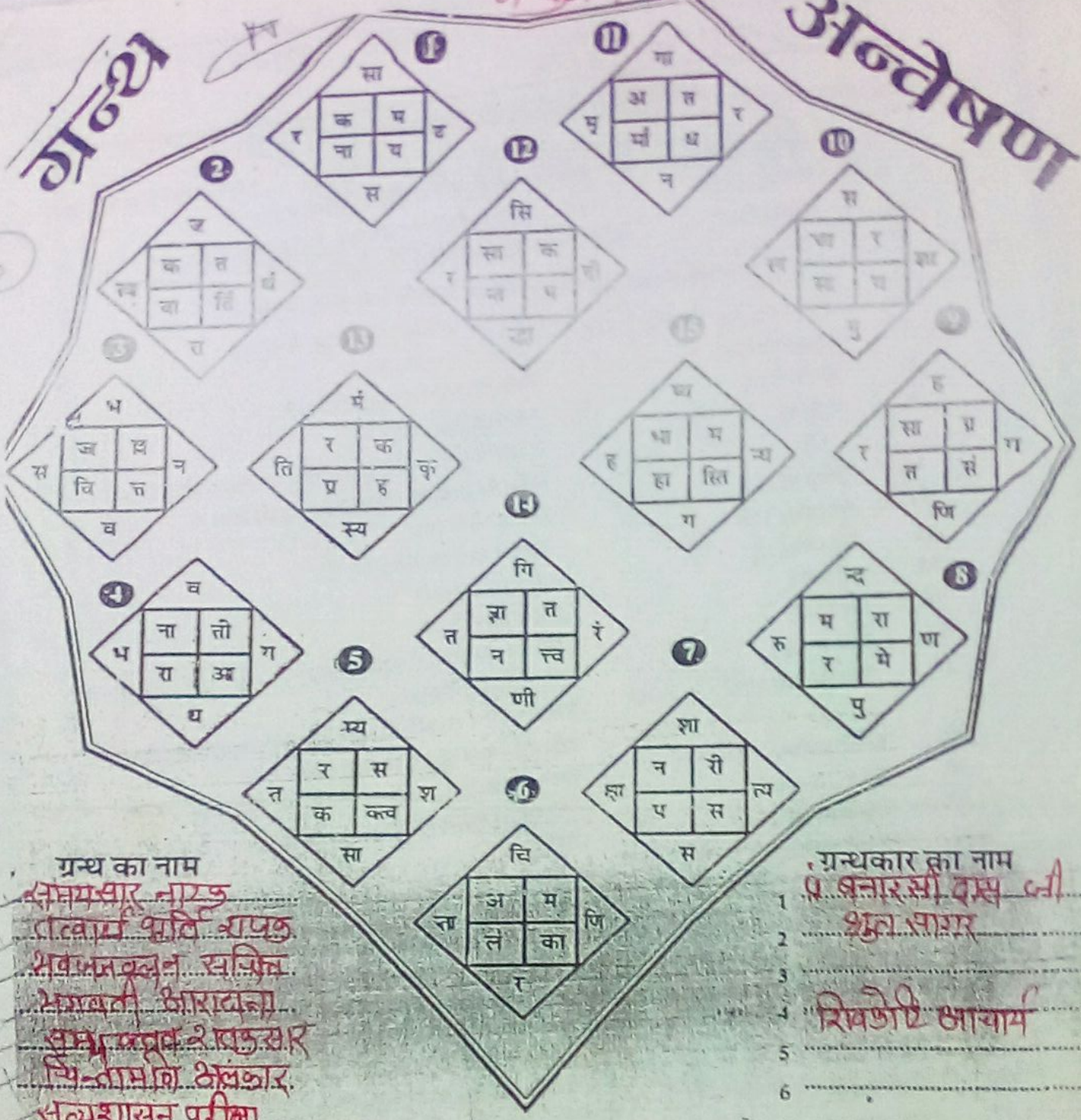

इस पहेली में पन्द्रह ग्रन्थों के नाम समाहित किये गये हैं। प्रत्येक ग्रन्थ का नाम आठ अक्षरों वाला है। ग्रन्थ के नाम में आगत अक्षर बिखरे हुए हैं। आप सर्वप्रथम नामाक्षरों को क्रम से जमाइये। तदुपरान्त ग्रन्थकर्त्ता का नाम लिखिये।

	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार का नाम
1	समयसार नाटक	प. बनारसी दास जी
2	तत्वार्थ धृति शास्त्र	श्रुत सागर
3	सर्वज्ञ कल्प सहित	
4	भगवती आराधना	शिवकोटि आचार्य
5	सूत्र पाहुड़ [illegible]	
6	चिन्तामणि अलंकार	
7	[illegible] शासन परीक्षा	
8	मेरुमन्दर पुराण	
9	गणित सार संग्रह	
10	[illegible]	प. अजित कुमार शास्त्री
11	धर्मरसामृत गान	
12	दीपक सिद्धान्त सार	
13	[illegible]	
14	[illegible]	
15	तत्व ज्ञान तरंगिणी	

मन्दाक्य आगहस्ति

ब) माघनन्दि आचार्य

किसको किस कारण वैराग्य हुआ ?

-सुनील प्रसन्न शास्त्री, हटा

1.	हनुमान जी को	-	तारा टूटने से वैराग्य उत्पन्न हुआ।
2.	रामचंद्र जी को	-	लक्ष्मण की मृत्यु देखकर, देवों द्वारा संबोधन
3.	दशरथजी को	-	खोजा की वृद्धा अवस्था देखकर
4.	भरतजी को	-	त्रिलोक मंडल हाथी को देखकर धर्मोपदेश सुनकर
5.	शत्रुघ्न को	-	रामचंद्र जी के साथ वैराग्य उत्पन्न हुआ
6.	इंद्रजीत कुम्भकर्ण को	-	रावण की मृत्यु देखकर
7.	सकल भूषण को	-	पत्नी से कहते कि संसार विचित्र है
8.	सीता जी को	-	अग्नि-परीक्षा के बाद
9.	वाली को	-	देवशास्त्र गुरु के अलावा किसी को नमस्कार नहीं करेंगे। बहिन की शादी का प्रसंग बना। युद्ध की हिंसा से
10.	सुग्रीव को	-	रामचंद्र जी के साथ
11.	सहस्त्ररश्मि को	-	रावण के द्वारा पराजित होने से
12.	नल-नील को	-	रामचंद्र जी के साथ
13.	मधु कैटभ	-	युद्ध के प्रसंग से
14.	कैकयी को	-	भरतजी के साथ धर्मोपदेश सुनकर
15.	राजा मय को	-	रावण की मृत्यु देखकर
16.	अनरण्यराजा को	-	सहस्त्ररश्मि ने कहा कि आपको वैराग्य हो तब आप बता देना और हमें वैराग्य हो तब हम बता देंगे।
17.	कपिल ब्राह्मण	-	राम नगरी देखकर
18.	लवण व अंकुश का	-	नारायण की मृत्यु के कारण
19.	पार्श्वनाथ जी को	-	जाति स्मरण
20.	चंद्रप्रभ भगवान को	-	उल्कापात से
21.	मल्लिनाथजी को	-	वटवृक्ष के विनाश से पूर्व भव के जाति स्मरण से
22.	वज्रबाहु जी को	-	जंगल में मुनिराज के दर्शन करने से और उदय सुंदर ने कह दिया क्या आप ऐसा बनना चाहते हैं ?
23.	श्रीपाल जी को	-	अपने पूर्व भव सुनने से
24.	कीर्तिधर महाराज को	-	राहु के द्वारा सूर्य के ग्रस्त होने से
25.	सुकुमालजी को	-	मुनिराज जी के द्वारा त्रिलोक प्रज्ञप्ति का पाठ सुनने से
26.	गौतम गणधर	-	मानस्तम्भ अवलोकन से
27.	पवनञ्जय को	-	धर्मोपदेश से
28.	अंजना को	-	धर्मोपदेश से

Extra Pages

अंताक्षरी व्यूह प्रतियोगिता

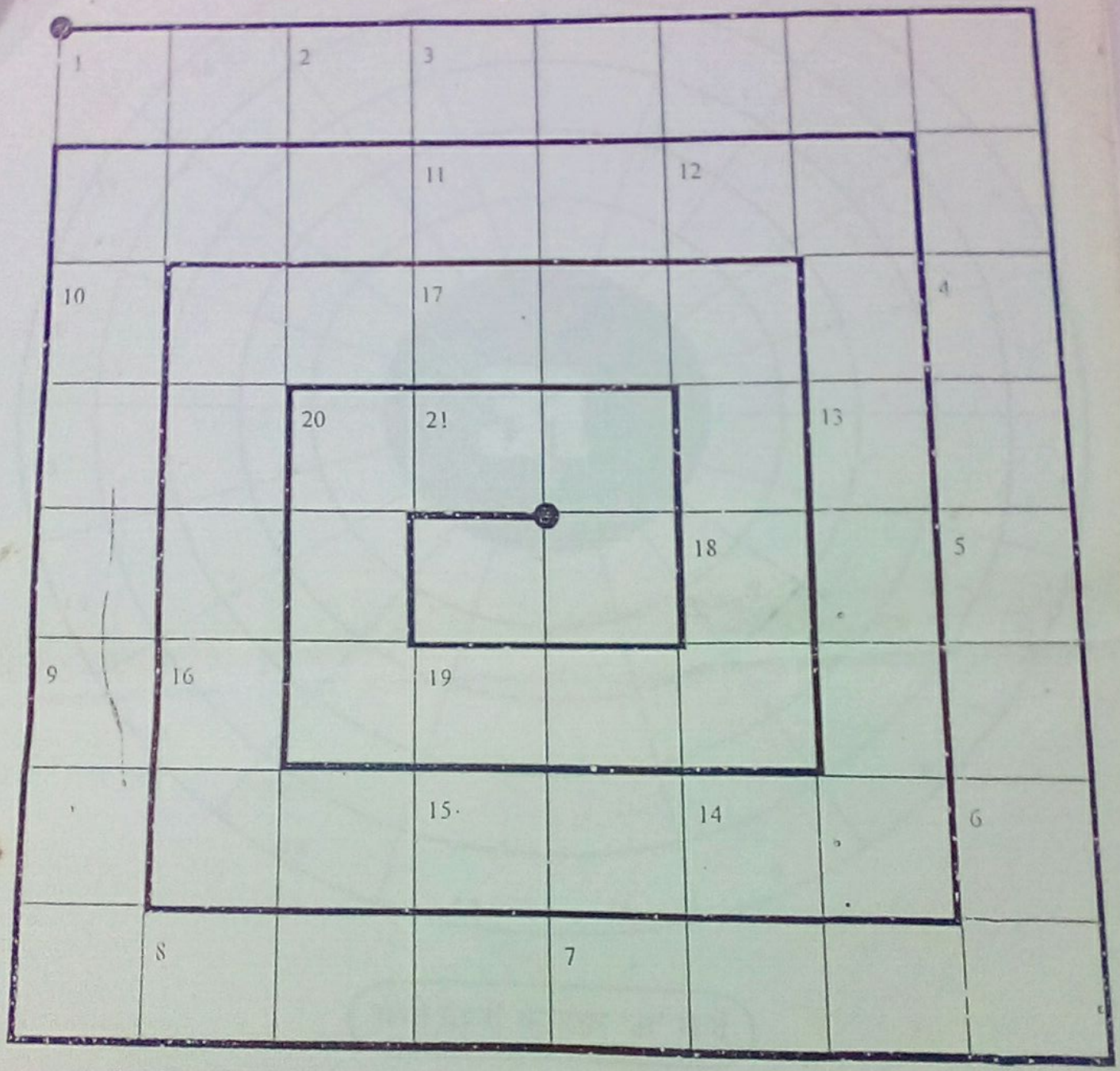

1. मध्यलोक में अकृत्रिम जिनालय
2. सूर्य की गलियाँ
3. मनुष्य क्षेत्र का विस्तार
4. हस्तिनापुर के राजा पद्म का मंत्री
5. पुद्गल का एक गुण
6. भवनवासी देवों का एक भेद
7. सातवीं शताब्दी के एक आचार्य
8. सर्व विघ्ननाशक एक मंत्र
9. अधोलोक की एक पृथ्वी
10. मुनियों का एक मूलगुण
11. एक सती का नाम
12. एक सिद्ध क्षेत्र का नाम
13. आचार्य कुन्दकुन्द का एक ग्रन्थ
14. ऐरावत क्षेत्र की एक नदी
15. जंगल की अग्नि
16. एक समुद्र का नाम
17. 58 गाथा वाला एक ग्रन्थ
18. श्रीकृष्ण का वंश
19. चक्रवाल का उद्गम स्थल
20. ज्योतिषी देवों का प्रतीन्द्र
21. आचार्य श्री विद्यासागर जी

चक्र माया

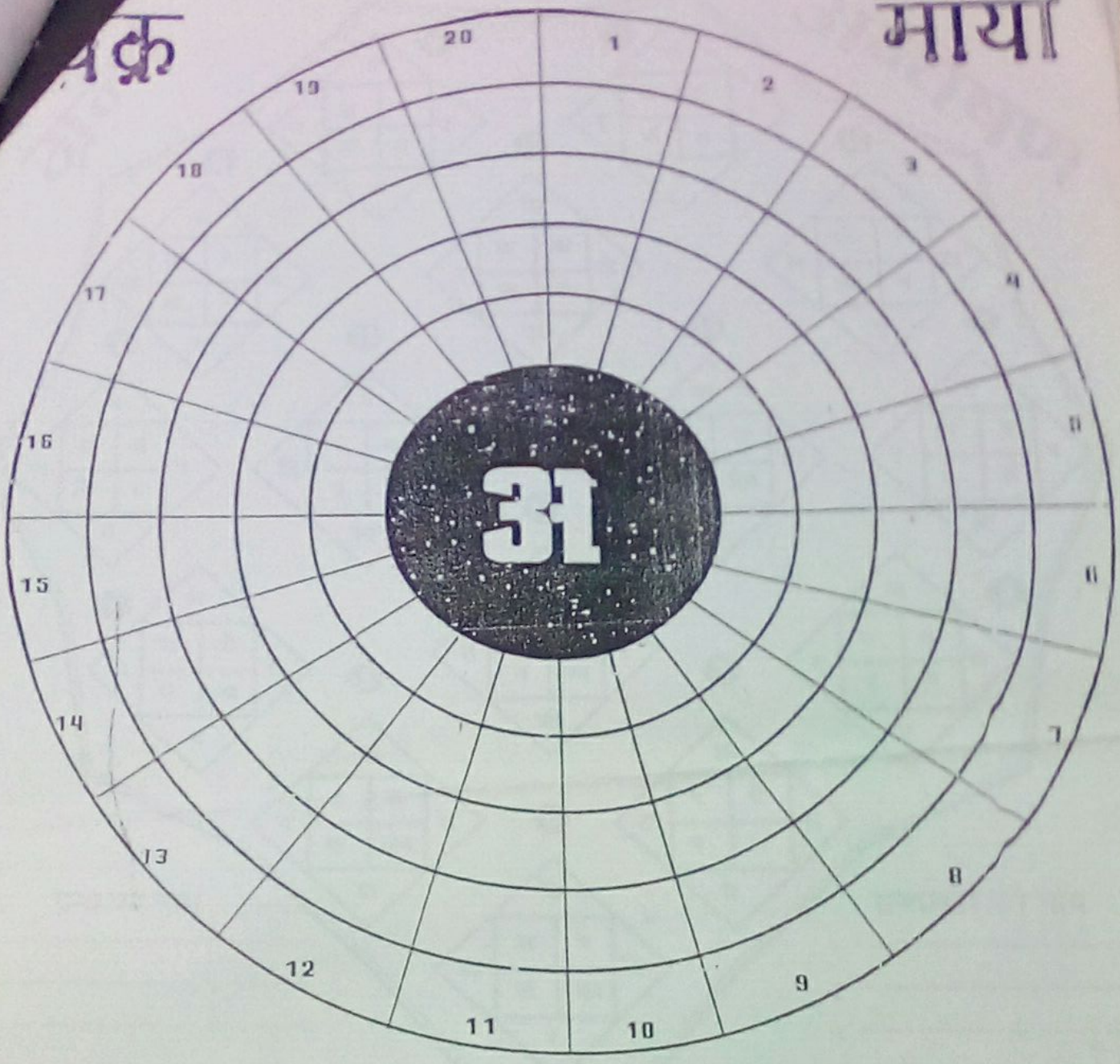

सभी प्रश्नों के उत्तर 'अ' से दें

1. बंध का एक भेद
2. धर्म्यध्यान का एक भेद
3. केवली का एक भेद
4. मतिज्ञान से पूर्व होने वाला एक दर्शन
5. मुनियों का एक विशेष गुण
6. भवनवासी देवों का एक भेद
7. श्रावकों की एक प्रतिमा
8. द्रव्य का एक सामान्य गुण
9. भवनत्रिक की आयुबन्ध कराने वाली निर्जरा
10. कविवर श्री विजयसिंह के द्वारा लिखित एक पुराण
11. चौदहवें गुणस्थान का नाम
12. जिस स्त्री का स्वामी न हो
13. दुर्गति का कारणभूत उपयोग
14. एक कर्म का नाम
15. मिथ्यात्व को बान्धने वाली कषाय
16. अवधिज्ञान से पूर्व होने वाला दर्शन
17. ज्ञानाचार का एक भेद
18. करण का एक भेद
19. जिसका आदि और अन्त न हो
20. राजा श्रेणिक का [illegible]

ग्रन्थ अन्वेषण

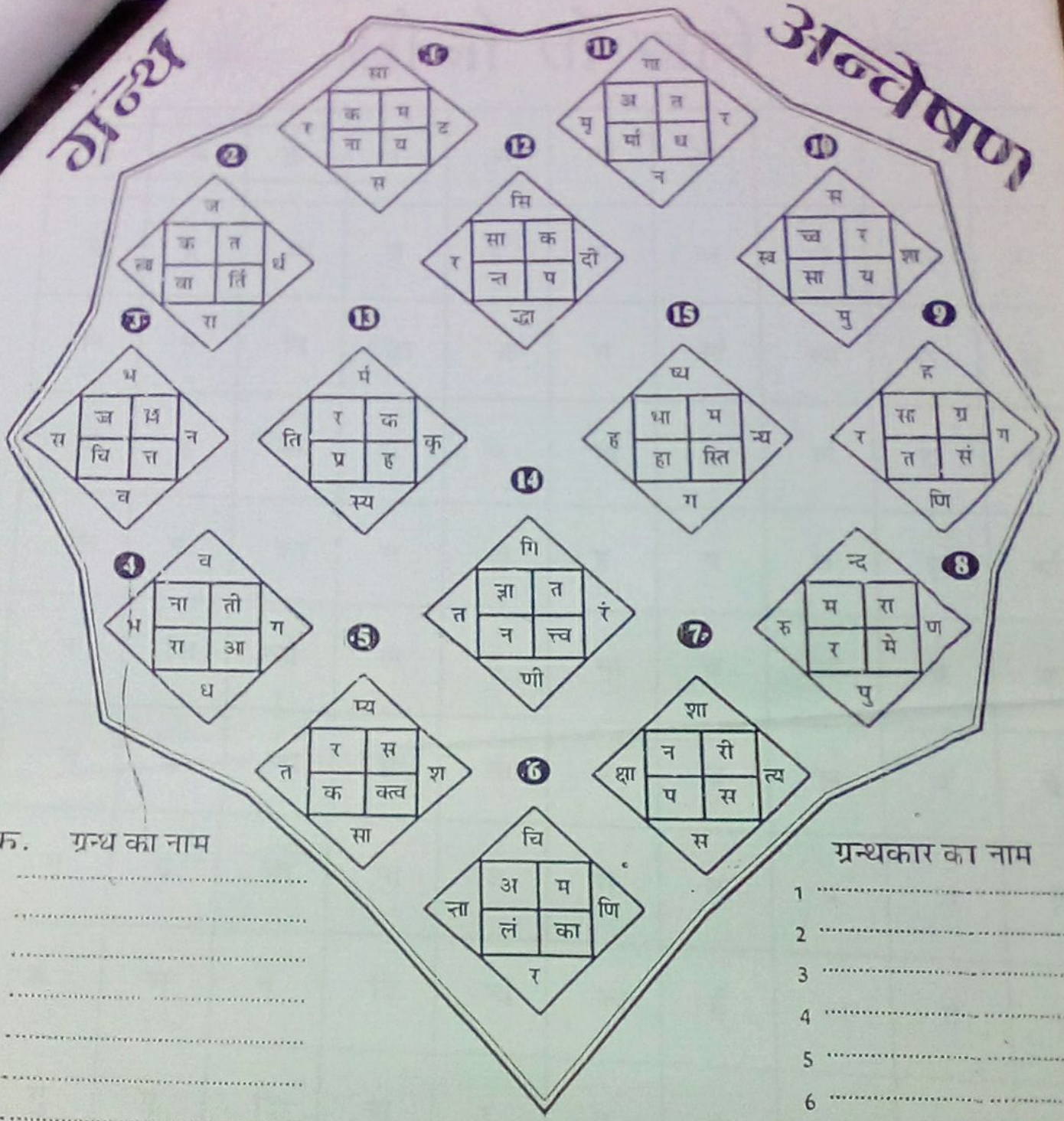

क्र.	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार का नाम
1	.....	.....
2	.....	.....
3	.....	.....
4	.....	.....
5	.....	.....
6	.....	.....
7	.....	.....
8	.....	.....
9	.....	.....
10	.....	.....
11	.....	.....
12	.....	.....
13	.....	.....
14	.....	.....
15	.....	.....

इस पहेली में पन्द्रह ग्रन्थों के नाम समाहित किये गये हैं। प्रत्येक ग्रन्थ का नाम आठ अक्षरों वाला है। ग्रन्थ के नाम में आगत अक्षर बिखरे हुए हैं। आप सर्वप्रथम नामाक्षरों को क्रम से जमाइये। तदुपरान्त ग्रन्थकर्त्ता का नाम लिखिये।

खोजो तो जाने

अ	व	ता	र	अ	यो	भ	ला	क	च
यो	द्र	ब्य	ग्र	इ	ग	अ	भ	क	र
नि	ग	नि	ह्मा	न्द्रो	स	र्या	ला	त	कु
यो	वृ	त्या	प्र	प	म्म	भ	र्ण	दृ	ति
त्ति	प्प	शा	ग	पा	ह	य	व	ढ़	र्या
न	न्ति	त्या	ल	द	भा	व	यौ	च	क
ज	ह	ज्य	ग्रा	सा	य	व	ल	र्या	षे
गृ	ग्र	चा	मा	ज	रा	कु	प्र	च्च	भि
रु	ण	षे	वि	ज्य	न्त्य	ई	आ	त	क्रा
गु	ग	दिग	ण	र	त	व	ता	वृ	च

ऊपर जो सौ अक्षर बिखरे हुए हैं, उनमें बीस दीक्षान्वय संस्कारों के नाम छिपे हुए हैं। आपको उन संस्कारों के नाम खोजने हैं। इनका वर्णन आचार्य भगवन्त श्री जिनसेन जी महाराज के द्वारा रचित आदिपुराण में है।

वर्ग पहेली

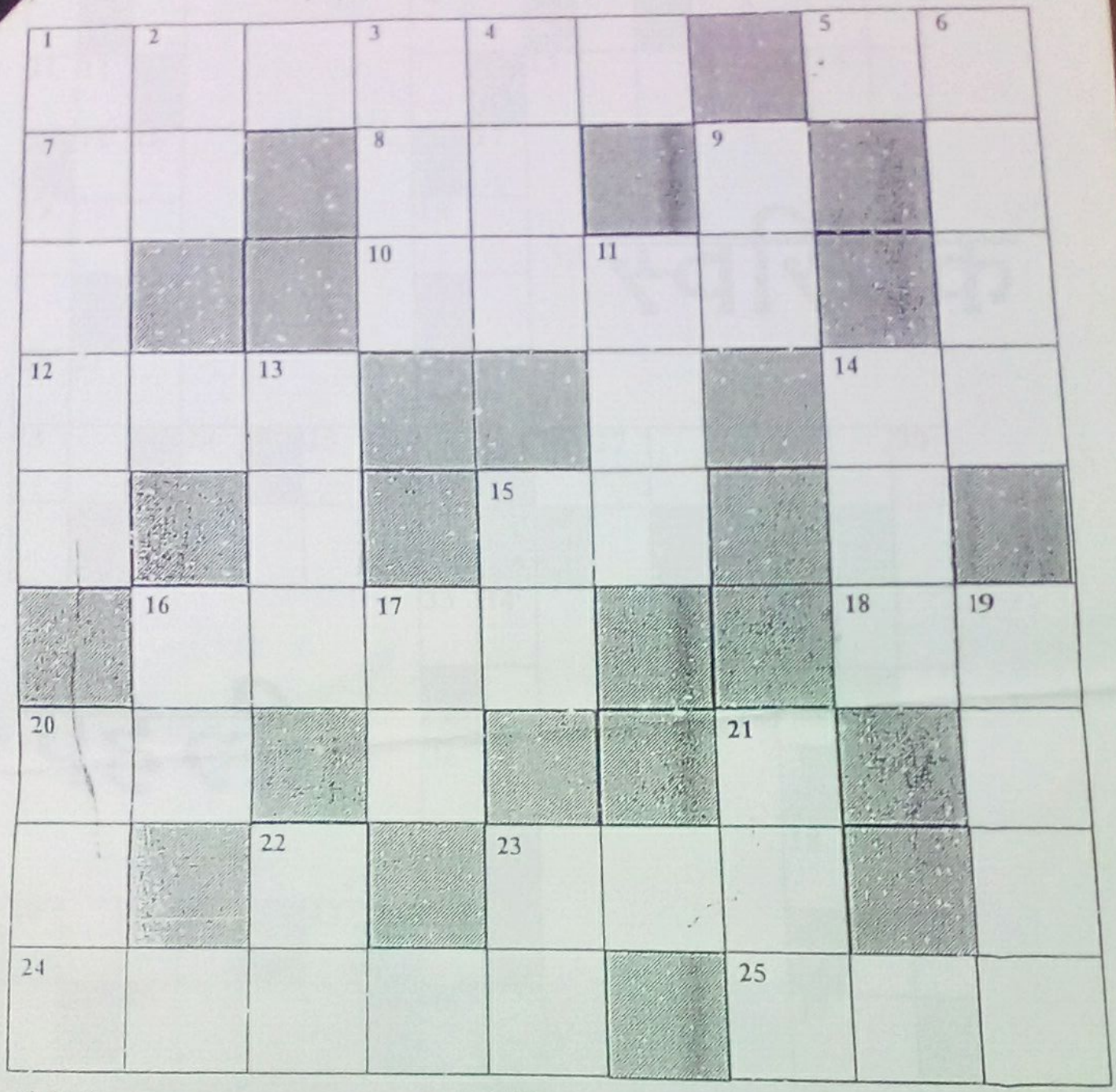

बांये से दायें

1.कवि हरिचन्द्र का एक ग्रन्थ
5.दश धर्मों में से प्रथम धर्म
7.पुद्गल द्रव्य का एक गुण
8.तालाब, ह्रद
10.द्रव्यकर्मों के आठ भेदों में से एक
12.दश धर्मों में से द्वितीय धर्म
14.छह द्रव्यों में से एक द्रव्य, आकाश
15.बाईस परीषह में से एक
16.देशव्रत का एक अतिचार
18.दो से लेकर पाँच इन्द्रिय पर्यन्त के जीव
20.इच्छा, अभिलाषा
23.सल्लेखना करने वाला साधु
24.पाँच ज्ञान में से एक ज्ञान

ऊपर से नीचे

1.जिनागम में इनकी संख्या चौदह है, जीवस्थान
2.चक्षु इन्द्रिय का विषय
3.पाँच इन्द्रियों में से एक
4.अन्तिम, श्रेष्ठ
6.पान को स्तंभित करने वाला स्तम्भ
9.वस्तु का स्वभाव
11.पद्मप्रभ और नमिनाथ भगवान का चिन्ह
13.तीनों योगों में से एक
14.ज्योतिषियों का एक भेद
15.अन्तःकरण, अनिन्द्रिय

17.साधु, मुनि
19.मूलाचार ग्रन्थ का दसवाँ अधिकार
20.दश धर्मों में से छठ धर्म
21.कुकथा, खोटी कथा
22.दश धर्मों में से सातवाँ धर्म
23. कर्मों का समूल नाश, विनाश

वर्ग पहेली

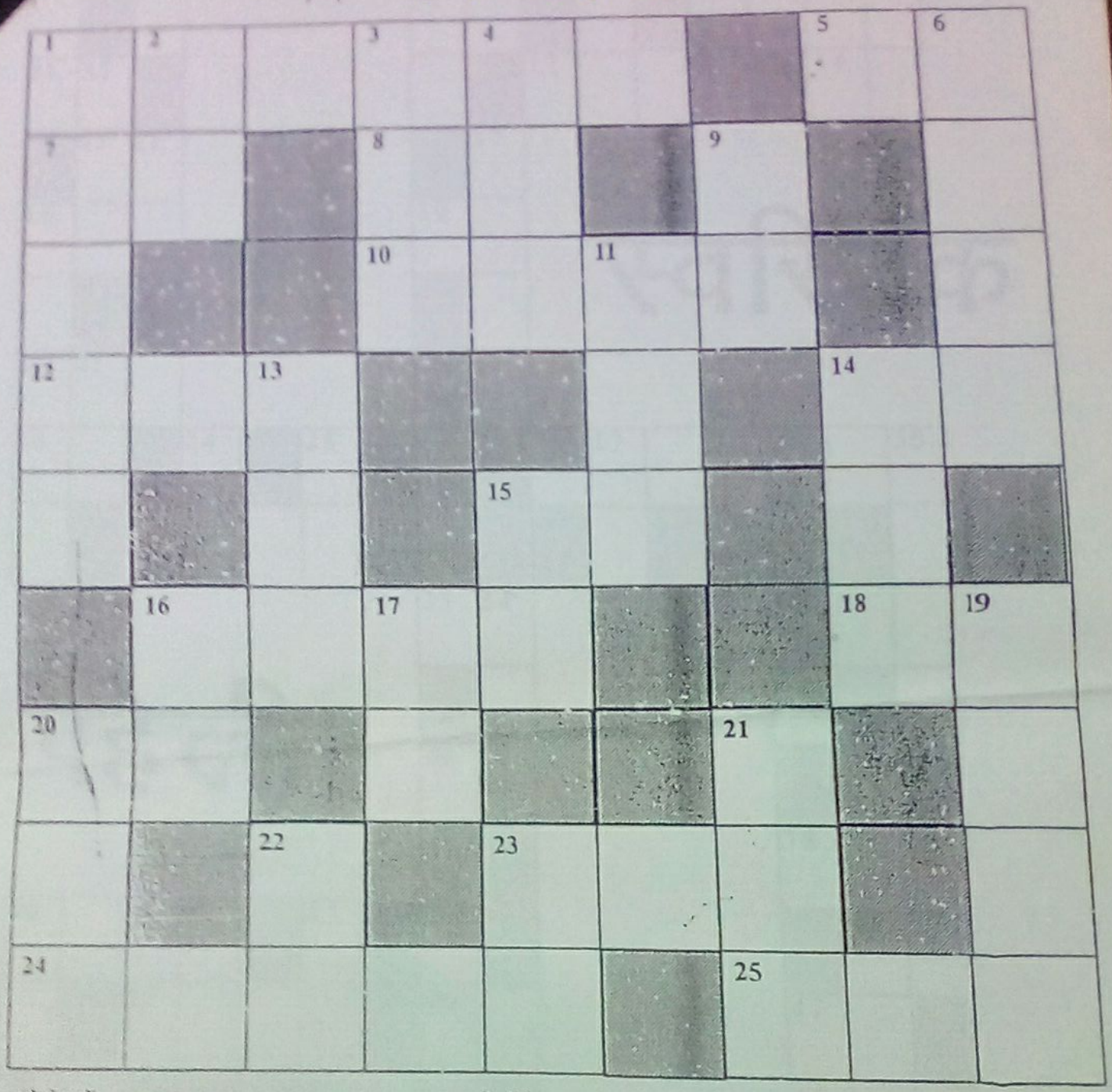

बाये से दायें

1.कवि हरिचन्द का एक ग्रन्थ
6.दश धर्मों में से एक धर्म
7.पुद्गल द्रव्य का एक गुण
8.तालाब, ह्रद
10.ज्योतिषियों के आठ भेदों में से एक
12.दश धर्मों में से द्वितीय धर्म
14.छह द्रव्यों में से एक द्रव्य, आकाश
15.आठ प्रातिहार्य में से एक
16.देवताओं का एक अधिकार
18.दो से लेकर पाँच इन्द्रिय पर्यन्त के जीव
20.शब्द, अभिव्यक्ति
23.मनोरंजन करने वाला शब्द
24.पाँच इन्द्रिय में एक इन्द्रिय

ऊपर से नीचे

1.जिनागम में इनकी संख्या चौदह है, जीवस्थान
2.चक्षु इन्द्रिय का विषय
3.पाँच इन्द्रियों में से एक
4.अन्तिम, श्रेष्ठ
6.मान को स्तंभित करने वाला स्तम्भ
9.वस्तु का स्वभाव
11.पद्मप्रभ और नमिनाथ भगवान का चिन्ह
13.तीनों योगों में से एक
14.ज्योतिषियों का एक भेद
15.अन्तःकरण, अनिन्द्रिय
17.साधु, मुनि
19.मूलाचार ग्रन्थ का तीसरा अधिकार
20.दश धर्मों में से छठा धर्म
21.कुकथा, खोटी कथा
22.दश धर्मों में से सातवाँ धर्म
23.कर्मों का समूल नाश, विनाश

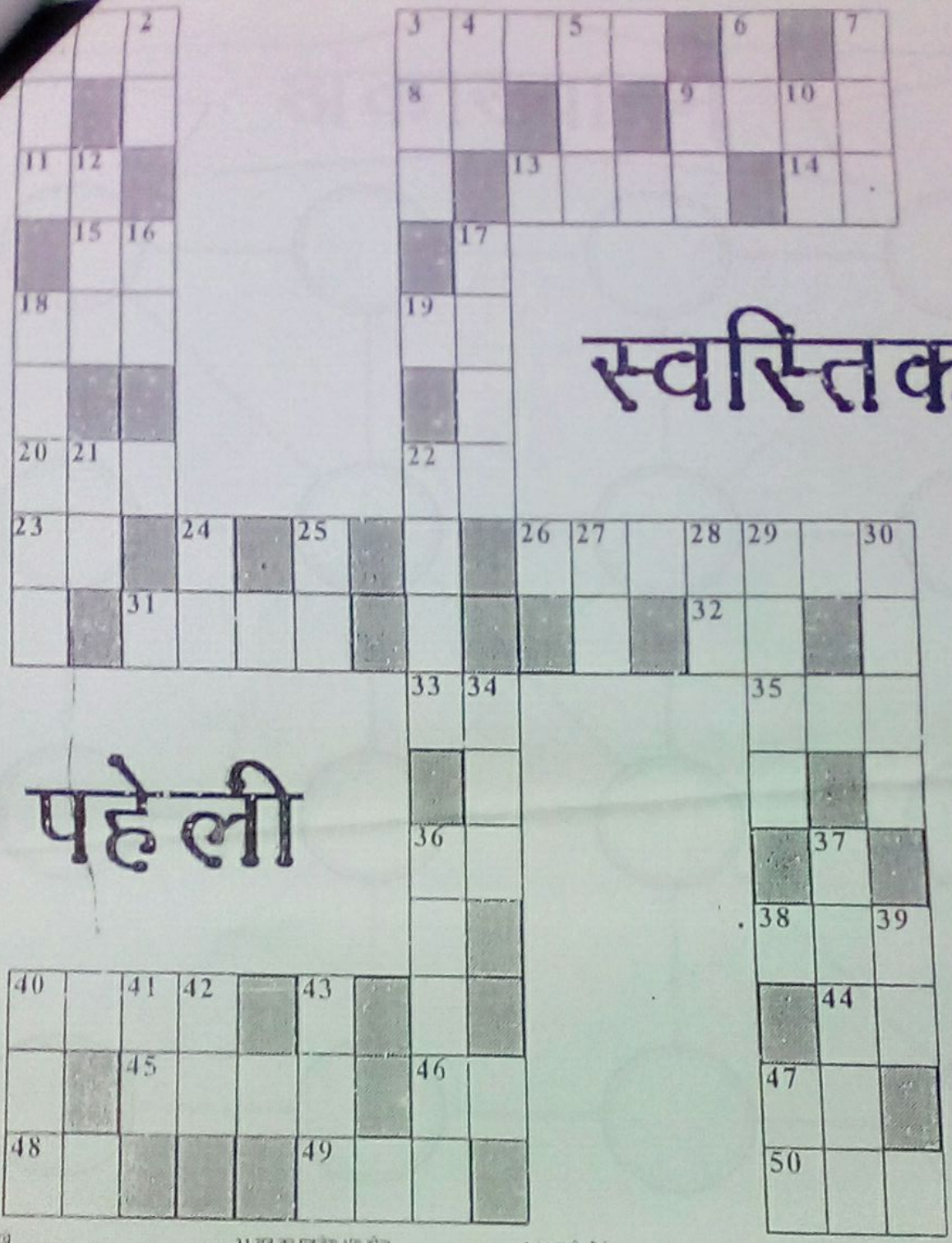

स्वस्तिक

पहेली

ऊपर से नीचे

1. अयोध्याजी का एक घाट
2. गुलाब के पत्ते जैसे ये हैं एक
3. पानी का पुल, पुल बनाना करना
4. सत्य वह
5. ये छाती, छाँटिए
6. आचार्य श्री बसंतदेव जी के गुरु
7. जेवर, करार
8. अतिरिक्त चित
9. सेवकर्म, सहायी
10. अयोध्या महाराजा की एक रानी
11. ठीक करना, रखना
12. अहंकार गर्व
13. पृथ्वि,क्षिति धरती
14. लोकमान्य श्री [illegible] द्वारा लिखित पुस्तक [illegible]

31.छत का एक हिस्सा धन होना
32.अंत,करण, चित
33.गगन, आकाश का एक पेड़
35.पाँच इंद्रियों में एक
36.वर्तमानकालीन एक लोकोक्ति
39.कर्म को क्षय करने वाला, मिलेजुलाकर साधु
42.[illegible]
44.रात्रि का घाम
45.पवन,प्रभाव
46.अनावश्यक भावभाव का चिह्न
47.इलाकर्ष का एक पेड़
48.चतुर्दिश का विपरीत
49.[illegible]
50.[illegible]

ऊपर से नीचे

1.इंद्रिय के द्वारा प्राप्त पदार्थ
2.लाभ, पुनि
3.जय, जीत
4.बुराकर्म
5.विदिशा में रहने वाली एक लोकोक्ति/कोकोक्ति
6.कपट,छल
7.बुरी आदत
9.गुलाब की एक शाखा
10.परिणाम, पर्याय
12.दबाना, चट करना
16.झुका हुआ
17.भगवत ग्रन्थ के लेखक आचार्य
18.आचार्य श्री बसन्तदेव जी का एक ग्रन्थ
[illegible]

22.भक्तमाल स्तोत्र के रचयिता आचार्य
24.ये बेकवाय में से हैं
25.दैव,अमर
27.अंतर प्रदेशों द्रव्य
28.अन्तःसार,एक [illegible] पात्र
29.पाँच व्यञ्जनों में से [illegible]
30.पक्ष,कोर्ट के लिए और देवकर्ती के मुख्यतर
34.अन्धकार
36.असंख्य चिन्तामणि [illegible] ग्रन्थ के रचयिता आचार्य
37.उपकार करने वाले
39.प्रिय,इष्ट
40.सात तत्वों में से एक
41.एक बड़ा पर्वत
43.एक द्रव्य कर्म, [illegible]

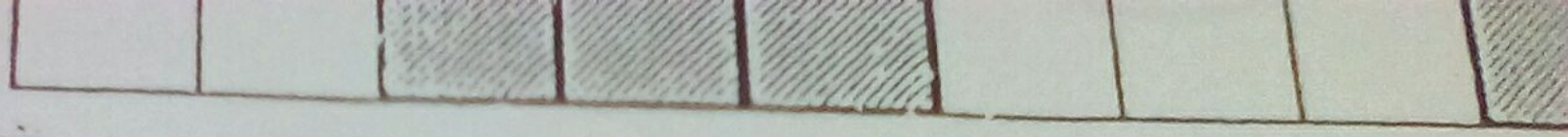

बगले से दायें

1 - आभ्यन्तर तप का एक भेद
2 - श्रुतज्ञान के ग्यारह अंगों में से एक
3 - नाम का पुनः पुनः स्मरण करना
6 - उत्कृष्ट तप
7 - ख्याति, प्रसिद्धि
8 - आचार्य श्री वसुदेव जी के गुरु
11 - जंगल, कानन
15 - अनिन्द्रिय, चित्त
16 - तेरहवाँ स्वर्ग
17 - भगवान महावीर का एक नाम
20 - रति करना, रमना
22 - अहंकार, गर्व
23 - मति, यति, भ्रमण
24 - लोकाकाश को व्याप्त करने वाला एक गुण

31 - व्रत का एकदेश भंग होना,
32 - अन्तःकरण, चित्त
33 - गमन, नामकर्म का एक भेद
35 - पाँच इन्द्रियों में एक
36 - वर्तमानकालीन एक तीर्थङ्कर
39 - कर्म को क्षय करने वाला, सल्लेखनारत साधु
40 - [illegible]
44 - शान्ति का धारक
45 - नमन, प्रणाम
46 - अनन्तनाथ भगवान का चिह्न
47 - द्रव्यकर्म का एक भेद
48 - चक्षुरिन्द्रिय का विषय
49 - दश प्राणों में से एक
50 - दान, देय

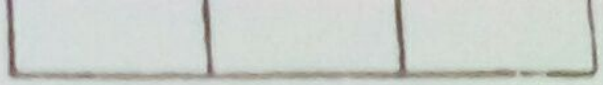

ऊपर से नीचे

1.इन्द्रिय के द्वारा प्राप्त पदार्थ

2.साधु, मुनि

3.जय, जीत

4.बुराकार्य

5.विदिशा में रहने वाली एक लौकान्तिकोकोजाति

6.कपट,छल

7.बुरी आदत

9.मूलसंघ की एक शाखा

10.परिणाम, पर्याय

12.दबाना, नष्ट करना

16.झुका हुआ

17.धवला ग्रन्थ के लेखक आचार्य

18.आचार्य श्री वीरनन्दि जी का एक ग्रन्थ

21.तीन प्रकारों में से एक

22.भक्तामर स्तोत्र के रचयिता आचार्य

24.सी लोकाय में से एक

25.देव,अमर

27.अनंत प्रदेशी द्रव्य

28.अन्धकार,एक [illegible] नाम

29.पाँच व्यावरों में से एक

30.यश:कीर्ति के शिष्य और देवनन्दी के गुरुआप्त

34.अन्धकार

36.अलंकार चिन्तामणि ग्रन्थ के रचयिता आचार्य

37.उपशम करने वाले

39.प्रिय,इष्ट

40.सात तत्त्वों में से एक

41.एक बारह पर्व ग्रह

42.एक द्रव्य कर्म संज्ञा

अंकाख्यानम्

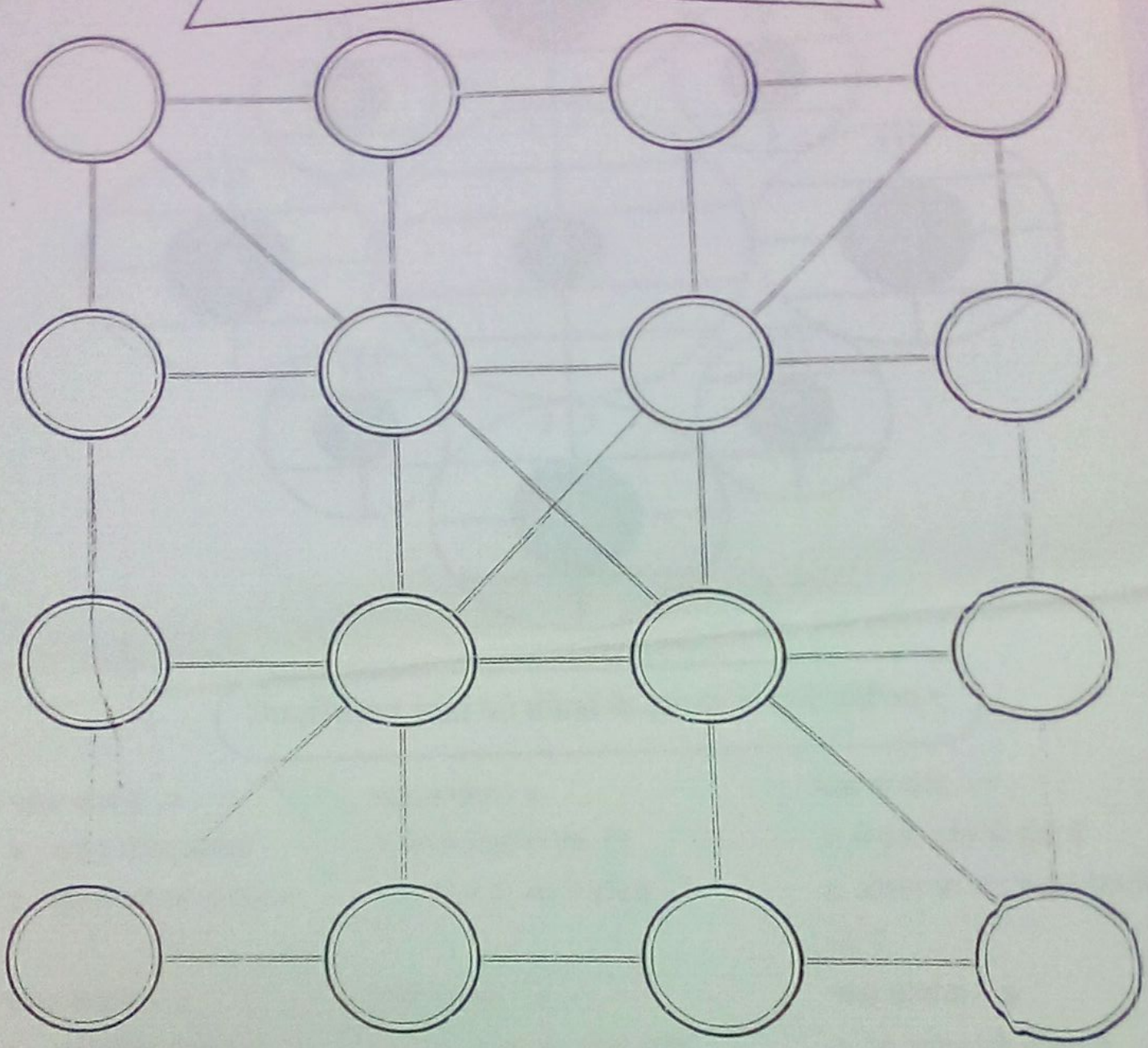

निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के भेदों की संख्या जैनागम में निर्धारित है। इनका सहयोग लेकर उन शब्दों को ऐसे जमाइये कि कहीं से भी गिनने पर सबका योग तीर्थंकर के अतिशयों की संख्या के समतुल्य हो जावे।

धर्म द्रव्य	व्रत	पदार्थ	चारित्र
आकाश	द्रव्य	धर्म	गुणस्थान
गुप्ति	तत्त्व	प्रतिमा	प्रमाद
शांति	मत	[illegible]	

चक्र पहेली

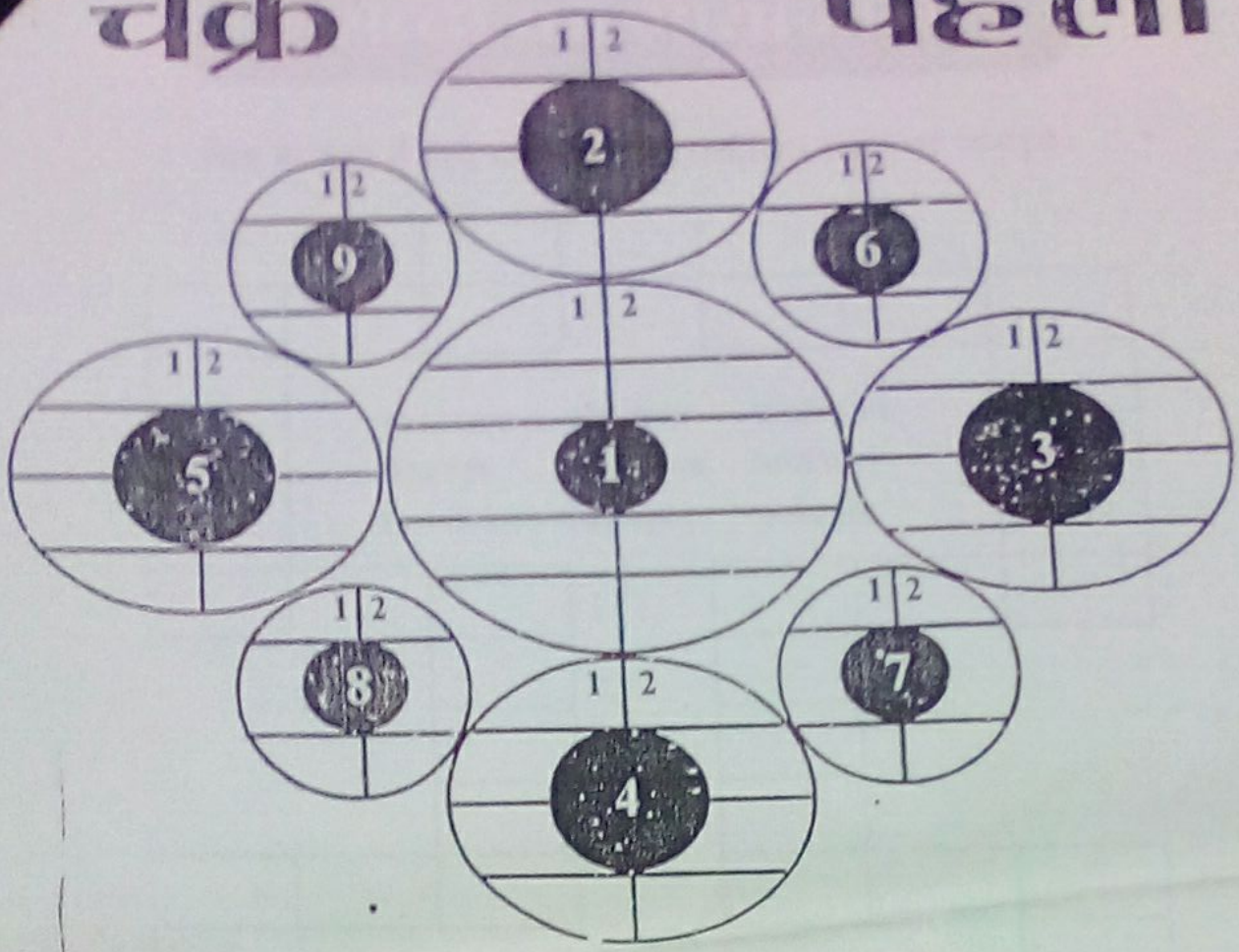

निम्नलिखित चक्रों को संकेतों के आधार से पूर्ण कीजिए।

चक्र क्रमांक -1

1. कषाय सहित आस्रव
2. मुनियों का एक आवश्यक

चक्र क्रमांक - 2

1. श्रुतज्ञान का दूसरा अंग
2. पाँच पापों में से एक

चक्र क्रमांक - 3

1. मन:पर्ययज्ञान का एक भेद
2. पाँच भावों में से एक

चक्र क्रमांक - 4

1. गर्भज जीवों का एक भेद
2. स्थितिकरण अंग में प्रसिद्ध

चक्र क्रमांक - 5

1. नन्दीश्वरद्वीप का सफेद पर्वत
2. परोपदेश के बिना होने वाला सम्यग्दर्शन

चक्र क्रमांक - 6

1. वह तत्त्व जिसके पाँच भेद हैं
2. पहले अनुदिश का नाम

चक्र क्रमांक - 7

1. केवली कौन से मुनि हैं
2. आस्रव का वह प्रत्यय जिसके पन्द्र भेद हैं

चक्र क्रमांक - 8

1. जो आत्मा को करता है
2. काल द्रव्य का प्रमुख उपकार

चक्र क्रमांक - 9

1. सोलहकारण भावना में एक भा
2. मनरहित जीव

शब्दों का मायाजाल

चित्र के पद्य में दिये गये शब्दों को यथोचित स्थान पर जमाइये।

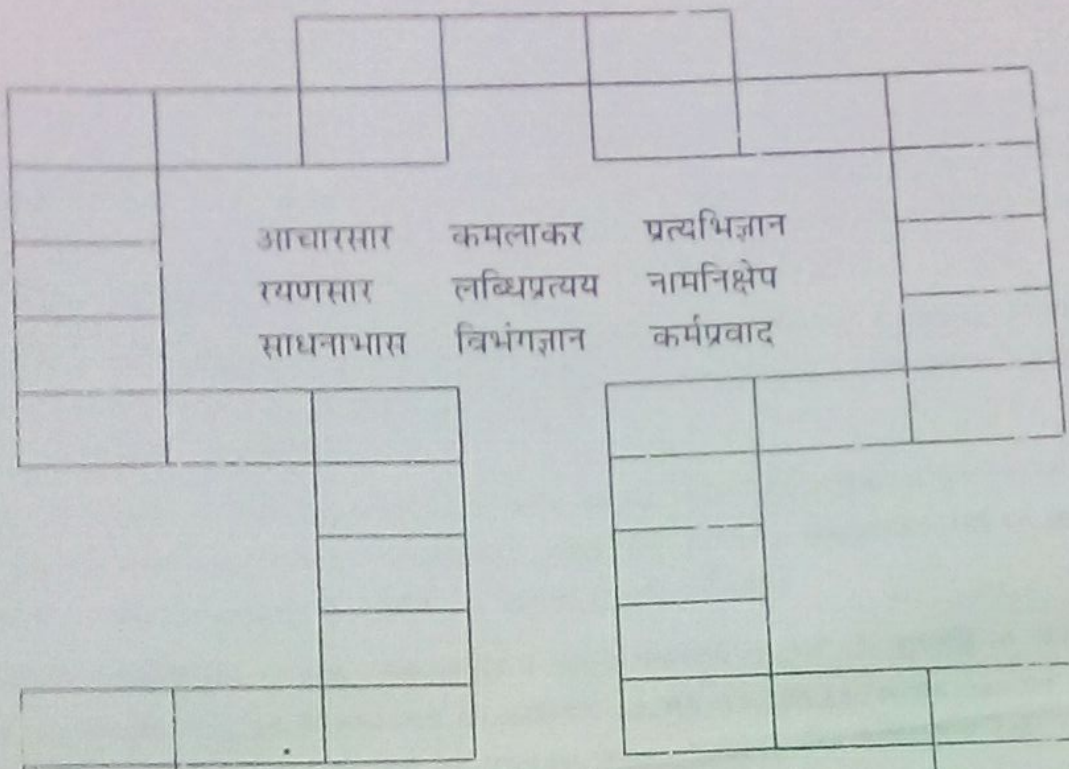

आचारसार कमलाकर प्रत्यभिज्ञान
रयणसार लब्धिप्रत्यय नामनिक्षेप
साधनाभास विभंगज्ञान कर्मप्रवाद

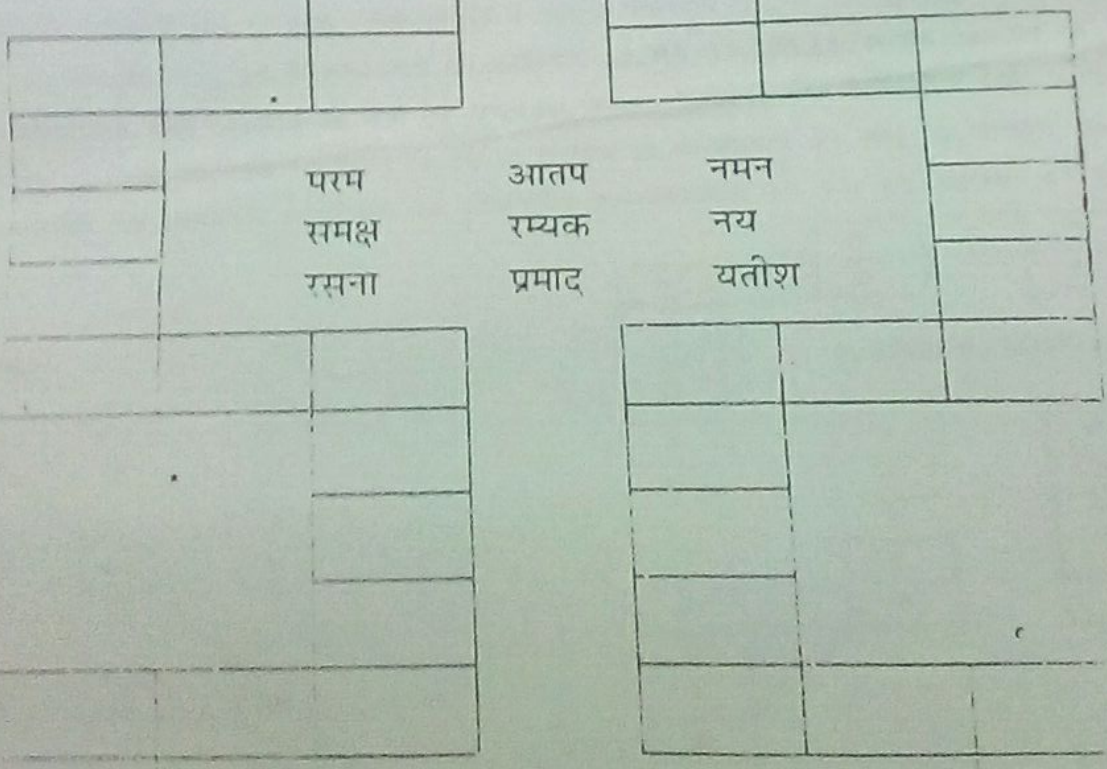

परम आतप नमन
समक्ष रम्यक नय
रसना प्रमाद यतीश

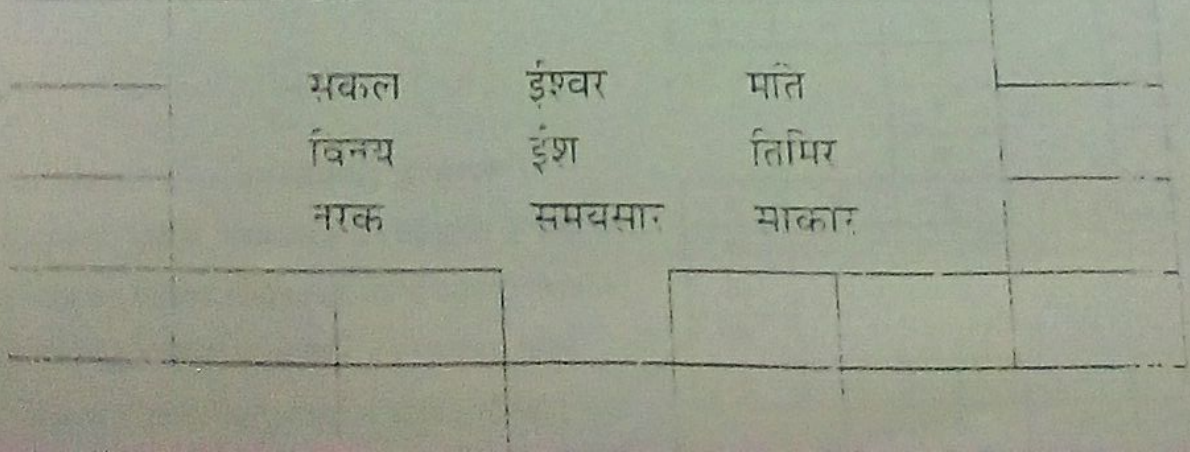

सकल ईश्वर मांत
विनय ईश तिमिर
नरक समयसार साकार

उत्तर पंजिका

जम्बूद्वीप व्यूह प्रतियोगिता- 1. 458 2. 84 3. 45 लाख योजन 4. नमुचि 5. चिकना 6. नागकुमार 7. रविषेण 8. प
10. भाषा समिति 11. तिर्यंच 12. चम्पापुर 13. रयणसार 14. रक्तोदा 15. दावानल 16. लवणसमुद्र 17. द्रव्यसं
18. हरिवंश 19. शस्त्रागार 20. रवि 21. विद्याधर।

2. चक्र माया प्रतियोगिता- 1. अनुभाग बंध 2. अपाय विचय 3. अन्तकृत् केवली 4. अचक्षुदर्शन 5. अदन्तधोवन 6. अस
7. अनुमति त्याग 8. अगुरूलघुत्व 9. अकामनिर्जरा 10. अजितपुराण 11. अयोगकेवली 12. अपरिगृहीता 13. अशुभोपयोग
14. अंतरायकर्म 15. अनंतानुबंधी 16. अवधिदर्शन 17. अनिह्नवाचार 18. अपूर्वकरण 19. अनादिअनंत 20. अभयकुमार।

3. ग्रन्थ अन्वेषण- 1. समयसार नाटक- पं. बनारसी दास 2. तत्त्वार्थराजवार्तिक- आचार्य अकलंक देव 3. सज्जन चित्त वल्लभ- आ
आचार्य 4. भगवती आराधना- आचार्य शिवकोटी 5. सम्यक्त्व सारशतक- आचार्य ज्ञान सागर 6. अलंकार चिन्तामणि- अ
7. सत्यशासन परीक्षा- विद्यानंदी 8. मेरू मन्दरपुराण-वामनमुनि 9. गणितसार संग्रह- महावीराचार्य 10. शास्त्र सार समुच्चय- आ
योगीन्द्र 11. अनगार धर्मामृत- पं. आशाधर 12. सिद्धान्त सार दीपक-आचार्य सकल कीर्ति 13. कर्म प्रकृति रहस्य- आचार्य
नन्दी 14. तत्त्व ज्ञान तरंगिणी- आचार्य ज्ञानभूषण 15. गन्धहस्तिमहाभाष्य- आचार्य समन्तभद्र।

4. खोजो तो जाने- 1. अवतार 2. योगत्याग 3. अग्रनिवृत्ति 4. प्रशान्ति 5. इन्द्रोपपाद 6. योगसम्मह 7. चक्रलाभ 8. व
9. दृढ़चर्या 10 कुलचर्या 11. व्रतचर्या 12. चक्राभिषेक 13. आर्हन्त्य 14. वृतावतरण 15. यौवराज्य 16. दिग्विजय 17.
18. साम्राज्य 19. गृहत्याग 20. गणग्रह।

5. वर्ग पहेली- बायें से दायें 1. जीवन्धरचम्पू 5. क्षमा 7. वर्ण 8. सर 10. नामकर्म 12. मार्दव 14. नय 15. गल 18. त्रस 20. गंड
क्षपक 24. मनःपर्यय 25. थावर। **ऊपर से नीचे** 1. जीवस्थान 2. वर्ण 3. रसना 4. चरम 6. मानस्तम्भ 9. धर्म 11. कमल 13. वचन 14
15. मन 16. आज्ञा 17. यति 19. समाचार 20. संयम 21. विकथा 22. तप 23. क्षय।

6. स्वस्तिक पहेली- बायें से दायें 1. विनय 3. विपाक सूत्र 8. जाप 9. नयाभास 11. यश 13. शुभनंदी 14. खग 15. मन 18. आ

18. हरिवंश 19. शस्त्रागार 20. रवि 21. विद्याधर।

2. चक्र माया प्रतियोगिता- 1. अनुभाग बंध 2. अपाय विचय 3. अन्तकृत् केवली 4. अचक्षुदर्शन 5. अदन्तधोवन 6. अप्रमु 7. अनुमति त्याग 8. अगुरूलघुत्व 9. अकामनिर्जरा 10. अजितपुराण 11. अयोगकेवली 12. अपरिगृहीता 13. अशुभोपयोग 14. अंतरायकर्म 15. अनंतानुबंधी 16. अवधिदर्शन 17. अनिह्नवाचार 18. अपूर्वकरण 19. अनादिअनंत 20. अभयकुमार।

3. ग्रन्थ अन्वेषण- 1. समयसार नाटक- पं. बनारसी दास 2. तत्त्वार्थराजवार्तिक- आचार्य अकलंक देव 3. सज्जन चित्त वल्लभ- आचार्य 4. भगवती आराधना- आचार्य शिवकोटी 5. सम्यक्त्व सारशतक- आचार्य ज्ञान सागर 6. अलंकार चिन्तामणि- अ 7. सत्यशासन परीक्षा- विद्यानंदी 8. मेरू मन्दरपुराण-वामनमुनि 9. गणितसार संग्रह- महावीराचार्य 10. शास्त्र सार समुच्चय- योगीन्द्र 11. अनगार धर्मामृत- पं. आशाधर 12. सिद्धान्त सार दीपक-आचार्य सकल कीर्ति 13. कर्म प्रकृति रहस्य- आचार्य नन्दी 14. तत्त्व ज्ञान तरंगिणी- आचार्य ज्ञानभूषण 15. गन्धहस्तिमहाभाष्य- आचार्य समन्तभद्र।

4. खोजो तो जाने- 1. अवतार 2. योगत्याग 3. अग्रनिवृत्ति 4. प्रशान्ति 5. इन्द्रोपपाद 6. योगसम्मह 7. चक्रलाभ 8. व 9. दृढ़चर्या 10 कुलचर्या 11. व्रतचर्या 12. चक्राभिषेक 13. आर्हन्त्य 14. व्रतावतरण 15. यौवराज्य 16. दिग्विजय 17. 18. साम्राज्य 19. गृहत्याग 20. गणग्रह।

5. वर्ग पहेली- बायें से दायें 1. जीवन्धरचम्पू 5. क्षमा 7. वर्ण 8. सर 10. नामकर्म 12. मार्दव 14. तप 15. गल 18. त्रस 20. संज्ञि क्षपक 24. मनःपर्यय 25. थावर। **ऊपर से नीचे** 1. जीवसमास 2. वंर्ण 3. रसना 4. चरम 6. मानस्तम्भ 9. धर्म 11. कमल 13. वचन 14 15. मन 16. आज्ञा 17. यति 19. समाचार 20. संयम 21. विकथा 22. तप 23. क्षय।

6. स्वस्तिक पहेली- बायें से दायें 1. विनय 3. विपाक सूत्र 8. जप 9. नयाभास 11. यश 13. शुभनंदी 14. वन 15. मन 18. आन वीर 20. रमण 22. मान 23. साधु 26. घनवातवलय 31. अतिचार 32. मन 33. गति 35. स्पर्शन 36. अर 38. क्षपक 40. अ 44. शम 45. नमस्कार 46. सेही 47. नाम 48. वर्ण 49 वचन 50. शवट। **ऊपर से नीचे** 1. विषय 2. यति 3. विजय 4. पाप 5. 6. माया 7. व्यसन 9. नन्दी 10. भाव 12. शमन 16. नत 17. वीरसेन 18. आचारसार 21. मधु 22. मानतुंग 24. रति 25. सुर 2 28. तम 29. वनस्पति 30. यशोनन्दी 34. तिमिर 36. अजितसेन 37. उपशमक 39. कम 40. आस्रव 41. पन 42. नाम 43. 47. नाश।

	ष	र	म

6. माया 7. व्यसन 9. नन्दी 10. भाव 12. शमन 16. नत 17. वीरसेन
28. तम 29. वनस्पति 30. यशोनन्दी 34. तिमिर 36. अजितसेन 37.
47. नाश।

7. अंकाख्यानम्

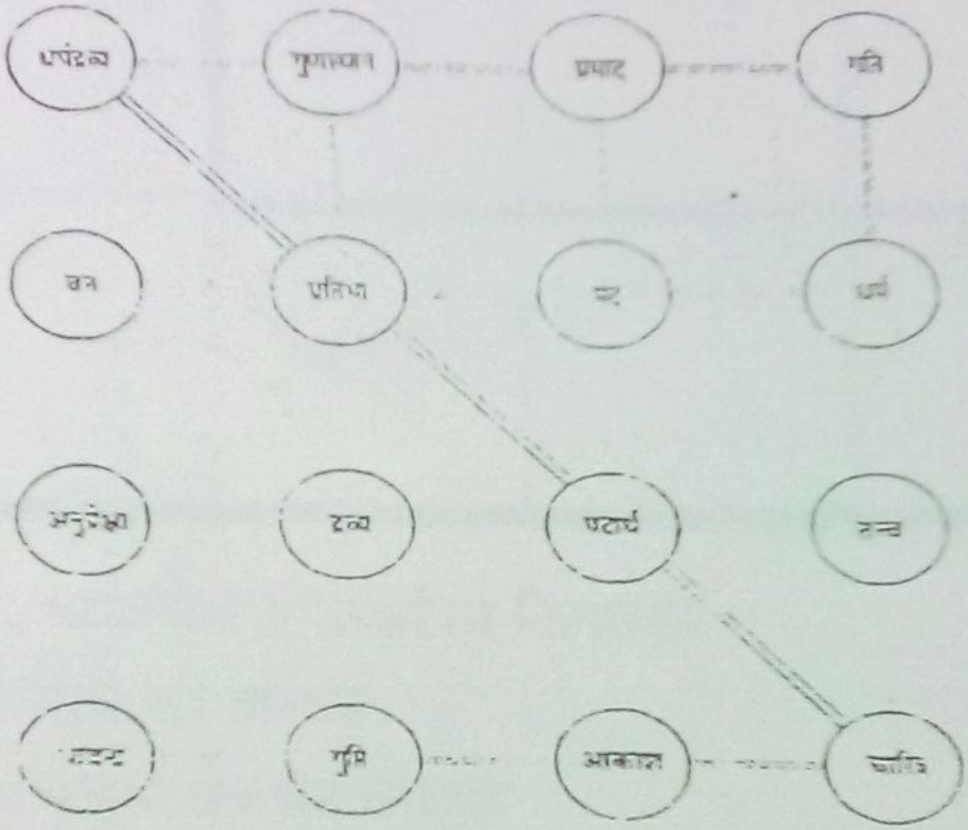

8. चक्र पहेली- चक्रक्र.1. -1 साम्परायिक 2 प्रतिक्रमण
चक्रक्र2. -1 सूत्रवृत्त 2 परिघ, चक्रक्र3. -1 ऋजुमति 2 औदयिक,
चक्रक्र4. -1 जलयुज 2 वारिषेण, चक्रक्र5. -1 दधिमुख 2 निसर्गज,
चक्रक्र6. -1 अजीव 2 आदित्य, चक्रक्र7. -1 स्नातक 2 प्रमाद,
चक्रक्र8. -1 कषाय 2 वर्तना, चक्रक्र9. -1 संवेग 2 असंज्ञी।

तिचार 32. मन 33. गति 35. स्पर्शन 36. अर 38. क्षेपक 40. म
50. शब्द। ऊपर से नीचे 1. विषय 2. यति 3. विजय 4. पाप 5.
. वीरसेन 18. आचारसार 21. मधु 22. मानतुंग 24. रति 25. सुर 2
सेन 37. उपशमक 39. कम 40. आस्रव 41. पन 42. नाम 43.

9. शब्दों का मायाजाल

	ष	
स		
ष		
सा		

	र	ग
		ति

		मि

		र
		ट

र	स	ना
		म
		नि
		क्षें

मा	का	
ध		
ना		
धा		

आ	त	ष
चा		
र		
सा		

	क	

र		क
		र्म
		प्र
		था

वि		च
भं		
ग		
ज्ञा		

प्र	मा	द
त्व		
धि		
ज्ञा		

न	र	च
		म
		क्षा
		कं

न	म	न
		य

		तं

ई	श्व	र
श्र		

रिक्त स्थान पहेली

नाम _____

1. तुम को बिन जाने जो _____ पाए सो तुम जाणत जिनेश
2. _____ ज्ञान चारित्राणि मोक्षमार्ग: ।
3. _____ महाबल सेनानी उस को टाल सकेगा क्या ।
4. हे _____ भव दुःख मेटो याते मैं पूजो प्रभु पाय ।
5. तुमको पूजे _____ अहिपति नरपति देव ।
6. जो _____ हूँ थारा सम्यग्दर्शन बिन दुःख पाय ।
7. हूँ स्वतंत्र निश्चल निष्काम ज्ञाता दृष्टा _____ ।
8. वे _____ महान जिन विचरे हमारे ध्यान में ।
9. _____ सिद्ध भगवान आदर्श तुम्ही मेरे ।
10. मुनि सकलव्रती _____ भव भोगन में वैरागी ।
11. जजु भावना _____ रत्नत्रय जा बिना शिव नही कदा ।
12. _____ जह तरंग उछलत सुखदानी ।
13. वीतराग सर्वज्ञ _____ भविजन की अब पूरो आस ।
14. देह जीव को एक गिने _____ तत्त्व मुधा है ।
15. सुख विस्तारवे को यही _____ हैं ।
16. हे अजेय _____ का हर्ता णनोकार यह मंत्र महा ।
17. _____ में ज्ञान न लह्यो तरुण समय तरुणीरत रहो ।
18. ऐसे प्रभु की _____ को जलते करे ।
19. राजा राणा _____ हाथिन के असवार ।
20. _____ तेरी वाणी शुभनय के झरने झरते हैं ।
21. मंगल _____ यह भवसागर _____ ।
22. _____ मंगलकरण वीतराग विज्ञान ।

अंताक्षरी

नाम: _____

नोट: प्रथम प्रश्न के उत्तर के अंतिम अक्षर से दूसरे प्रश्न का उत्तर प्रारम्भ होगा-

1. एक अनुयोग का नाम _____
2. उन मुनिराज का नाम जिनके सिर पर जलती हुई सिगडी रखी गई थी ____
3. पूजा का एक द्रव्य _____
4. एक नारायण का नाम _____
5. हमारा महामंत्र _____
6. एक इन्द्रिय का नाम _____
7. भगवान की दृष्टि कैसी होती हैं _____
8. एक गुणस्थान का नाम _____
9. २१.वे तीर्थकर का नाम _____
10. तिर्यचगति का एक भेद _____
11. नरक की एक पृथ्वी का नाम _____
12. भरत के नाम से हमारा देश कहलाया _____
13. षट आवश्यक में से एक _____
14. एक लेश्या का नाम _____
15. जम्बूस्वामी कहा से मोक्ष गए _____
16. जिन्होंने अपने होनेवाले पति का अनुसरण किया _____
17. एक द्वीप जहाँ रावण राज्य करता था _____
18. जिनके साथ आचार्य मानतुंग का शास्त्रार्थ हुआ _____
19. द्वितीय चक्रवर्ती _____
20. आचार्य कुन्दकुन्द कृत आचरण विषयक १६७ गाथाओ में निबद्ध ग्रन्थ _____

1, उल्टा पुल्टा धर्म पहेली

नोट–: प्रत्येक खाने की लाईन के **सामने शब्द** को उल्टा पुल्टा कर लिखा गया है, आपको सही शब्द बनाकर खाने में लिखना है।

जैसे – दखजीरिसम्मेर

१– तदअर्थण्डन्नन

२– दमपुणारप

३– भावैग्यरानाव

४– व्यद्दआशका

५– शयांथश्रेना

६– कंमार्गक्षकाभोप्रश।

७– रितकापथचा

८– न्दकुआकुचान्दर्य

९– न्सेंघआर्यचा

१०– त्लीहुभवातरब्ध

११– नुदनर्शातिरवामू

१२– भीसाआमांप्त

१३– गंरसयंसा

१४– वीज्ञानभास्वव

१५– सात्रिकलोर

१६– तंरमटोकरसमाड

१७– वशागुरुत्रदेरु

१८– ब्धीसरनार्यचा

१९– थतसनाम्भ

२०– त्नश्राकण्डरचायरकार

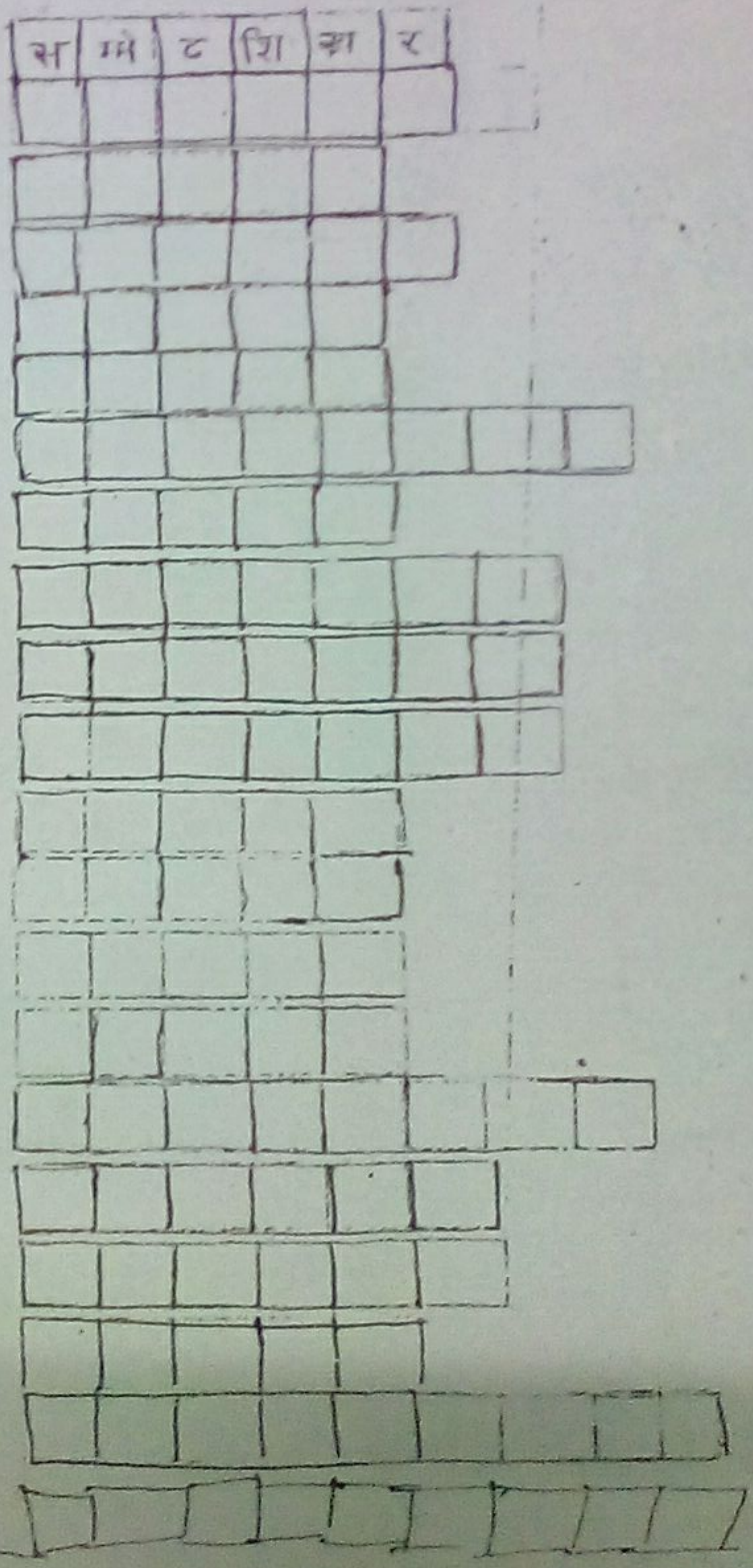

नाम –
पिता का नाम
पता :–

प्रस्तुति आशना नोगोतरी

* 2. तीर्थंकर ज्ञान पहेली *

प्रस्तुति — अंकिता नागावती

निम्नलिखित वाक्यों के आधार पर चौबीस तीर्थंकरों के नाम पहचानिए।

1. पंच बालयतियों में प्रथम बालयति।
2. सच्चे जिन ऐसे जिनके पिता थे।
3. सत्रहवें तीर्थंकर के नाम वाले जिनके प्रमुख गणधर थे।
4. ज्ञानियों की बुद्धि।
5. वर्तमान में सुख शासन नायक।
6. जिनपर उपसर्ग हुआ था ऐसे प्रथम तीर्थंकर।
7. रिक्त संसार में क्या चाहता है।
8. अतिथी के आने पर किया जाता है।
9. जिसका अंत न हो।
10. सूर्य उदय के साथ फूल खिलता है।
11. जिनको श्वेताम्बर स्त्री पर्याय में मोक्ष मानते हैं।
12. कंचन वर्ण वाले पंद्रहवें तीर्थंकर।
13. द्रव्यकर्म, भावकर्म एवं नोकर्म से रहित।
14. गर्मी में जिसकी जरुरत होती है।
15. जिन्हें जीता न जा सके।
16. जिसके सम्पर्क से लोहा भी सोना हो जाता है।
17. माह में जो दीपक तीरे बढ़ता और घटता है।
18. हर प्राणी को हर स्थिति में करते रहना चाहिए।
19. फूलों के समान दंत पंक्ति वाले।
20. जो कोई भी कार्य करने में प्रमाद न हो।
21. तीनपद के धारी अंतिम तीर्थंकर।
22. नारायण जिनके बड़े भाई थे।
23. जिन्होंने असि, मसि कृषि का ज्ञान कराया।
24. इस दूसरे चक्रवर्ती के प्रथम तीन कल्याणक हस्तिनापुर में हुए।

वासुपूज्य
सुविधिनाथ
श्रेयांसनाथ
सुमतिनाथ
महावीर
सुपार्श्वनाथ
शांतिनाथ
अभिनंदननाथ
अनंतनाथ
पद्मप्रभ
[illegible]
नेमीनाथ
विमलनाथ
शीतलनाथ
[illegible]
पार्श्वनाथ
चन्द्रप्रभ
धर्मनाथ
[illegible]
संभवनाथ
[illegible]
नमीनाथ
आदिनाथ
ऋषभनाथ

नाम —

प्रस्तुति :-
अखिल भारतीय युवा परिषद

प्रश्नांक-
नाम-

अनुयोग पहेली

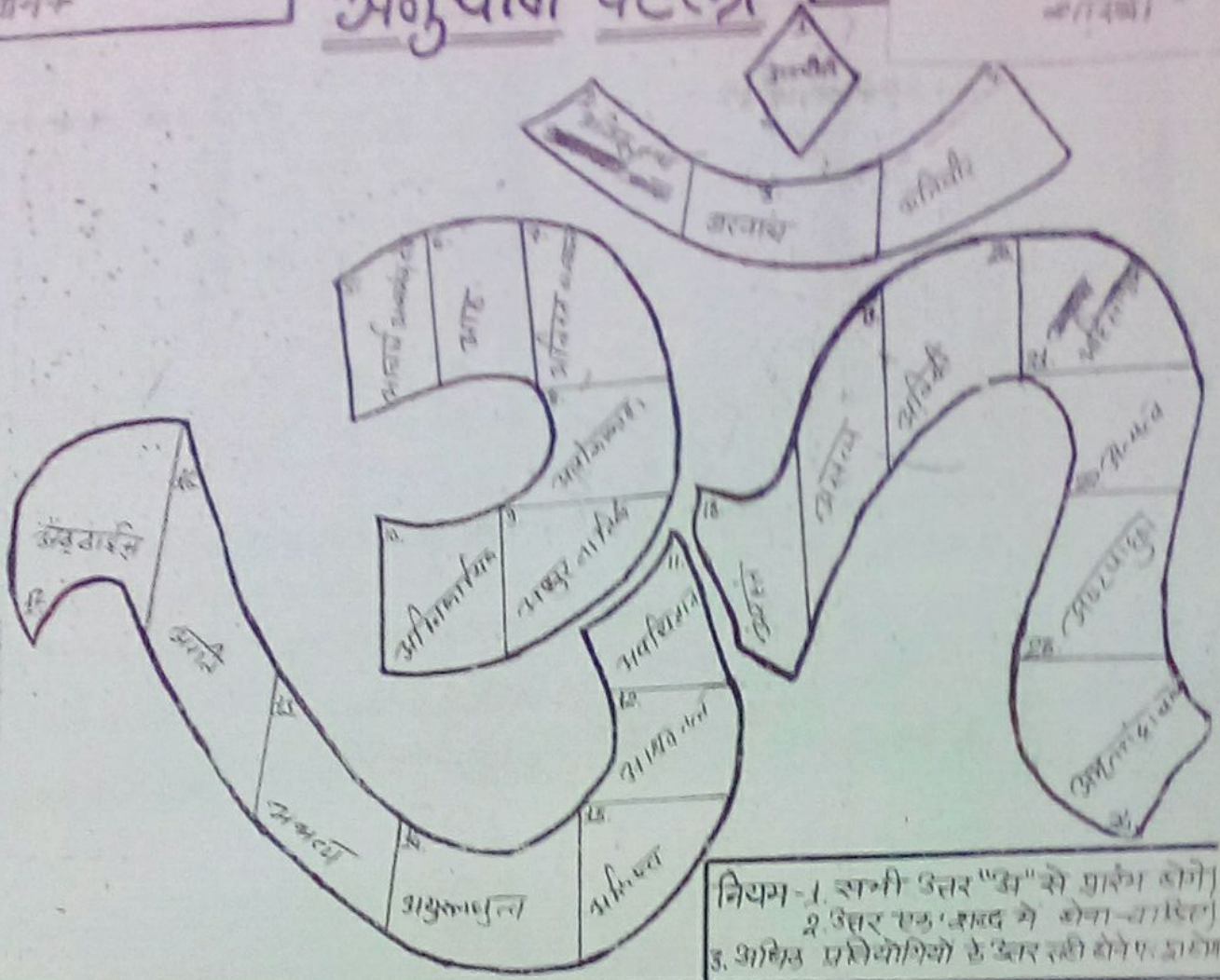

नियम - 1. सभी उत्तर "अ" से प्रारंभ होंगे।
2. उत्तर एक शब्द में होना चाहिए।
3. अधिक प्रतियोगियों के उत्तर सही होने पर ड्रा होगा।

1. सिद्धों का एक दूसरा नाम ?
2. सबसे अधिक तीर्थंकर किस तीर्थंकर के काल में हुए थे ?
3. तीन पदवी के धारक तीर्थंकर का नाम ?
4. वे तीर्थंकर जो चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जन्मे
5. तत्त्वार्थ राजवार्तिक के रचयिता ?
6. श्रावक के मूलगुणों की संख्या ?
7. 14 गुणस्थानों में से एक ?
8. आकाश द्रव्य का एक भेद ?
9. वे देव जो नारकियों को लड़ाने का कार्य करते
10. पंच स्थावरों में से एक का नाम ?
11. पाँच नामों में से एक का नाम ?
12. तत्त्वों में से एक तत्त्व का नाम ?
13. सामान्य गुणों में से एक गुण ?
14. सिद्धों के अष्ट गुणों में से एक गुण ?
15. जिसमें मोक्ष जाने की पात्रता न हो ?
16. नव नोकषाय में एक कषाय का नाम ?
17. साधु के मूलगुणों की संख्या ?
18. 46 गुणों के धारक होते हैं ?
19. पाँच पापों में से एक पाप का ऊपर नाम ?
20. मिथ्यात्व के पाँच प्रकारों में एक ?
21. अणुव्रतों का एक भेद ?
22. बारह भावना में से एक भावना ?
23. कुन्दकुन्दाचार्य का एक ग्रंथ ?
24. वे कौन थे जिन मुनिराज ने आत्मा की 47 शक्तियों का वर्णन किया ?

ओमेवादन में जय जिनेन्द्र बोलें

खोजो पाओ

1. व	2. र्ण	3. ना	4. जा	5. क	6. र्ति	7. वा	8. ज	9. रा	10. वि
11. र	12. त्न	13. क	14. र	15. ण्ड	16. श्रा	17. व	18. का	19. चा	20. र
21. मो	22. क्ष	23. मा	24. र्ग	25. प	26. का	27. श	28. क	29. सा	30. य
31. क्ष	32. प	33. द्र	34. पु	35. रा	36. ण	37. ट	38. में	39. र	40. ण
41. शा	42. ण	43. र	44. यो	45. मी	46. ना	47. ध	48. र	49. मो	50. सा
51. स्त्र	52. सा	53. सा	54. ग	55. र	56. गो	57. म्म	58. ट	59. सा	60. र
61. शा	62. र	63. म	64. सा	65. चा	66. सं	67. त	68. य	69. र	70. म
71. र्मा	72. में	73. य	74. र	75. ला	76. ला	77. व्य	78. मृ	79. क	80. स
81. ध	82. म	83. नि	84. व	85. मू	86. रि	87. रू	88. द्र	89. र्मा	90. में
91. स	92. र्व	93. ध	94. में	95. प	96. री	97. क्षा	98. मु	99. ख	100 ध

इन खंडो में कुछ ग्रंथो के नाम छिपे हुए हैं, आपको कोई १० ग्रंथों का नाम ढूंढकर उनका प्रारंभिक व अंतिम नंबर लिखना हैं । रचियता का नाम भी लिखना हैं । शब्द क्रमशः होने चाहिए । वह नीचे से ऊपर, ऊपर से नीचे, बाए से दॉए, दॉए से बाए अथवा तिरछे भी हो सकते हैं

	ग्रन्थ का नाम	नंबर से नंबर तक	ग्रंथकार
जैसे	मोक्षमार्ग प्रकाशक	21 से 28	टोडरमल जी
1.		☐☐ से ☐☐	
2.		☐☐ से ☐☐	
3.		☐☐ से ☐☐	
4.		☐☐ से ☐☐	
5.		☐☐ से ☐☐	
6.		☐☐ से ☐☐	
7.		☐☐ से ☐☐	
8.		☐☐ से ☐☐	
9.		☐☐ से ☐☐	
10.		☐☐ से ☐☐	

अक्षर प्रतियोगिता

नाम .....

अ एक आचार्य का नाम
आ सात तत्त्वों में से एक तत्त्व
इ तीर्थंकर बालक को जो गोद में लेती है
ई मतिज्ञान का एक भेद
उ आठ अंग में से एक अंग
ऊ एक सिद्ध क्षेत्र का नाम
ए शुक्लध्यान का एक भेद
ऐ 16 स्वप्नों में से एक सपना
ओ तीर्थंकर परमात्मा की दिव्यध्वनि होती है
औ एक शरीर का प्रकार
अं एक कर्म का नाम
क पार्श्वनाथ पर उपसर्ग किया था वह
ख आकाश का पर्यायवाची शब्द
ग जम्बूद्वीप की एक नदी का नाम
घ एक वातवलय तथा एक समुद्र का नाम
च चार अनुयोगों में से एक
छ 4 से 12 गुणस्थान तक के जीव होते हैं
ज पद्मश्री, कनकश्री, विनयश्री, रूपश्री जिनकी पत्नियाँ थी
झ परम गुरु वर सन्मति.....
ट एक नरक भूमि का नाम
ठ तिर्यंच गति के जीव का एक भेद
ड सोलह कारण भावनाओं में से एक भावना
ढ एक आचार्य का नाम
ण जो पदार्थ के एक अंश को ग्रहण करता है
त एक ग्रन्थ का नाम
थ नरेन्द्र ..... सुरेन्द्र अधिपं
द सात तत्त्वों में से एक तत्त्व का नाम
ध सभी जीव स्वभाव से
न जम्बूस्वामी जहाँ से मोक्ष पधारे, उस भूमि का नाम
प सम्यक् का एक पर्यायवाची
फ सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चारित्र को एक अक्षर में कहा जावे तो
ब एक सागर का नाम
भ मूलाचार ग्रन्थ के रचियता का नाम
म नो कर्म जिसे कहा जाता है वह
य एक ग्रन्थ का नाम
र निर्जरा का एक प्रकार
ल जिनके गिरने से शिला टूट कर चकनाचूर हो गई
व जो रक्षा करते हैं तथा जिनका दशहरा पर्व होता है

पहचानों मैं कौन हूँ (अपर नाम बताइये)

नाम : .....

पिता श्री.....

1. जिनके गिरने से शिला टूट कर चकनाचूर हो गई और 'श्रीशैल' नाम विख्यात हुआ.....
2. शास्त्र सुनते समय गरदन टेड़ी हो जाने से नाम ' वक्रग्रीवाचार्य' प्रसिद्ध हुआ.....
3. भगवान वीर के गणधर हुए और नाम 'गौतम' विख्यात हुआ.....
4. भद्रबाहु के शिष्य थे और मुरा के पुत्र होने से 'मौर्य' कहलाये.....
5. जनक की पुत्री होने के कारण 'जानकी' नाम विख्यात हुआ.....
6. भूत जाति के देवों द्वारा दंतपंक्ति सुन्दर करने के कारण नाम 'पुष्पदंत' प्रसिद्ध हुआ.....
7. तीनों लोकों का मानदण्ड है अतः 'मेरु' नाम प्रसिद्ध हुआ.....
8. गोमट्ट राजा की प्रेरणा द्वारा रचित होने के कारण नाम 'गोमट्टसार' विख्यात हुआ.....
9. जिनके कारण श्रवणबेलगोला स्थित प्रतिमा 'गोमटेश्वर' नाम से विख्यात हुई.....
10. सृष्टि की आदि में उत्पन्न होने से 'आदिपुरुष' विख्यात हुए.....
11. एकान्त मतों के निराकरण और भगवान महावीर में आप्ततत्त्व की सिद्धि के कारण नाम 'आप्तमीमांसा' प्रसिद्ध हुआ.....
12. बालि मुनि के अंगुठे के नीचे दबने से रुदन करने के कारण 'रावण' नाम प्रसिद्ध हुआ.....
13. बनारस यात्रा के समय पार्श्वनाथ की जन्मभूमि वाराणासी के नाम पर इनका नाम 'बनारसीदास' रखा गया.....
14. प्रथम सूत्र ग्रन्थ रचनाकार.जो मयूर पीछी गिरने से गीध पंखो की पीछी लेने से 'गृध्रपिच्छाचार्य' नाम से प्रसिद्ध हुए.....
15. कमल की पंखुडी के समान नेत्र होने के कारण 'पद्म' नाम प्रसिद्ध हुआ .....

अन्तरात्मा

सभी प्रश्नों के उत्तर 'अ, आ' से दें

प्र.1. इस युग के धर्म के प्रथम प्रचारक कौन थे ?

प्र.2. प्रथमानुयोग का एक महाग्रंथ ?

प्र.3. किंचित मात्र भी परिग्रह संग्रह न करना ?

प्र.4. जिन्होंने चार घातिया कर्म नष्ट कर दिये वह ?

प्र.5. जो संघ के नायक होते हैं ?

प्र.6. बारह तपों में एक तप ?

प्र.8. जो जीव कभी मोक्ष नहीं पा सकता ?

प्र.9. पाँचों पापों का एक देश त्याग करना ?

प्र.10. दूसरों की वस्तु बिना आज्ञा के ग्रहण नहीं करना ?

प्र.11. भूतकाल के तेईसवें तीर्थंकर का नाम ?

प्र.12. भविष्यकाल के बारहवें तीर्थंकर का नाम ?

प्र.13. कैकई कौन सी विद्या में निपुण थी ?

प्र.14. आदिनाथ के भी पहले मोक्ष गये ?

प्र.15. वे मुनिराज जिन्होंने छह माह तक देवी से शास्त्रार्थ किया ?

प्र.16. दशरथ की एक रानी का नाम ?

प्र.17. चार दानों में एक का नाम ?

प्र.18. पाँचवें नरक का नाम ?

प्र.19. जो देव आपस में लड़ाते हैं ?

प्र.20. पंचमेरू में एक का नाम ?

प्र.21. तेरहवें स्वर्ग का नाम ?

प्र.22. आठवीं प्रतिमा का नाम ?

प्र.23. भरत जी को कितने समय में कैवल्य ज्ञान हुआ ?

प्र.24. कर्मों के आने के द्वार को कहते हैं ?

नाम ..... पिता का नाम ..... उम्र .....

पता ..... दूरभाष .....

शब्द रचना पहेली

नोट रिक्त स्थान भरे ।

1 भा__पु__ण

2 प__मे__ठी

3 स्व__म्भू__म__

4 गु__स्था__

5 चै__त्र__

6 के_____ज्ञा__

7 ष__भा_____क

8 __क्षमा____का__क

9 त____सू__

10 ग__ह__म__भा____

11 प____त्या____

12 प_____ल__तेण्ड

13 कु____कु_____

14 ____न__णी

15 छ_____ला

16 नि__म__र

17 श्लो_____वा____क

18 स____सि____

19 पु____षा____सि_____

20 द__ल__ण

21 द्र____नुयो__

22 बा____भा__ना

23 म__वी__

24 ___म्मट____र

25. ___ष्टोप___श

नोट: रिक्त स्थान भरे ।

1 आ__पु__ण

2 प__मे__ठी

3 स्व__म्भू__म__

4 गु__स्था__

5 चै__त्र__

6 के_____जा__

7 ष__आ_____क

8 __क्षमा____का__क

9 त____सू__

10 ग__ह__म__भा____

11 प____त्या____

12 प्र_____ल__तेण्ड

13 कु____कु____

14 ____न__णी

15 छ_____ला

16 नि__म__र

17 श्लो_____वा____क

18 स____सि____

19 पु____षा____सि_____

20 द्__ल__ण

21 द्____नुयो___

22 बा____भा__ना

23 म__ती__

24 ___म्मट____र

25 ___ष्टोप___श

पर्यूषण पर्व के पावन प्रसंग पर चौबीस तीर्थंकरों पर आधारित

तीर्थंकर ज्ञान प्रतियोगिता

1) भगवान आदिनाथ के समवशरण में प्रथम श्रोता कौन थे ?
2) भगवान श्री अजितनाथ के वैराग्य का क्या कारण था ?
3) भगवान श्री सम्भवनाथ के जन्म का स्थान बताइए।
4) श्री अभिनन्दननाथ भगवान ने कितने वर्षों तक तप किया था ?
5) श्री सुमतिनाथ भगवान को केवलज्ञान कौनसी तिथि को हुआ था ?
6) श्री पद्मप्रभु भगवान की माता का नाम बताइए।
7) श्री सुपार्श्वनाथ भगवान ने कौनसे नगर में दीक्षा ली थी ?
8) श्री चन्द्रप्रभ भगवान के शरीर का वर्ण बताइए।
9) श्री पुष्पदन्त भगवान की ऊँचाई कितनी थी ?
10) भगवान शीतलानाथ कौनसे वंश में हुए थे ?
11) भगवान श्रेयांसनाथ की पूर्व पर्याय का क्या नाम था ?
12) भगवान वासुपूज्य के पाँचों कल्याणक एक ही स्थान पर कहाँ हुए हैं ?
13) श्री विमलनाथ भगवान के दीक्षावृक्ष का नाम बताइए।
14) भगवान अनन्तनाथ के जन्मस्थान अयोध्या नगरी का दूसरा नाम बताइए।
15) धर्मनाथ भगवान का प्रथम आहार किस नगर में हुआ था ?
16) भगवान शान्तिनाथ कौनसे नम्बर के कामदेव व चक्रवर्ती हुए थे ?
17) श्री कुन्थुनाथ तीर्थंकर कहाँ से च्युत होकर माता के गर्भ में आये थे ?
18) स्वयं चक्रवर्ती अरहनाथ भगवान के काल में कौन दूसरे चक्रवर्ती हुए ?
19) श्री मल्लिनाथ भगवान ने सर्वप्रथम किस वस्तु का आहार लिया था ?
20) भगवान मुनिसुव्रत का जन्म किस वंश में हुआ था ?
21) श्री नमिनाथ भगवान के शरीर की ऊँचाई कितनी थी ?
22) श्री नेमिनाथ भगवान के समवशरण के प्रथम श्रोता कौन थे ?
23) भगवान पार्श्वनाथ के कितने गणधर हुए थे ?
24) श्री भगवान महावीर के कितने अनुबद्ध केवली थे ?

नियम –

1. सभी प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में ही होने चाहिए।
2. प्रश्नों के उत्तर आगे दी हुई जगह में लिखिए।

नाम .....

फटाफट प्रतियोगिता भाग २ (25.09.2012)

नियम :- निर्देशानुसार समय :- 10 मिनट पूर्णांक :- 100 अंक

संख्या बराबर क्या ?

1.	व्युत्सर्ग ✓	रौद्र ध्यान	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	—
2.	आहार	तप ✓	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
3.	मकार ✓	भय	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
4.	कषाय	एक योजन में कोश	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
5.	परमेष्ठी	परमागम	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
6.	आवश्यक कार्य	बाह्य तप	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
7.	व्यसन	नरक	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
8.	दव्य ✓	मोक्षगामी चक्रवर्ती	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	—
9.	अंतरंग तप	नारायण ✓	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
10.	धर्म	पार्श्वनाथ जी के गणधर	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
11.	रूद्र ✓	बलभद्र	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
12	चक्रवर्ती ✓	महावीर जी के गणधर	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
13	विमलनाथ जी का नं.	महावर जयंती की तिथि	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
14.	कुलकर	नेमिनाथ जी के गणधर	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं ✓	—
15.	घातिया कर्म	धर्मनाथ जी का नं. ✓	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
16.	स्वर्ग	भावनायें	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
17.	इक्ष्वाकू वंश के तीर्थंकर ✓	चैत्र माह के कल्याणक	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	—
18.	मुनिसुव्रत जी के गणधर	दोष	ये दोनों ✓	इनमें से कुछ नहीं	+
19.	कल्पवृक्ष	समवशरण की भूमियाँ	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं ✓	+
20.	विद्यमान तीर्थंकर ✓	आदिनाथ समोवशरण में केवली	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	—
21.	नमिनाथ जी का नं. ✓	प्रतिक्रमण	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
22.	परिकर्म	साधु के मूलगुण	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं ✓	
23.	पार्श्वनाथ जी का नं. ✓	परीषह	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
24.	तीर्थंकर ✓	शिखर जी की टोकें	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+
25.	कामदेव	उपाध्याय के मूलगुण ✓	ये दोनों	इनमें से कुछ नहीं	+

नाम :- पवन जैन पिता का नाम-

+ = 19 / — = 6 / 16 X 4 = 64

फटाफट प्रतियोगिता भाग 3 (26.09.2012)

नियम – निर्देशानुसार समय – 10 मिनट पूर्णांक – 100 अंक

वेमेल पहचानो

1.	देव	शास्त्र	गुरु	जिनवाणी	+
2.	सम्यक ज्ञान	सम्यक दर्शन	सम्यक चारित्र	सम्यक वाणी	+
3.	आदिनाथ	नेमिनाथ	बाहुबली	नमिनाथ	+
4.	क्रोध	हिंसा	माया	मान	+
5.	गर्भ	तप	नामकरण	ज्ञान	+
6.	अरहंत	साधु	ज्ञायक	सिद्ध	+
7.	सत्य	क्षमा	त्याग	अहिंसा	+
8.	नारद	नारायण	रुद्र	बलदेव	–
9.	हनुमान	अनंत वीर्य	जम्बू स्वामी	श्री पाल	–
10.	काल	भीम	महाकाल	बलभद्र	–
11.	ऐरावत हाथी	कलश युगल	मक्र रत्न	सूर्य	–
12.	विमलनाथ	नेमिनाथ	पार्श्वनाथ	मल्लिनाथ	+
13.	शिखर जी	पावापुरी	श्रवणबेलगोला	गिरनार जी	+
14.	सीमंधर	संजातक	युगमधर	भूत बलि	+
15.	अयोध्या	कम्पिल जी	अहिछत्र	शौरीपुर	+
16.	पुष्पदन्त जी	आदिनाथ जी	शीतल नाथ जी	महावीर स्वामी	+
17.	संयम	तप	देव दर्शन	वैय्यावृत्त	–
18.	महावीर जी	सांगानेर	चम्पापुर	तिजारा जी	+
19.	गणित	वाणिज्य	शिल्प	कृषि	+
20.	चक्षुमान	यशस्वी	प्रसेन जित	नाग कुमार	+
21.	भरत	मधु कैटभ	सुभौम	हरि षेण	+
22.	सहदेव	नकुल	कृष्ण	भीम	+
23.	नमिनाथ	शांतिनाथ	कुंथुनाथ	अरहनाथ	+
24.	मद्य	मांस	मदिरा	मकार	+
25.	इह लोक	पर लोक	मध्य लोक	वेदना	+

2 = 7
5 = –
17.5 X 4
(70)

नाम :– पलक जैन पिता का नाम –

आश्विन नानावटी
जैनदर्शनाचार्य

सिद्धक्षेत्रों के नाम लिखें

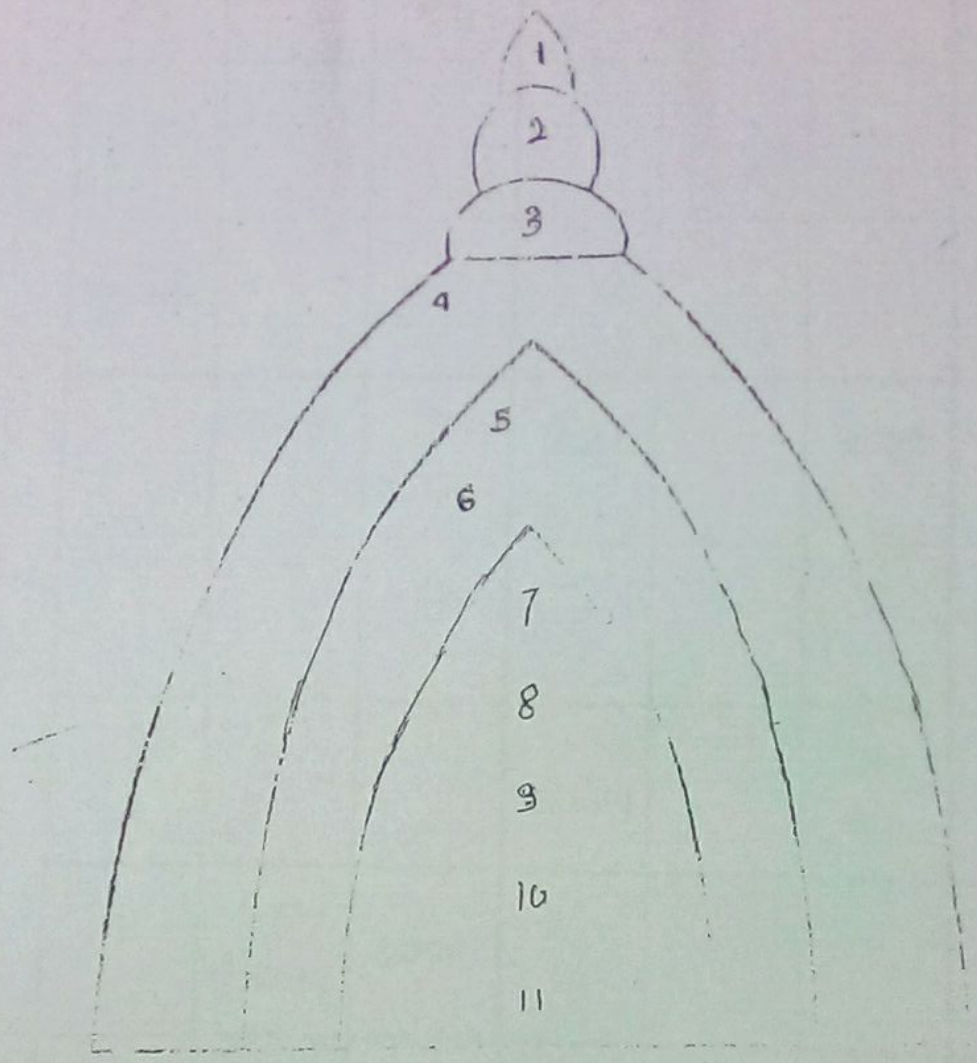

प्र.1. [illegible] एक फूल का नाम

प्र.2. महाभारत के समय के एक गुरु ? ... चन्द्रमा का दूसरा नाम

प्र.3. जिससे आँखों की याद आती है ? प्र.9. एक परमाणु का नाम

प्र.4. नारी का एक गहना ? प्र.10. एक महल में जहां राजा रहता है

प्र.5. एक धातु का नाम ? प्र.11. आकाश [illegible] दूसरा नाम।

प्र.6 जिस पर पूरी दुनिया की निगाह हो ?

नाम

आओ करें नवदेवता पूजन

जिन धर्म		सर्व साधु			जिनागम			जिन चैत्यालय
						उपाध्याय		
उपाध्याय						जिन चैत्य	सिद्ध	
	अरहंत	जिन चैत्यालय	सिद्ध		आचार्य			
			उपाध्याय		जिन चैत्य	अरहंत	जिन धर्म	
	जिन चैत्यालय	आचार्य						जिन चैत्य
		उपाध्याय						
सर्व साधु			आचार्य			जिन धर्म		सिद्ध

नोट - 1. प्रत्येक पंक्ति में पूरे नौ देवता के नाम भरे जाना आवश्यक है।

2. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एक 3 × 3 के वर्ग में किसी भी नव देवता का नाम दुबारा ना आये।

नाम _____

"खोजो और पाओ" वर्ग पहेली

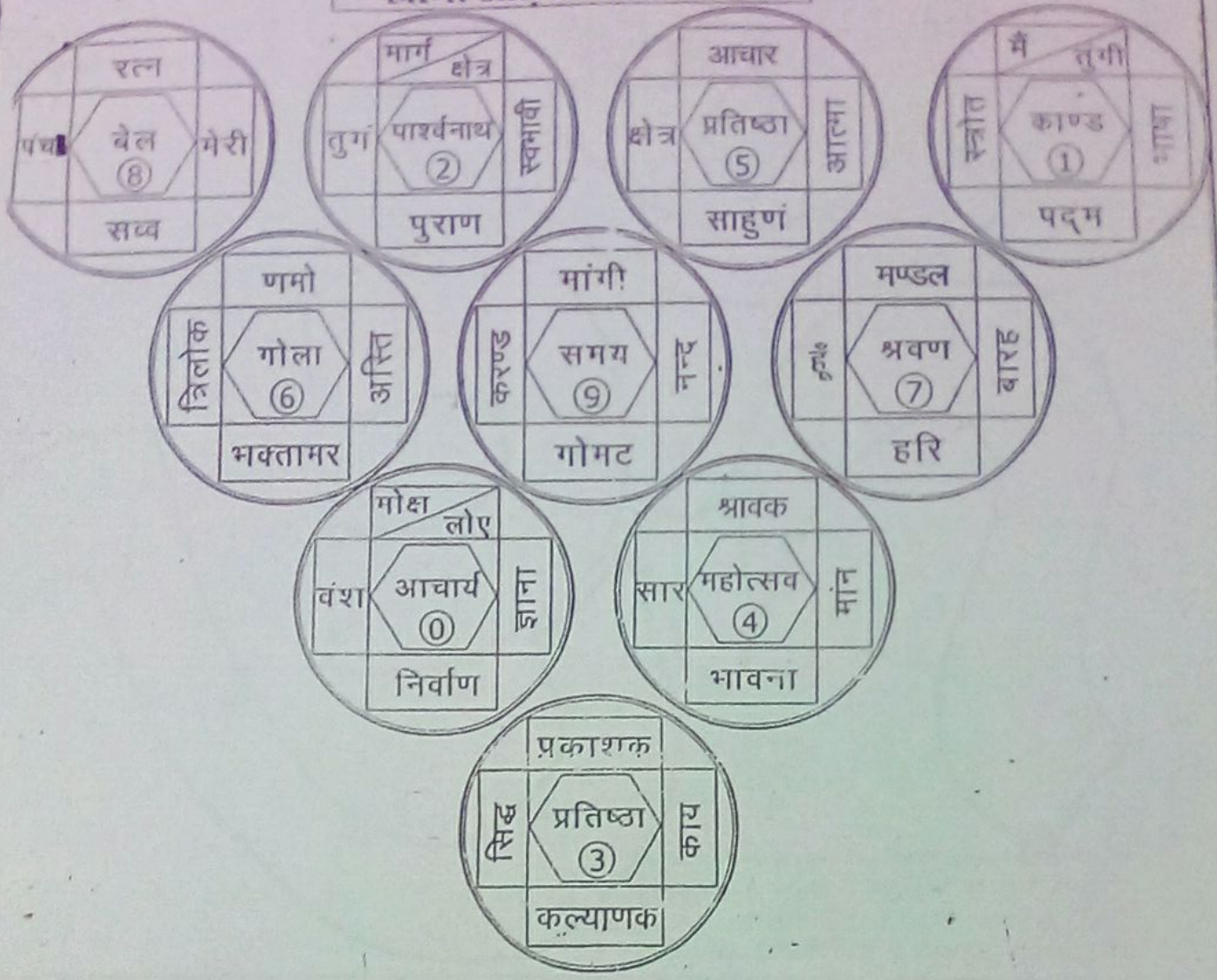

1	8945	रत्न करण्ड श्रावकाचार	11	674
2	61		12	12
3	023		13	8354
4	702		14	011
5	6085		15	21
6	10927		16	2
7	420		17	84
8	786		18	74
9	9132		19	94
10	94		20	863

नोट :– 1. इस वर्ग पहेली में दस आकृतीया दि गई है तथा इन गोलो में आचार्यो, भगवन्तो, ग्रंथ, व तीर्थ क्षेत्रों के नाम अलग–अलग करके लिखे गये है। अब इसमें आपको गोलो व शब्दो की संख्याओ के माध्यम से आचार्यो, भगवन्तो, ग्रंथ, व तीर्थ क्षेत्रों के नाम सही क्रम से जमा कर अपने ज्ञान की पहचान करनी है।

2. निर्णायको का निर्णय अन्तिम होगा।

अनोखे प्राश्नों के नाम और उत्तरित

उदाहरण - जिसमें पाँच अस्तिकाय हैं - पंचास्तिकाय

1. जो स्वच्छ है
2. जिसमें तत्वों का अर्थ है
3. आत्मा का जो अनुशासन है
4. विश्व से सार है
5. मुक्ति के मार्ग का प्रकाशन करने वाला है
6. जो स्वरूप से जोड़ता है
7. परमेश्वर को जो प्रकाशित करता है
8. हर समय मनवान है
9. जो तपस्या करने से प्रकट होती है
10. समाधि ही समाधि
11. रत्नों का खजाना
12. उत्कृष्ट वचनों में सार
13. एक अनुत्तर विमान
14. जिसमें हर प्रश्न का उत्तर है
15. जिसमें भगवान की परीक्षा की गई हो
16. जिसका हर उपदेश इष्ट है
17. जिसमें एक वंश का नाम है
18. जिसके आचरण में ज्ञान आनंद है
19. जिसमें तीन लोक का स्वरूप है
20. न्याय का मुख

संयोजक - अभय अंकुश (उपाध्याय वरिष्ठ)

अंताक्षरी क्यूब प्रतियोगिता

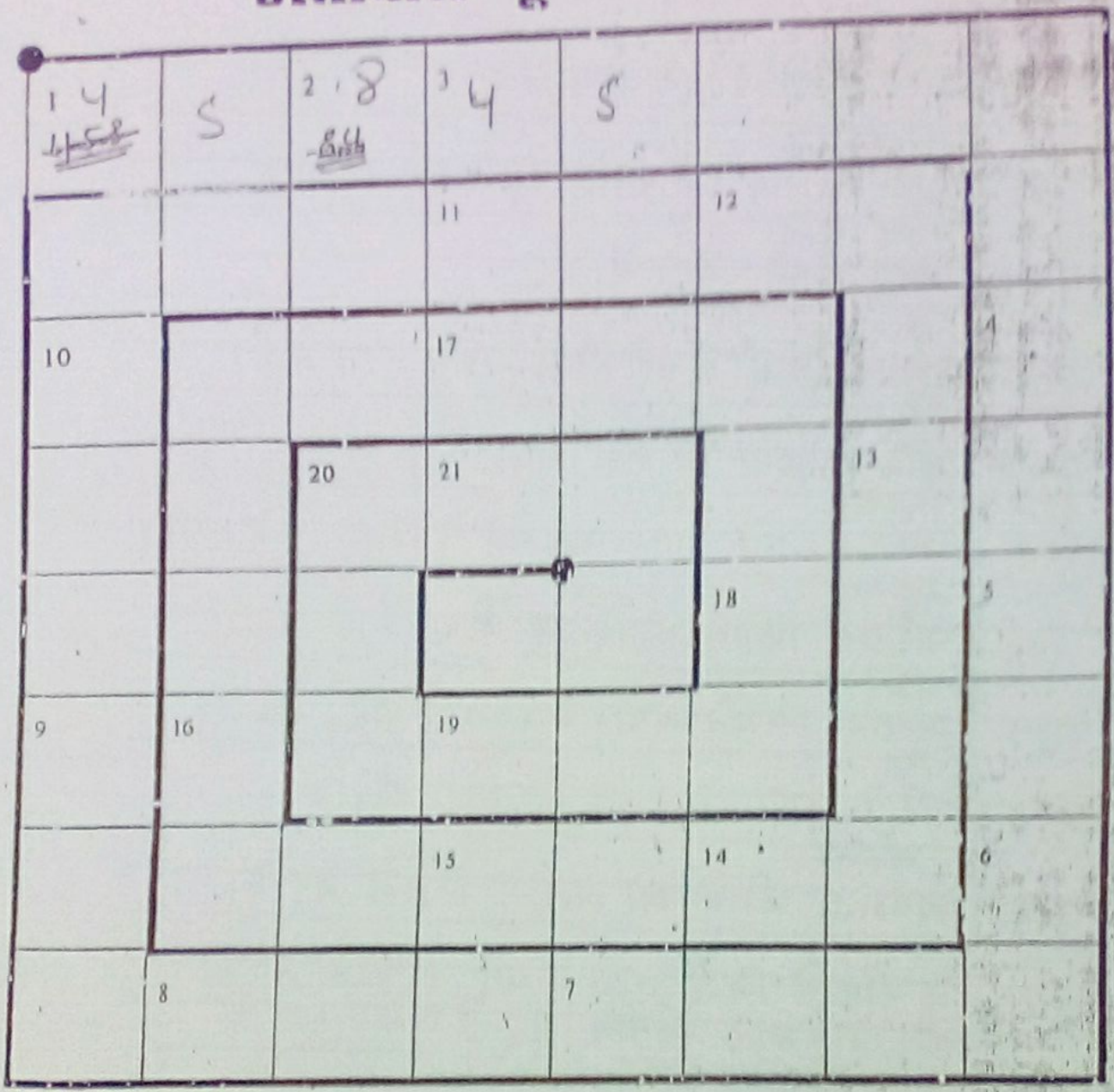

1. मध्यलोक में अकृत्रिम जिनालय
2. सूर्य की गलियाँ
3. मनुष्य क्षेत्र का विस्तार
4. हस्तिनापुर के राजा पद्म का मंत्री
5. पुद्गल का एक गुण
6. भवनवासी देवों का एक भेद
7. सातवीं शताब्दी के एक आचार्य
8. सर्व विघ्नशाक एक यंत्र
9. अधोलोक की एक पृथ्वी
10. मुनियों का एक मूलगुण
11. एक गति का नाम
12. एक सिद्ध क्षेत्र का नाम
13. आचार्य कुन्दकुन्द का एक ग्रंथ
14. ऐरावत क्षेत्र की एक नदी
15. जंगल की अग्नि
16. एक समुद्र का नाम
17. 58 गाथा वाला एक ग्रंथ
18. श्रीकृष्ण का वंश
19. चक्रवर्ती का रत्नमय रथ
20. ज्योतिषी देवों का प्रतीन्द्र
21. आचार्य श्री विद्यासागर जी के गृहस्थ अवस्था का नाम

क्षणभंगुर संसार (नाटिका)

आशाओं का हुआ खातमा, दिल की तमन्ना पड़ी रही।
बस परदेशी हुआ रवाना, प्यारी काया पड़ी रही॥
करना-करना आठों पहर ही मूरख इक लगता है,
मरना-मरना मुझको कभी नहीं, लब्ज़ जुबा पर लाता है।
पर सब ही है झरने वाले शान किसी की नही रही॥
बस परदेशी हुआ रवाना.....

पण्डित जी:-

एक पण्डितजी पत्रिका लेकर गणित हिसाब लगाते थे,
समय काल तेजी -मंदी की होनहार बतलाते थे।
आया काल चले पंडितजी पत्रिका हाथ में धरी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

वकील साहब:-

एक वकील आफिस में बैठे, सोच रहे वे अपने दिल,
फला दफा पर बहस करूँगा, पोइन्ट मेरा बड़ा प्रबल।
इधर कटा वारन्ट मौत का, वक्त की पेशी धरी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

२।
मुनीम जी

एक मुनीम बैठे दुकान पर, जमा खर्च यों जोड़ रहे,
इतना देना इतना लेना, बड़े गौर से सोच रहे।
काल बली की लगी चोट, जब कलम कान में पड़ी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

मोडर्न गर्ल:-

एक लड़की फैशन में हरदम इधर उधर इठलाती थी,
चार पाँच थी फ्रेंड साथ में, बातें बहुत बनाती थी।
कट गयी टिकट चली मैडमजी, पर्स हाथ में दबा रहा,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

जेन्टल मैन:-

जेन्टल मैन घूमने को एक वक्त शाम को जाता था,
चार पाँच थे दोस्त साथ में, बातें बड़ी बनाता था।
लगी जो ठोकर गिरे बाबूजी छड़ी हाथ में लगी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

सास जी:-

एक सास भरी ऐंट में गाली खूब सुनाती थी,
चिमटा बेलन दिखा दिखाकर, बहू को खूब सताती थी।
आया वक्त चली सेठानी पाप की गठरी पड़ी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

नेताजी:-

एक नेताजी खड़े मंच पर, भाषण खूब सुनाते थे,
ये कर दूँगा, वो कर दूँगा, गप्पें खूब लगाते थे।
फटा जो बम उड़ गये नेताजी, टोपी सिर पर पड़ी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

डॉक्टर साहब:-

इलाज करने को इन सबका, डॉक्टर जी तैयार हुए,
विविध दवाँ औजार साथ ले, मोटर कार सवार हुए।
आया वक्त उलट गयी मोटर, दवाँ बॉक्स में धरी रही,
बस परदेशी हुआ रवाना.....

आशाओं का हुआ खातमा, दिल की तमन्ना पड़ी रही।
बस परदेशी हुआ रवाना, प्यारी काया पड़ी रही ।।

सचिन जैन शास्त्री
गढ़ी (बाँसवाड़ा)